3 | राजधानी
एक्यूआई 300 के पार हवा हुई दमघोटू

6 | अभिमत
खाद्य सब्सिडी की समीक्षा जरूरी

10 | विदेश
रूसी रॉकेट हमले में छह की मौत

12 | स्पोर्ट्स
ट्रॉट को पाकिस्तान के खिलाफ जीत की आशा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 345
नई दिल्ली, सोमवार, 23 अक्टूबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भाजपा ने विधायक राजा सिंह का निलंबन रद्द किया

राष्ट्रीय-11

भारत ने अपना लोहा मनवाया

विश्वकप में बीस साल बाद न्यूजीलैंड को पराजित किया, अंक तालिका में शीर्ष पर

भाषा। धर्मशाला

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग को आउट करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करती भारतीय टीम

मोहम्मद शमी के पांच विकेट के बाद विराट कोहली के बड़े अर्धशतक से भारत ने रविवार को यहां आईसीसी विश्व कप मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत किया। इस जीत से भारत ने पांच मैचों में पांच जीत से 10 अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। न्यूजीलैंड पांच मैच में चार जीत से आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

न्यूजीलैंड के 274 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने कोहली (104 गेंद में 95 रन, आठ चौके, दो छक्के) की श्रेयस अय्यर (33) के साथ तीसरे विकेट की 52, लोकेश राहुल (27) के साथ चौथे विकेट की 54 और रविंद्र जडेजा (44 गेंद में नाबाद 39) के साथ छठे विकेट की 78 रन की साझेदारी से 48 ओवर में छह विकेट पर 274 रन बनाकर जीत दर्ज की। कप्तान रोहित शर्मा ने भी (46) रन की उम्दा पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से लॉकी फर्ग्युसन ने 63 रन देकर दो विकेट चटकाए। मिशेल सेंटनर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर एक विकेट हासिल किया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। मिशेल ने इससे पहले 127 गेंद में पांच छक्कों और नौ चौकों की मदद से 130 रन की पारी खेलने के अलावा रचिन रविंद्र (75 रन, 87 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के साथ तीसरे विकेट के लिए 159 रन जोड़े लेकिन इसके बावजूद टीम 50 ओवर में 273 रन पर आउट हो गई। मिशेल और रविंद्र की साझेदारी इस मैदान पर किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ही बल्लेबाजों को भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने जीवनदान भी दिया।

भारत के लिए शमी सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 54 रन देकर करियर में तीसरी बार पांच विकेट चटकाए। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव महंगे साबित हुए। उन्होंने 73 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मोहम्मद सिराज (45 रन पर एक विकेट) और जसप्रीत बुमराह (45 रन पर एक विकेट) ने किफायती गेंदबाजी करते हुए एक-एक विकेट अपने नाम किया। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहली बार दबाव में दिखे। टीम अंतिम 13 ओवर में भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने 68 रन ही बना सकी। विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 मैच में यह भारत की चौथी जीत है जबकि पांच मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच बेनतीजा रहा। भारत ने न्यूजीलैंड को विश्व कप में पिछली बार 20 साल पहले 2003 में सेंचुरियन में हराया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को रोहित शर्मा (46) और शुभमन गिल (26) की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 71 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। रोहित शुरू से ही अच्छी लय में दिखे।

उन्होंने ट्रेंट बोल्ट पर चौके से खाता खोलने के बाद उनकी और मैट हेनरी की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया।गिल ने सतर्क शुरुआत के बाद बोल्ट और हेनरी पर दो-दो चौके मारे और आठवें ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। रोहित ने हेनरी और सेंटनर पर छक्के मारे लेकिन लॉकी फर्ग्युसन की पहली ही गेंद को विकेटों पर खेल गए। उन्होंने 40 गेंद का सामना करते हुए चार छक्के और इतने ही चौके मारे। गिल भी फर्ग्युसन के अगले ओवर में थर्ड मैन पर मिशेल को कैच दे बैठे। वह इस पारी के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। गिल ने 38 पारियों में यह मुकाम हासिल किया और दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। अय्यर ने फर्ग्युसन पर दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर उन पर एक और चौके के साथ 15.4 ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया जिसके बाद घने कोहरे के कारण लगभग 15 मिनट तक खेल रुका रहा। मैच दोबारा शुरू होने पर कोहली ने फर्ग्युसन पर दो चौके मारे। अय्यर ने भी रविंद्र का स्वागत चौके के साथ किया लेकिन बोल्ट की बाउंसर को डीप स्क्वायर लेग में कॉनवे के हाथों में खेल गए।

उन्होंने 29 गेंद में छह चौकों से 33 रन बनाए। कोहली को इसके बाद राहुल के रूप में एक और उम्दा जोड़ीदार मिला। राहुल ने फर्ग्युसन पर चौके से खाता खोला और फिर रविंद्र पर भी चौका मारा। कोहली ने भी रविंद्र पर छक्का जड़ा। सेंटनर ने राहुल को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा। सेंटनर की विश्वसनीय अपील को अंपायर ने ठुकरा दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला गेंदबाज के पक्ष में गया। कोहली ने सेंटनर की गेंद पर एक रन के साथ 60 गेंद में अर्धशतक पूरा

(शेष पेज 9)

फलस्तीन को भारत ने भेजी राहत सामग्री

भारतीय वायुसेना के सी-17 परिवहन विमान से गाजा के लिए भेजी गई राहत सामग्री।

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली

- 38 टन मानवीय सहायता में दवाओं, चिकित्सा उपकरण, तंबू, तिरपाल समेत कई सामग्रियां हैं शामिल

गाजा में रहने वाले नागरिकों की दुर्दशा पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच भारत ने रविवार को फलस्तीन के लोगों के लिए दवाओं और चिकित्सा उपकरणों सहित 38 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी।

खेप को भारतीय वायु सेना के सी-17 परिवहन विमान से मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे पर भेजा गया। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों ने गाजा की स्थिति को 'विनाशकारी' बताया है। हमास द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर अभूतपूर्व हमले के बाद इजराइली सेना गाजा पर जवाबी हवाई हमले कर रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि राहत सामग्री फलस्तीन तक पहुंचाने के लिए मिस्र के रेड क्रिसेंट को सौंप दी गई है। बागची ने एक्स पर कहा कि फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भेज गई।

फलस्तीन के लोगों के लिए लगभग 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री लेकर आईएएफ सी-17 उड़ान मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई। उन्होंने कहा कि सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल सामान,

(शेष पेज 9)

नवम सिद्धिदात्री

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥

नौवीं देवी सिद्धिदात्री की कृपा से शिव ने तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर हुए। यह देवी सर्व सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी हैं। उपासक या भक्त पर इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी चुटकी में संभव हो जाते हैं। हिमाचल के नंदापर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व आठ सिद्धियां होती हैं। इसलिए इन देवी की सच्चे मन से विधि विधान से उपासना-आराधना करने से यह सभी सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। इन देवी का स्मरण, ध्यान, पूजन हमें इस संसार की असारता का बोध कराते हैं और अमृत पद की ओर ले जाते हैं।

रोजगार के वादे को पूरा कर रही डबल इंजन सरकार: आदित्यनाथ

- योगी ने कहा-उप्र में रोजगार के अवसर प्रचुर मात्रा में, युवा अपनी रुचि का क्षेत्र चुने व खुद को तैयार करें, सरकार उनकी नौकरियों की गारंटी देगी
- मिशन महिला सारथी कार्यक्रम में योगी बोले, महिलाओं का सम्मान करने वाला समाज ही विकास की बुलंदियों को छूता है

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर/अयोध्या/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार राज्य में पर्याप्त अवसर पैदा करके रोजगार के वादे को पूरा कर रही है।

वहीं एक अन्य कार्यकम में सीएम योगी ने कहा कि वही समाज सशक्त होगा और विकास की बुलंदियों को छुएगा जहां नारी का सम्मान होगा। गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित एक मेगा रोजगार मेले में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में रोजगार के अवसर प्रचुर मात्रा में हैं और युवाओं को अपनी रुचि का क्षेत्र चुनना चाहिए और खुद को तैयार करना चाहिए और सरकार उनकी नौकरियों की गारंटी देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार राज्य में रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा

(शेष पेज 9)

नई दिल्ली स्थित 114 साल पुराने कश्मीरी गेट दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु। फोटो: रंजन डिमरी

विश्व कप क्रिकेट

- आज: पाकिस्तान और अफगानिस्तान
- चेन्नई में दोपहर दो बजे से

क्विक न्यूज

महुआ मामले में आरोपों की जांच के बाद पार्टी लेगी फैसला: डेरेक

कोलकाता। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा पर लगाए गए गंभीर आरोपों पर रविवार को टीएमसी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि संसद के उचित मंच से मामले की जांच कराई जाए, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व इस संबंध में निर्णय लेगा। राज्यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, हमने मीडिया में आई खबरें देखी है। पार्टी नेतृत्व की ओर से संबंधित सदस्य को अपने ऊपर लगे आरोपों के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की सलाह दी गई है। हालांकि, वह पहले ही ऐसा कर चुकी है। उन्होंने कहा, चूंकि, यह मामला एक निर्वाचित सांसद, उसके अधिकारों और विशेषाधिकारों से जुड़ा है, इसलिए इस मामले की जांच संसद के उचित मंच द्वारा कराई जाए, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व निर्णय लेगा।

भारत और कनाडा संबंध मुश्किल दौर में: जयशंकर

- कहा-भारत के मामलों में कनाडा के कर्मियों के हस्तक्षेप को लेकर चिंताओं के मद्देनजर नई दिल्ली ने देश में कनाडा की राजनयिक उपस्थिति में समानता का प्रावधान लागू किया

विदेश मंत्री एस. जयशंकर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत के मामलों में कनाडा के कर्मियों के हस्तक्षेप को लेकर चिंताओं के मद्देनजर नई दिल्ली ने देश में कनाडा की राजनयिक उपस्थिति में समानता का प्रावधान लागू किया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा कि यदि कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा में प्रगति दिखती है तो भारत कनाडा के लोगों को वीजा जारी करना फिर से शुरू कर सकता है। गत जून में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता संबंधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा पिछले महीने आरोप लगाए जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव में आ गया है। ट्रूडो के आरोपों के कुछ

(शेष पेज 9)

रेल यात्रियों के खोए सामानों को उन तक पहुंचाने का जुनून

नई दिल्ली स्टेशन के प्रबंधक राकेश शर्मा ने ट्रेन या प्लेटफार्म पर गलती से छूट गए 900 से अधिक सामानों को उनके मालिकों तक पहुंचाया है

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

- इसके लिए वे रेल कर्मचारियों, सोशल मीडिया, यात्रियों के पीएनआर नंबर आदि की मदद से असली मालिक से संपर्क साधते हैं
- खोए हुए सामानों में लैपटॉप, मोबाइल और गहने जैसे से कीमती सामान हैं शामिल

रेलवे अधिकारियों, कुलियों, कोच अटेंडेंट, पेंट्री कर्मी और अन्य लोगों ने समन्वित प्रयास के जरिये ईमानदार रेल कर्मचारी की उपाधि हासिल की है। इन लोगों के प्रयास से 900 से अधिक खोए हुए सामानों को उनके मालिकों तक पहुंचाया जा सका है।

फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि जैसे सोशल मीडिया टूल्स सहित विभिन्न तंत्रों का उपयोग करके 'बोनाफाइड' यात्रियों को उनके सामान वापस किए गए हैं जिसमें आई फोन जैसे महंगे सामान शामिल भी हैं। पिछले हफ्ते ऐसी ही सुकून भरी मुस्कान दिल्ली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी के चेहरे पर थी, जिन्हें पटना-नई दिल्ली राजधानी ट्रेन में खोई हुई अपनी 'अनमोल' कलाई घड़ी वापस मिल गई थी। उत्तर पूर्वी दिल्ली सीलमपुर के एसडीएम शरत कुमार ने पायनियर को बताया कि सामान्य धारणा यह है कि सार्वजनिक स्थान, विशेषकर ट्रेनों में एक बार खोई हुई चीजें कभी नहीं पाई जा सकतीं। लेकिन मैं उस खुशी को व्यक्त नहीं कर सकता कि एक दिन सोशल मीडिया के माध्यम से मुझे नई दिल्ली स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार शर्मा के बारे में पता चला, जिन्होंने सैकड़ों यात्रियों का खोया हुआ सामान वापस किया है। मैंने उनसे संपर्क किया और बदले में राकेशजी के नेतृत्व में रेलवे ने घड़ी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर वापस लाने की व्यवस्था की और फिर उनके प्रयास से घड़ी मेरे पास तक पहुंच गई।

विदेशी महिला को उसका खोया हुआ सामान लौटाते नई दिल्ली स्टेशन के प्रबंधक राकेश शर्मा।

विदेशों में भी मालिकों तक उनका सामान पहुंचाने के लिए अपने संसाधनों और धन का उपयोग करने वाले शर्मा ने इस मामले में पटना लिनन स्टाफ से संपर्क किया और खोए हुए सामान के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि वह घड़ी पटना राजधानी के कैटरिंग स्टाफ के पास थी। शरत ने कहा कि मेरे लिए यह घड़ी अमूल्य है क्योंकि यह मेरी माँ ने उपहार में दी थी। भारतीय रेलवे की बदलती छवि और इसमें कार्यरत राकेशजी जैसे लोगों को धन्यवाद। यह मेरे सहित उन सभी लोगों के लिए एक आदर्श उदाहरण है जो जनता से संबंधित स्थान पर बैठे हैं। छोटी चीजें वास्तव में बदलाव ला सकती हैं। इस महीने की शुरुआत में गीता कॉलोनी दिल्ली की एक यात्री शेफाली अरोड़ा को अपनी सीट के पास एक सोने की अंगूठी मिली और उसने माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली ट्रेन की आरपीएफ एस्कॉर्टिंग टीम को सौंप दी।

राकेश ने यात्री का फोन नंबर प्राप्त करने के लिए संदर्भ के रूप में पीएनआर का उपयोग किया और अंततः अंबाला शहर के निवासी, जिसने अपनी मां के लिए टिकट बुक किया था, से उचित दस्तावेजों के साथ अंगूठी सौंपने के लिए संपर्क किया गया। पिछले महीने एक कुली रिंकू योगी को लखनऊ एसी एक्सप्रेस पर एक एप्पल स्मार्ट वॉच मिली और उसने ईमानदारी दिखाते हुए इसे तुरंत नई दिल्ली स्टेशन पर ड्यूटी पर मौजूद स्टेशन

(शेष पेज 9)

एयरपोर्ट का बढ़ सकता है दायरा, जमीन का होगा अधिग्रहण

बनेगा एविएशन इंडस्ट्री हब, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने यूपी सरकार को प्रस्ताव भेजा

● भविष्य में बड़ी कंपनी आ सकती है, इसको देखते हुए पहले से ही तैयारी करनी शुरू कर दी गई : सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा जेवर एयरपोर्ट से बल्लभगढ़ तक बनाई जा रही सड़क के निर्माण कार्यों निरीक्षण किया। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा। इस दौरान उन्होंने निर्धारित समय अवधि में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

यूपी की योगी सरकार ग्रेटर नोएडा मे नजदीक बन रहे जेवर एयरपोर्ट का दायरा बढ़ाने के बारे में विचार कर रही है। जेवर एयरपोर्ट के दायरे को बड़ा करने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण 1200 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण करने जा रहा है। जमीन अधिग्रहण करने के लिए प्राधिकरण की ओर से सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है।

सरकार से हरी झंडी मिलते ही जमीन अधिग्रहित कर ली जाएगी। बताया जाता है कि जेवर एयरपोर्ट के नजदीक एविएशन इंडस्ट्री हब डवलप किया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट के निकट एविएशन इंडस्ट्री हब विकसित करने के लिए सात गांवों की जमीन का अधिग्रहण की जाएगी। इस बाबत प्रस्ताव भी तैयार कर लिया गया है। जेवर एयरपोर्ट के प्रथम चरण में 1334 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित हो चुकी है। इसमें एयरपोर्ट का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। एयरपोर्ट के साथ ही यहां यह क्षेत्र एविएशन हब का भी बड़ा केंद्र बनेगा। जेवर एयरपोर्ट को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी कहा जाता है। एयरपोर्ट के अलग-अलग चरणों के लिए अब तक 6554 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। एयरपोर्ट के विस्तार के तहत 1200 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण और करने की तैयारी चल रही है। इसके बाद एयरपोर्ट का क्षेत्र 7754 हेक्टेयर हो जाएगा। दरअसल, जेवर एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होने से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियां यहां निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं। एविएशन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियां के आने की ज्यादा संभावना है। उम्मीद है कि भविष्य में एयरबस जैसी कोई बड़ी कंपनी आ सकती है।

इसको देखते हुए प्राधिकरण पहले से ही जमीन सुरक्षित कर लेना चाहता है। जमीन अधिग्रहण कर नायल नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट प्राधिकरण को सौंप दी जाएगी। चौरोली, अहमदपुर, मंगरौली, सादुल्लापुर, अलावलपुर, देवरार व भभोकरा आदि गांवों की जमीन अधिग्रहित की जाएगी।

अथॉरिटी के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के लिए 1200 हेक्टेयर जमीन और अधिग्रहित की जाएगी। इससे एविएशन हब का विस्तार होगा। भविष्य में कोई भी बड़ी कंपनी आ सकती है। इसको देखते हुए पहले से ही तैयारी करनी शुरू कर दी गई है।

शादी से पहले होटल में मिली लड़की की लाश, हड़कंप

● दोस्त के साथ ठहरी थी, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के एक होटल में रविवार सुबह 23 साल की लड़की की लाश मिली। लड़की के दोस्त ने उसके भाई को फोन करके घटना के बारे में बताया। उसने कहा कि तुम्हारी बहन होटल में मरी पड़ी है। उसे आकर ले जाओ। इसके बाद आनन-फानन में घरवाले होटल पहुंचे।

देखा तो लड़की का शव कमरे में बेड पर पड़ा था। उसके नाक से झाग निकल रहा था। मगर सूचना देने वाला दोस्त वहां से फरार था। इसके बाद होटल कर्मचारियों ने पुलिस बुलाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और दोस्त की तलाश में जुट गई। लड़की की 14 नवंबर यानी 23 दिन बाद शादी थी। 20 अक्टूबर से दोस्त के संग होटल में रुकी थी पूरी घटना डासना के रोहन एन्क्लेव के अनंत होटल की है। पुलिस ने बताया कि लड़की का नाम शहजादी है। वह मूल रूप से हापुड़ में पिपल्हेड़ा गांव की रहने वाली थी। वह 20 अक्टूबर को अपने दोस्त अजहरुद्दीन के साथ होटल में आई थी। अजहरुद्दीन गाजियाबाद के कल्लूगढ़ी का रहने वाला है।

दोनों पिछले कई साल से दोस्त थे। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह अजहरुद्दीन ने शहजादी के भाई को फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी। इस सूचना पर परिजन हापुड़ से गाजियाबाद आए। उन्होंने होटल कर्मचारियों को सूचना दी। इसके बाद जब कमरा खोला गया तो शहजादी की लाश बेड पर पड़ी थी। होटल कर्मियों ने सूचना देकर वेव सिटी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया मृतका के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है। नाक से झाग निकल रहा था।

सख्ती: कचरे में जाएंगे चालीस हजार वाहन

● उम्र पूरी कर चुके वाहनों को सड़कों से हटाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे जनपद में इन दिनों परिवहन विभाग की ओर से वाहनों को लेकर बड़ी कार्यवाही की जा रही है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण एनजीटी के नियमों के तहत उम्र पूरी कर चुके वाहनों को सड़कों से हटाया जा रहा है।

अब खबर यह है कि नोएडा में चालीस हजार वाहनों को हटाया जाएगा और इनका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा। ये वो वाहन हैं जिनकी आयु पूरी हो चुकी है। नोएडा व ग्रेटर नोएडा में एनजीटी की तरफ से निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों की संख्या 180000 है। इसमें से 140000 वाहनों का रजिस्ट्रेशन निलंबित किया जा चुका है। परिवहन विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों में 40 हजार वाहनों का रजिट्रेशन निलंबित किया जाएगा।

इसके लिए परिवहन विभाग की तरफ से वाहन स्वामियों को नोटिस जारी किया जा चुका है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉ सियाराम वर्मा ने बताया कि गौतमबुद्धनगर जनपद में एनजीटी की तरफसे निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों की संख्या 180000 है। इसमें से 140000 वाहनों का पंजीयन निलंबित किया जा चुका है। विभाग की तरफसे आने वाले कुछ दिनों में 40 हजार वाहनों का पंजीयन निलंबित किया जाएगा। उनका कहना है कि लोगों के पास वाहनों की एनओसी लेकर दिल्ली एनसीआर से बाहर पंजीकरण कराने व वाहन को स्क्रैप कराने का विकल्प है।

उन्होंने बताया कि विभाग की तरफसे 27 हजार वाहनों का पंजीयन निरस्त किया जा चुका है।

इसके लिए उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आगरा ने बैठक कर ग्रेप नियम के अनुरूप प्रदूषण को नियंत्रित करने का निर्देश दिया है। इसके तहत विभाग की तरफसे निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में सर्राफा व्यापारी गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किए गए चेन स्कैचिंग करने वाले दोनों बदमाशों से लूट का सामान खरीदने वाले सर्राफा व्यापारी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए व्यापारी के पास से दो हजार रुपए बरामद किए है।

इसके बाद गुरुवार रात को पुलिस की दूसरे बदमाश रवि से भी मुठभेड़ हो गई। पुलिस मुठभेड़ में दोनों बदमाश घायल हो गए। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि चेन स्कैचिंग करने के बाद बदमाश दीपक वर्मा निवासी परीक्षित गढ मेरठ को बेचते थे। दीपक वर्मा की परीक्षित गढ में सर्राफा की दुकान है। वह लूट का सामान खरीदा है।

नोएडा में लगाए जाएंगे 1600 कैमरे, कंपनी देगी सर्वे रिपोर्ट

● शहर का सुरक्षित बनाने के लिए प्राधिकरण की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेफ सिटी प्रोजेक्ट पर नोएडा में काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए सर्वे शुरू किया गया है। जिसकी जिम्मेदारी गिया कंसल्टेंट कंपनी को सौंपी गई है।

24 अक्टूबर तक सर्वे की प्रक्रिया को पूरा कर रिपोर्ट प्राधिकरण के सीईओ के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद सुझाव को शहर में अमल पर लाने की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। नोएडा में 450 स्थानों को शामिल किया गया है, जिसे पुलिस की ओर से सेफ सिटी परियोजनाओं में शामिल किया गया है। जबकि इस सर्वे में 60 ऐसे पाइंट भी शामिल है, जो शहर की आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठन की ओर से उपलब्ध कराए गए है। सौ करोड़ रुपए की लागत खर्च कर शहर को सेफ सिटी में तब्दील करने की योजना है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे विश्व के सर्वाधिक सुरक्षित शहर नोएडा को बनाया जा सके।

प्राधिकरण ने बताया कि वर्तमान में नोएडा में इंटेलिजेंस सिक्योरिटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए 1046 कैमरे से शहर की निगरानी की जा रही है। कैमरे से यातायात पुलिस की 24 घंटे निगरानी में नियमों के उल्लंघन करने वालों चालान के लिए इस्तेमाल कर रही है। जबकि सेफ सिटी परियोजना के तहत 1600 कैमरे पूरी तरह से पुलिस के कमांड में रहेंगे।

इसके लिए अलग से कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। जहां से इन कैमरों से निगरानी की जाएगी। ये कैमरे सिर्फ नोएडा में लगेंगे। ग्रेटर नोएडा के अलग से कैमरे लगाए जाएंगे। लगाए जाने कैमरों में फेस डिडक्शन कैमरे भी शामिल है।

बदमाशों का डेटा पुलिस के पास पहले से रहेगा। ऐसे में कोई भी बदमाश यदि इन कैमरों की जद में आता है तो उसकी लाइव लोकेशन और पूरा डेटा कंट्रोल रूम में दिखाई देगा। जिससे उसे आसानी से पकड़ा जा सकेगा। कंपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद इसकी पूरा प्रशिक्षण पुलिस को देगी। सेफसिटी का कंट्रोल रूम सीधे पुलिस मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा, जिससे कोई भी जानकारी या सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन, चौकी, पीआरवी, डायल-112 को जानकारी दी जा सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

मां दुर्गा के पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन को उमड़ रहे।

केदारनाथ मंदिर वाले पंडाल में उमड़े श्रद्धालु

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वैशाली स्थित सेक्टर 3-ए में उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर बने मां दुर्गा के पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन को उमड़ रहे हैं। सर्वपूजन श्री श्री काली पूजा समिति के संयोजन में यहां दुर्गा पूजा का पिछले 18 वर्षों से आयोजन किया जा रहा है। दुर्गा पूजन का शुभारंभ प्रसिद्ध मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयान कारडोजो एवीएसएम, एसएम ने किया। इयन कारडोजो जीवित किवदंती हैं जो सेना के पहले दिव्यांग (विकलांग) मेजर जनरल हैं। दुर्गा पूजा का आयोजन पूजा समिति के चेयरमैन दिपेन्दु घोष और अध्यक्ष उत्तम सरकार के निर्देशन में किया जा रहा है। इसके अंतर्गत भंडारे के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें स्थानीय युवा वर्ग के साथ सभी समुदाय के लोग उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इस दौरान पूजा पंडाल में हेल्थ कैंप का भी आयोजन किया जाएगा।

डांडिया नाइट शो में जमकर थिरके लोग

नोएडा/ गाजियाबाद। दुर्गापूजा की धूम के बीच डांडिया नाइट का खासा क्रेज लोगों में देखा जा रहा है। इसी कड़ी में नोएडा के सेक्टर 75 स्थित स्पेक्ट्रम मेट्रो मॉल में डांडिया नाइट शो में बड़ी संख्या में लोग गुजराती व पंजाबी गाने पर जमकर थिरके। सभी प्रतिभागियों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में डांडिया नृत्य का आनंद लेकर रोमांचित नजर आए। सोसाइटियों की महिलाओं व युवतियों ने जमकर डांडिया खेला। इसी कड़ी में गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित केडब्ल्यू दिल्ली-6 मॉल में शनिवार रात डांडिया नाइट में भारी संख्या में लोगों ने डांडिया नाइट में आनंद उठाया। डांडिया नाइट में डीजे मीरा की मिक्सिंग पर लोग जमकर झूमे। पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे लोगों ने डीजे की धुन पर जोरदार नृत्य किया।

पशुओं को चारा डालने जा रही महिला से छेड़छाड़

गाजियाबाद। मोदीनगर थानाक्षेत्र के एक गांव में शनिवार रात को पशुओं को चारा डालने घर से घेर जा रही महिला के साथ अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। छेड़छाड़ का विरोध करने पर दंबगों ने घर में घुसकर महिला व उसके परिवार को मारपीअ कर घायल कर दिया। महिला ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एक गांव निवासी एक व्यक्ति परिवार सहित रहते है। वह खेती करके परिवार का लालन पालन करते है। उनकी पत्नी शनिवार रात को पशुओं को चारा करने के लिए अपने घर से घेर में जा रही थी। जब वह बीच रास्ते पर पहुंची तो एक युवक ने महिला पर अश्लील टिप्पणी कर दी। पहले तो महिला ने युवक की बात को अनदेखा कर दिया, लेकिन हद तब हो गई एजब आरोपी ने युवक के हाथ पकड़ लिए। इतना ही नहीं छेड़छाड़ का विरोध करने पर आरोपी ने महिला के कपडे तक फाड दिए।

ग्रेनो में 45वें हफ्ते भी घर खरीदारों ने किया प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रजिस्ट्री और रुके प्रोजेक्ट में काम शुरू करने को लेकर 45वें हफ्ते भी घर खरीदारों ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र के एक मूर्ति गोल चक्कर पर इकट्ठा होकर घर खरीदारों ने जमकर हल्ला बोला। इस दौरान भारी संख्या में घर खरीदार इकट्ठा होकर जमकर नारेबाजी की। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक मूर्ति गोल चक्कर पर एक बार फिर घर खरीदारों ने जमकर हल्ला बोल रजिस्ट्री रुके हुए प्रोजेक्ट और पोजीशन की मांग को लेकर घर खरीदारों ने प्रदर्शन किया।

पत्नी मायके से नहीं लाई पांच लाख तो तोड़ दिए छह दांत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

व्यापार के लिए पत्नी मायके से पांच लाख रुपये नहीं लाई तो पति ने मारपीट कर उनके छह दांत तोड़ दिए। महिला ने पति व ससुरालियों के खिलाफ थाना सिहानी गेट में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि साल 2007 में उनकी शादी हुई थी।

दहेज में छोटी कार मिलने का उलाहना देकर ससुराली शुरुआत से ही उन्हें प्रताड़ित करने लगे। बेटे के जन्म पर मायके से आए उपहारों को लेकर भी ताने दिए। पति, सास, ससुर व दो ननद आए दिन मारपीट करते। पांच साल पहले उनकी आंख चोटिल कर दी थी, जबकि 2019 में पति ने थप्पड़ मारकर बायें कान का पर्दा फाड़ दिया था।

इसी साल पति ने व्यापार के नाम पर फिर से पांच लाख रुपये मांगे और नहीं मिलने पर 11 अक्टूबर को पति ने इसी बात को लेकर मारपीट शुरू कर दी और मुंह पर कई घूंसे मारे, जिससे उनके छह दांत टूट गए। पड़ोसियों के बचाने पर उन्होंने स्वजन को बुलाया और मायके जाने के बाद पुलिस को शिकायत दी।

निजी अस्पताल में चौथे दिन भी छापेमारी जारी

नोएडा। यथार्थ ग्रुप पर चौथे दिन इनकम टैक्स की सर्च जारी है। अब तक 4 लोकेशन पर सर्च पूरी हो चुकी है। 12 लोकेशन पर सर्च जारी है।

नोएडा में 2 स्थानों पर सर्च पूरी हुई है। 150 से ज्यादा लोग इस सर्च को कर रहे है वहां से दस्तावेज खंगाल रहे है। दरअसल, यथार्थ ग्रुप पर कोरोना काल के दौरान 100 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन को इधर उधर करने के आरोप लगे है। आरोप के आधार पर ही सभी लोकेशन पर से दस्तावेज और बिलिंग देखी जा रही है। इस आरोप के अनुसार काफी साक्ष्य मिले है। जिनका मिलान अन्य स्थानों से मिले दस्तावेजों से कराया जा रहा है।

बाबा रामदेव के आयुर्वेदिक गोदाम में चोरी, धरा

● कई सेक्टरों में भी कर चुके है सेंधमारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

रबूपुरा कोतवाली में योग गुरु बाबा रामदेव के आर्युवेदिक मेडिसिन स्टोर के गोदाम से चोरी के मामले में पुलिस ने एक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने स्टोर के अंदर घुसकर अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से

पुलिस ने तमंचा और कारतूस बरामद किया है। पुलिस का कहना है आरोपी को कोर्ट में पेशकर जेल भेजा जाएगा। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर 20 में योग गुरु बाबा रामदेव का आयुर्वेदिक मेडिसिन स्टोर है। जहां से करीब 15 दिन पहले अज्ञात चोरों द्वारा जनरेटर समेत लाखों रुपये के सामान को चुरा लिया गया था। इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने जांच के दौरान इस मामले में शाकिब, जाविद, आकिल, आसिफ और शाहिद को दोषी पाया था। जिसके आधार पर शाकिब, जावेद, आकिल और आसिफ को पुलिस ने करीब 5 दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि शाहिद निवासी बुलंदशहर पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। पुलिस ने शनिवार की देर रात उसके गांव के नजदीक से गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने तमंचा और कारतूस बरामद की है।

दशहरा पर बदलेगा नोएडा का ट्रैफिक प्लान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम और सेक्टर-62 स्थित पार्क के आसपास 24 अक्टूबर यानी मंगलवार विजयादशमी पर मेले में उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक डायवर्जन लागू होगा। दोपहर दो बजे से देर रात तक व्यवस्था लागू रहेगी। जाम से निपटने के लिए 150 यातायातकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। नोएडा स्टेडियम में मेले में हिस्सा लेने आए लोगों को सेक्टर-25 स्पाइस माल के पास खाली मैदान व सेक्टर-62 में आयोजित मेले में हिस्सा लेने आए लोगों को डी पार्क के पास वाहन खड़े पार्क करने होंगे।

बीच सड़क पर वाहन खड़ा करने पर नो पार्किंग का चालान होगा। लोग आपातकालीन स्थित में कंट्रोल के नंबर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं। वाहनों के मार्ग पर खड़े होने की स्थिति में यातायात पुलिस के पास

उपलब्ध चार क्रेनों को स्टेडियम, सेक्टर-62 के आसपास यातायात व्यवस्थापन, संचालन के लिए भिन्न-भिन्न मार्गों पर व्यवस्थापित किया जाएगा, जो आवश्यकतानुसार कार्य करेगी। उक्त आयोजन के दौरान मार्गों पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार पूर्णत: बंद रहेंगे।

एलिवेटेड रोड पर कार खड़ी कर शराब पीते हुए छह युवक गिरफ्तार

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र में एलिवेटेड रोड पर स्कॉर्पियो कर के बोनट पर रखकर शराब पी रहे छह युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया।

आरोप है कि युवकों ने पुलिसकर्मी से अभद्रता की जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात करीब 10.30 बजे एलिवेटेड रोड पर एक बिना नंबर की नई स्कॉर्पियो कर खड़ी थी। कार के बोनट पर शराब का गिलास रखा हुआ था। कार खड़ी देखकर एलिवेटेड रोड पर तैनात पीसीआर मौके पर पहुंची तो पुलिस कर्मियों ने देखा कुछ युवक बाहर कुछ अंदर शराब पी रहे थे।

नौकरी लगवाने के बहाने घर बुलाकर महिला से दुष्कर्म करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नौकरी लगवाने के बहाने घर बुलाकर महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपित विजयवीर ढाका को मोदीनगर पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता का आरोप था कि आरोपित ने घर में घरेलू सहायिका की नौकरी के लिए उन्हें बुलाया था।

इसी बहाने उन्हें कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस से शिकायत की। पुलिस तीन दिन तक महिला को टरकाती रही। लेकिन जब मामला मीडिया में आया तो केस दर्ज किया गया। महिला को किसी परिचित ने बताया कि विजयवीर से संपर्क करें।

उनका मेरठ पर सीबीया पब्लिक स्कूल नाम से स्कूल है। वहां वह नौकरी लगवा सकता है। उसकी बातों में आकर महिला ने विजयवीर से संपर्क किया। विजयवीर ने कहा कि घर में घरेलू सहायका के लिए नौकरी है। इस पर महिला ने सहमति दी तो आरोपित ने महिला को मिलने के लिए मोदीनगर अपने घर बुलाया। यहां उस समय विजयवीर के परिवार का कोई व्यक्ति नहीं था। विजयवीर ने महिला से दुष्कर्म किया।

नमो भारत ट्रेन में आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली की वैश्विक शुरुआत

● मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को खत्म करेगा हाइब्रिड लेवल -3

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारत के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के उद्घाटन के साथ ही रेल उपकरण निर्माता कंपनी एल्सटॉम ने एकीकृत प्लेटफॉर्म स्क्रीनिंग दरवाजों के साथ अपनी आधुनिक सिग्नल प्रणाली की वैश्विक शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस के 17 किलोमीटर लंबे मार्ग पर पहली नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी।

एल्सटॉम-इंडिया ने एक बयान में कहा, यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण (ईटीसीएस) सिग्नलिंग प्रणाली न केवल अंतर-संचालन की सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि मौजूदा बुनियादी ढांचे के अधिकतम उपयोग की भी अनुमति देगी, जिससे यात्रियों को कम इंतजार करना पड़ेगा। बयान के मुताबिक, यह सिग्नलिंग प्रणाली मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को खत्म करने के लिए वर्चुअल ब्लॉक कार्यान्वयन (हाइब्रिड लेवल -3) द्वारा 180 सेकेंड के अंतराल पर चलने वाली ट्रेनों के लिए उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। आरआरटीएस एक नई रेल-आधारित, सेमी-हाई-स्पीड, हाई-फ्रीक्वेंसी कम्यूटर ट्रांजिट प्रणाली है जिसे 180 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ डिजाइन किया गया है तथा इसकी परिचालन गति क्षमता 160 किमी प्रति घंटे है। ईटीसीएस, आरआरटीएस ट्रेन के साथ लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) संचार का उपयोग करता है और इसका निर्माण भी एल्सटॉम द्वारा किया गया है। ट्रेन में कुल 6 कोच हैं। इसमें एक कोच प्रीमियम और दूसरा महिलाओं के लिए रिजर्व है। सामान्य कोच में 72 और प्रीमियम कोच में 62 सीटें उपलब्ध हैं। हालांकि पूरी ट्रेन में बैठकर और खड़े होकर एक बार में 1700 यात्री सफर कर सकेंगे। एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई 232 ट्रांसवर्स सीटिंग, खड़े होकर यात्रा करने के लिए पर्याप्त स्थान, लगेज रैक, कैमरे, लैपटॉप, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, डायनेमिक रूट मैप की सुविधा होगी। प्रत्येक कोच में महिलाओं के अलावा दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीटें आरक्षित हैं।

इसमें व्हीलचेयर और स्ट्रेचर भी रखने की सुविधा है। प्रीमियम कोच में रिक्लाइनिंग सीटें, कोट हुक, मैगजीन होल्डर और फुटरेस्ट जैसी कई अतिरिक्त सुविधाएं होंगी। दिल्ली से मेरठ जाने पर ये कोच पहला होगा, वहीं मेरठ से दिल्ली आने पर ये अंतिम वाला कोच होगा। सभी रैपिडएक्स स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है। आपात स्थिति के लिए कैट्स के माध्यम से एम्बुलेंस की व्यवस्था की जा सकती है। गाजियाबाद स्टेशन पर एक खोया और पाया केंद्र स्थापित किया गया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 23 अक्टूबर, 2023

हवा हुई दमघोटू, एक्यूआई 300 के पार

● दिल्ली में 21 जगहों पर वायु बेहद खराब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गुलाबी ठंड शुरू होते ही दिल्ली की हवा जहरीली होना शुरू हो गई है। पिछले कुछ सालों से अक्टूबर का महीना प्रदूषण के लिहाज से काफी संवेदनशील माना जाता है। रविवार शाम को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 313 दर्ज किया गया जो सुबह 266 था। राजधानी में समग्र एक्यूआई बिगड़कर अब बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। दिवाली से पहले ही राष्ट्रीय राजधानी की हवा फिर से दमघोंटू होने लगी है। बीतते हर घंटे के साथ तेजी से बढ़ता प्रदूषण अब डराने लगा है।

सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंडएं रिसर्च (सफर) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास हवा की गुणवत्ता शाम को 330 (बहुत खराब) दर्ज की गई, जबकि आईजीआई टर्मिनल टी3 299 दर्ज की गई। रविवार सुबह इंडिया गेट के पास कर्तव्य पथ पर एक्यूआई 266 दर्जकी किया। इस बीच, आनंद विहार 345 के साथ बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। न्यूमोती बाग 371, द्वारकर सेक्टर-8 में 334, शादीपुर375, आईटीओ 319,सिरीफोर्ट 316, मंदिर मार्ग 309, आरकेपुरम 336, पंजाबी बाग 346, हजवार लाल नेहरू स्टेडियम, 365, पटपड़गंज 329, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 330, सोनिया विहार, 315, जहांगीरपुरी, 341, रोहिणी 313, विवेक विहार, 303, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम 326, नरेला, 311, ओखला फेस-दो 337, वजीरपुर 350, बवाना 328, मुंडका में एक्यूआई 348 दर्ज किया गया। मालूम हो कि 0-50 के बीच हवा की गुणवत्ता अच्छी, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मध्यम, 201-300 के बीच खराब, 301-400 के बीच बहुत खराब, और 401 से 450 के बीच गंभीर होती है।

दिल्ली ग्रैप का दूसरा चरण लागू

केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग ने प्रदूषण में वृद्धि की आशंका के बीच शनिवार को ही दिल्ली एनसीआर के प्राधिकारियों को निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी और सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं को बढ़ावा देने का निर्देश दिया था। सर्दी के दौरान वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू की जाने वाली केंद्र सरकार के ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान के दूसरे चरण के तहत यह निर्देश दिया गया है। आयोग ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि प्रतिकूल मौसम और जलवायु परिस्थितियों के कारण 23 और 24 अक्टूबर को दिल्ली की समग्र वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में जानेकी आशंका है।

गुलाबी ठंड शुरू होते ही दिल्ली की हवा जहरीली होना शुरू हो गई है, सड़क पर धुंध का गुब्बार दिखने लगा है। फोटो: रंजन डिमरी

कब और कैसे लागू होता है ग्रैप प्रतिबंध

दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता आयोग के आधार पर ग्रैप को चार चरणों में बांटा है। पहला चरण एक्यूआई 201-300 यानी खराब होने पर लागू किया जाता है। दूसरा चरण एक्यूआई 301-400 (बहुत खराब होने पर, तीसरा चरण 401-450 (गंभीर) होने पर और चौथा चरण एक्यूआई 450 सेअधिक (गंभीर से भी ज्यादा) होने पर लागू किया जाता है।

पहले चरण में 500 वर्गमीटर के बराबर या उससे अधिक के उन भूखंड पर निर्माण और तोड़फोड़ परियोजनाओं पर काम रोकने का आदेश दिया जाता है जो धूल रोकने के उपायों की निगरानी से संबंधित राज्य सरकार के पोर्टल पर पंजीकृत नहीं होते हैं। इसके अलावा पहले चरण में दिल्ली के 300 किलोमीटर के अंदर प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों और ताप ऊर्जा संयंत्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाती है और होटल, रेस्तरां व खुले भोजनालयों के तंदूर में कोयले और जलावन लकड़ी के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जाता है। दूसरे चरण के तहत उठाए जाने वाले कदमों में व्यक्तिगत वाहनों के इस्तेमाल को कम करनेके उद्देश्य से पार्किंग शुल्क बढ़ाना और सीएनजी इलेक्ट्रिक बस और मेट्रो सेवाओं को बढ़ावा देना शामिल

है। तीसरे चरण के तहत, दिल्ली, गुरुगुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में पेट्रोल से चलने वाले बीएस-3 इंजन वाले और डीजल से चलने वाले बीएस-4 चार पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगानेका प्रावधान है। चौथे चरण में सभी प्रकार के निर्माण और तोड़फोड़ कार्यों पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। राज्य सरकारेंऐसी स्थितियों के दौरान स्कूली छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं और सरकारी व निजी कार्यालयों के लिए घर से काम करनेके बारे में निर्णय लेने के लिए भी अधिकृत है।

स्विस महिला हत्याकांड : पुलिस ने विदेश मंत्रालय से मांगी मदद

● शव का डीएनए कराने के लिए परिजनों का पता लगाएगी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिलक नगर में मृत मिली स्विस महिला के परिवार के सदस्यों से संपर्क करने के लिए विदेश मंत्रालय से मदद का अनुरोध किया है। महिला का क्षत-विक्षत शव शुक्रवार को एक स्कूल के पास मिला था और उसके हाथ-पैर जंजीरों से बंधे थे।

पुलिस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने हत्या के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान गुरप्रीत सिंह (30) के रूप में हुई है। आरोपी ने दावा किया कि पीड़िता स्विट्जरलैंड की रहने वाली थी और कुछ साल पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए उसकी उससे दोस्ती हुई थी। अधिकारी ने बताया, परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क स्थापित करना यह पुष्टि करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि क्या शव वास्तव में स्विस नागरिक का है, जैसा कि सिंह ने दावा किया है। डीएनए नमूने के माध्यम से, हम शव की पहचान की

पुष्टि करने में सक्षम होंगे। हमने विदेश मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप करने और मदद के लिए स्विस अधिकारियों से संपर्क करने का अनुरोध किया है।

सिंह को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है और वह लगातार अपने बयान बदल रहा है। अधिकारी ने बताया, हमें यकीन है कि पुलिस रिमांड और पूछताछ के दौरान वह मामले के बारे में खुलासा करेगा। आरोपी लगातार अपने बयान बदल रहा है और उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। हम यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने इतने क्रूर तरीके से हत्या क्यों की। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि सिंह ने कुछ साल पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए पीड़िता से दोस्ती की थी और उसे उसके साथ अन्य पुरुषों से संबंध होने का संदेह था। कुछ दिन पहले उसने उससे मिलने के लिए भारत आने को कहा। 11 अक्टूबर को वह स्विट्जरलैंड से दिल्ली आई और पश्चिमी दिल्ली के एक होटल में रुकी थी। पुलिस ने बताया कि तीन दिन पहले, उसने उसे होटल के बाहर मिलने के लिए कहा।

गुरप्रीत के हवाले से पुलिस ने कहा, वहां से वह उसे विष्णु गार्डन इलाके की ओर ले गया जहां उसने उससे कहा कि वह उसे सरप्राइज देना चाहता है और फिर उसने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उसने पुलिस को बताया कि उसने उसके हाथ-पैर जंजीरों से बांध दिए और शव को कार में रख दिया। वह शव को ठिकाने लगाने के लिए मौके की तलाश में शव को गाड़ी में रखकर इलाके में भी घूमता रहा। जब वह ऐसा नहीं कर सका तो उसने कार अपने घर के पास खड़ी कर दी, लेकिन जब दुर्गंध आने लगी तो उसने हत्या के दो दिन बाद शव को एमसीडी स्कूल के पास छोड़ दिया। शनिवार को अदालत में पेशी के बाद उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि उसके घर से 2.10 करोड़ रुपए नकद बरामद किए गए जिसके बाद आयकर विभाग को भी सूचित किया गया।

महरौली पुरातत्व पार्क में कैफे शुरू

नई दिल्ली। महरौली पुरातत्व पार्क की सैर करने वाले इतिहास प्रेमी पत्थरों से निर्मित गोलाकार विरासत भवन में स्थापित एक कैफे में पुनर्स्थापित स्मारकों और पुनर्जीवित जल निकाय के लुभावने दृश्यों के साथ भोजन का आनंद ले सकते हैं। ऐतिहासिक पार्क में स्थित दिलचस्प दिखने वाली गोल संरचना का कैफे की तरह इस्तेमाल किया गया है। महरौली के पार्क में स्थित द गार्डन कैफे के आसपास विभिन्न कालखंडों की 50 से अधिक संरचनाएं हैं और यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के पास होने से यहां से कुतुब मीनार का भी शानदार नजारा मिलता है। पुरातत्व पार्क में किए गए जीर्णोद्धार और पुनर्विकास कार्य का शुक्रवार शाम

● सैलानी इतिहास की सैर के साथ स्वादिष्ठ व्यंजनों की भी उठाएंगे आनंद

उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने उद्घाटन किया था। कार्यक्रम के बाद, नव स्थापित कैफेटेरिया के पास सक्सेना और अन्य मेहमानों को जलपान परोसा गया।

दिव्यांगजनों को प्रमाणपत्र जारी करने में तेजी लाने के निर्देश

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने दिव्यांग जन प्रमाण पत्रयूडीआईडी कार्ड जारी करने में होने वाली देरी को लेकर मेडिकल बोर्ड और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में होने वाली जटिलताओं और दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए प्रमाणपत्र जारी करने की पूरी प्रक्रिया के उद्देश्य से यह बैठक बुलाई गई, ताकि इन जटिलताओं को कम किया जा सके। इस बैठक का उद्देश्य था कि दिव्यांग जनों को परेशानी रहित सेवाएं प्रदान की जा सकें।

फलस्तीनी छात्र अपने प्रियजनों को लेकर चिंतित

● गाजा में ढही इमारतों, मलबों और तबाही का मंजर देख उनका हालचाल जानने को हैं बेचैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गाजा में ढही इमारतों, मलबों और तबाही का मंजर भारत में रह रहे फलस्तीनी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है और वे फलस्तीन में अपने परिवारों से संपर्क नहीं हो पाने के कारण उनकी खैरियत को लेकर चिंतित हैं।

भारत में पढ़ाई कर रहा फलस्तीनी छात्र तालिब मानसिक तनाव से जूझ रहा है और उसे अपने परिवार के सदस्यों के कुशल क्षेम की चिंता लगातार सताती रहती है, जिसके कारण वह पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहा। धन की कमी से जूझ रहे 31 वर्षीय तालिब को अपने भोजन की गुणवत्ता एवं मात्रा दोनों में कटौती करनी पड़ रही है। तालिब ने मीडिया से बातचीत में कहा, युद्ध शुरू होने के बाद से मैं एक भी वाक्य लिख या पढ़ नहीं पाया हूं।

मुझे मानसिक तनाव हो रहा है और मैं काफी समय से ठीक से सो नहीं सका हूं। तालिब अपने परिवार के किसी सदस्य से संपर्क नहीं कर पाया है। उसने कहा कि उसे यह भी नहीं पता कि उसके परिजन जीवित भी हैं या नहीं। उन्होंने कहा, मैं स्वयं को असहाय महसूस कर रहा हूं।

यह बहुत खराब स्थिति है। मैं भोजन पर भी सोच-समझकर पैसे खर्च कर रहा हूं। मैं अब तीन वक्त के बजाय दो वक्त ही खाना खाता हूं। स्वदेश लौटने को बेसब्र तालिब ने कहा कि वह युद्ध के जल्द समाप्त होने की कामना कर रहा है। हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर दिया था, जिसके बाद इजराइल ने इन हमलों का बदला लेने के लिए गाजा पर कई हमले किए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा में 3,300 से अधिक लोग मारे गए हैं और 12,000 से अधिक घायल हुए हैं।

भारत में एक अन्य फलस्तीनी छात्रा आलिया ने अपना डिग्री पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और वह स्वदेश लौटने की योजना बना रही थी, लेकिन तभी युद्ध शुरू हो गया। अपने परिवार से संपर्क टूटने के बाद से उसे अत्यधिक घबराहट रहती है।

आलिया ने आरोप लगाया कि फलस्तीनी दूतावास ने भारत में छात्रों को कोई सहायता नहीं दी है और उनमें से कई अपने दम पर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अपने दोस्तों के साथ रह रही आलिया ने कहा, भारत में फलस्तीन दूतावास ने हमें किसी भी तरह की सहायता नहीं दी है और न ही हमारी खैरियत के बारे में कोई जानकारी ली है।

रामलीला: बुराई के प्रतीक रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले जलने को तैयार।

आप सरकार आने के बाद दिल्ली को नहीं मिला एक भी प्रोजेक्ट : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती दी है कि वह अपनी सरकार बनने के बाद 30 फ्लाई ओवर और अंडरपास बनाने के दावे को साबित करें या फिर झूठ बोलने के लिए जनता से माफी मांगते हुए इस्तीफा दें।

पिछले आठ साल में केजरीवाल सरकार ने फ्लाई ओवर या अंडरपास का कोई भी अपना प्रोजेक्ट नहीं दिया। वह सब उन प्रोजेक्ट को अपना बता रहे हैं जो पूववर्ती सरकारों ने बनाए थे। ज्यादातर प्रोजेक्ट में तो काम शुरू हो चुका था और कुछ प्रोजेक्ट अंतिम चरण में थे। मुख्यमंत्री केजरीवाल उन सभी प्रोजेक्ट को भी अपनी सरकार की उपलब्धियों में गिन रहे हैं जोकि सच नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष ने केजरीवाल के इस दावे को भी गलत बताया कि वह हर प्रोजेक्ट में पैसा बचा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ज्यादातर परियोजना में काम में कमी करके लागत कम होने का दावा किया गया है। इसके अलावा केजरीवाल जनता के सामने झूठे आंकड़े पेश करके भी जता रहे हैं कि उन्होंने पैसे बचाए हैं। सच्चाई यह है कि उनकी सरकार आने के बाद अधिकतर प्रोजेक्ट लेट हुए हैं जिनसे लागत घटने की बजाय और बढ़ी है। आश्रम फ्लाई ओवर ही इसका बड़ा उदाहरण है।

नवजात शिशु की हत्या के मामले में महिला बरी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने अपने नवजात शिशु की हत्या के लिए निचली अदालत की ओर से दोषी ठहराई गई एक महिला को बरी कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि इस मामले में महिला को दोषी ठहराने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है इसलिए उसे बरी किया जाता है। महिला अपने गांव के ही किसी व्यक्ति के साथ कथित शारीरिक संबंधों के बाद गर्भवती हुई थी।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के लिए ठोस सबूतों की आवश्यकता होती है और ऐसा यंत्रवत और लापरवाही से नहीं किया जा सकता है। अदालत ने सबूतों के अभाव में महिला को बरी दिया।

कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली : लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार और दिल्ली के सांसदों के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने जवाब दो-हिसाब दो अभियान के तहत तिलक नगर में आयोजित प्रतिज्ञा रैली में लोगों की मौजूदगी में भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली वाले भाजपा सांसदों, विधायकों व पार्षदों के उपेक्षा से इतनी उब चुकी है कि मौका मिलते ही उन्हें उखाड़ फेकेगी।

तिलक नगर में कांग्रेस की इतनी बड़ी ऐतिहासिक सभा हुई है, जिसमें भारी संख्या में सिक्ख व पंजाबी समुदाय के लोगों के साथ महिलाओं, युवकों, ग्रामीणों व पूर्वांचलवासियों ने भी भाग लिया। दिल्ली कैंट, क्रिबी प्लेस पर उत्साहित कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 1 बजे से ही तिरंगे झंडे हाथ में लेकर अरविन्दर सिंह लवली, सुभाष चोपड़ा, मुकेश शर्मा के स्वागत में खड़े थे। बड़ी संख्या में

लोगों की मौजूदगी से गदगद लवली ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आम जनता ने यह निर्णय ले लिया है कि लोकसभा चुनाव में सातों सीटों पर भाजपा को हराऐंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम आवास प्रदर्शनी में कार्यकर्ताओं से दुर्व्यवहार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री केजरीवाल के बंगले को उजागर करती प्रदेश भाजपा की प्रदर्शनी में उपद्रवियों के एक समूह ने कुछ चित्र फाड़ दिए। साथ ही प्रदर्शनी का प्रबंधन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार भी किया। दिल्ली भाजपा के महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कनॉट प्लेस में लगाई गई सीएम आवास की सचित्र प्रदर्शनी को बाधित करने और नुकसान पहुंचाने के लिए आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ शरारती तत्वों के प्रयास की निंदा की है। मल्होत्रा ने कहा है कि भाजपा लंबे समय से कोविड काल के दौरान बनाये गये मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले के निर्माण पर सवाल उठा रही है, जो इस साल की शुरुआत में उजागर हुआ और मांग कर रही है कि मुख्यमंत्री को इसे जनता के दर्शन के लिए खोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी समापन की ओर थी तभी आम आदमी पार्टी से जुड़े उपद्रवियों के एक समूह ने कुछ चित्र फाड़ दिए।

हर्ष मल्होत्रा

मणिपुर हिंसा: आरोपी को ट्रांजिट हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मई में एक पुलिस प्रतिष्ठान से बड़ी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद लूटने वाली भीड़ से संबंधित मणिपुर हिंसा मामले में एनआईए द्वारा पूर्व में गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति को असम की अदालत में पेश करने के लिए सीबीआई की ट्रांजिट हिरासत में दिया है। आरोपी की ओर से अदालत में पेश हुए वकील राहुल कुमार ने बताया कि विशेष न्यायाधीश सचिन गुप्ता ने आरोपी मोइरांगथेम आनंद सिंह (45) को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ट्रांजिट पुलिस रिमांड में दिया। उसे पूर्व में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मणिपुर हिंसा से संबंधित एक अलग मामले में गिरफ्तार किया था और यहां तिहाड़ केंद्रीय कारागार में बंद था। न्यायाधीश ने 20 अक्टूबर को सीबीआई द्वारा दायर एक अर्जी पर आदेश पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि आरोपी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी की अदालत में पेश किया जाना आवश्यक है।

आप कार्यकर्ताओं से मिले केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र नई दिल्ली के वालेंटियर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2024 में भाजपा को सत्ता से हटाना ही सबसे बड़ी देशभक्ति है। इनको 2014 और 2019 में देश की जनता ने ऐतिहासिक बहुमत दिया था। ये लोग चाहते तो देश को जबरदस्त तरक्की की राह पर लेकर जा सकते थे। लेकिन आज पूरे देश का माहौल बहुत खराब हो गया है। हर तरफ लड़ाई-झगड़े, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार, लूटपाट है। मौजूदा नौकरियां लगातार कम होती जा रही हैं, जबकि आबादी बढ़ती जा रही है।

सराय काले खां टी-जंक्शन सिग्नल फ्री, जाम से मिली निजात

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 630 मीटर लंबे तीन लेन के फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सराय काले खां टी-जंक्शन सिग्नल फ्री हो गया है। सराय काले खां फ्लाई ओवर को चालू हो जाने से आश्रम पर घंटों लगने वाले जाम से लोगों को मिल गई है। अब लोगों को सेंट्रल, ईस्ट और साउथ-ईस्ट दिल्ली के बीच बेहतर कनेक्टिविटी मिल पाएगी।

जाम की समस्या खत्म होने से वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 630 मीटर लंबे तीन लेन के इस फ्लाईओवर का रविवार को उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि इसे 66 करोड़ रुपए में बनाया जाना था, लेकिन इसे 45 करोड़ में ही बना कर 16 करोड़ रुपये बचा लिए। अब तक सरकार ने फ्लाई ओवर के निर्माण में 557 करोड़ रुपए बचाए हैं। सीएम ने दावा किया कि वर्ष 1947-2015 तक दिल्ली में 72 फ्लाई ओवर-अंडरपास बनाए गए, जबकि आम आदमी पार्टी की सरकार ने ने वर्ष 2015 से अब तक 30 बनाए हैं। इसके अलावा 9 फ्लाई ओवर पर काम चल रहा है और 16 मंजूरी मिलने की प्रक्रिया में है। पुरानी सरकार ने 70 साल में जितना काम किया है, उतना काम उनकी सरकार ने 8-10 साल में ही करके दिखा देंगे। केजरीवाल ने बताया कि इस फ्लाईओवर के चालू होने से आईटीओ से आश्रम की तरफ आने वाले लोगों को सहूलियत मिलेगी।

सराय काले खां टी-जंक्शन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व मंत्री आतिशी।

पहले आश्रम में आधे-आधे घंटे का जाम लगता था। आश्रम अंडरपास और डीएनडी एक्टेंशन और अब इस फ्लाईओवर के बनने से अब ट्रैफिक को पांच मिनट के लिए नहीं रूकना पड़ेगा।

बीच में कोई रेड लाइट नहीं है, फर्राटे से वाहन जा सकते हैं। अब चंदगीराम से लेकर आश्रम, मूलचंद, धौंलाकुंआ तक कोई रेड लाइट नहीं है। उन्हें लगता है कि पूरे रिंग रोड के उपर अब कोई रेड लाइट नहीं है। इसके आलावा, दिल्ली को जाम मुक्त बनाने के लिए जिन इलाकों में ज्यादा ट्रैफिक होता है, उस प्वाइंट को चिंहित कर अध्ययन किया जा रहा है, ताकि जरूरत के अनुसार वहां पर यू-टर्न, फ्लाईओवर, अंडरपास बनाया जा सके जिससे कहीं जाम न लगे।

फ्लाईओवर पर सुविधाएं

सराय काले खां टी-जंक्शन आई सी रोड साइनेज, सड़क सुरक्षा फिक्स्चर आदि पर बना तीन लेन का फ्लाईओवर। आईएसबीटी सराय काले खां की ओर मौजूदा सर्विस रोड/स्लिप रोड का चौड़ीकरण। यमुना नदी के किनारे मौजूदा सर्विस रोड, स्लिप रोड का सुधार। ग्रेड आई/सी पर दो यू टर्न और एक चौराहा फुटपाथ, लैंडस्केपिंग, रेलिंग आदि के साथ स्टिल्ट भाग के नीचे के क्षेत्र में सुधार।

राम की हनुमानजी से मित्रता और लंका दहन तक की लीला ने किया रोमांचित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शबरी के झूठे बेर खाते हुए की लीला के बाद रविवार को दिखाया कि भगवान राम ने उस वन को छोड़ दिया और आगे बढ़ गए। रास्ते में उन्हें ब्राह्मण के भेष में हनुमान जी मिले। जैकमपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला के नौंवें दिन यहां से शुरुआत करके लंका दहन की तक की लीला का मंचन किया गया।

हर साल हाइटेक होती जा रही इस रामलीला को इस बार फेसबुक पर भी ऑनलाइन दिखाया जा रहा है। आगे की लीला में दिखाया गया

श्रीदुर्गा रामलीला हुई हाईटेक, फेसबुक पर ऑनलाइन देख रहे लोग

कि जब राम और लक्ष्मण पर्वत के पास से गुजरते हैं तो उन पर सुग्रीव की नजर पड़ती है। सुग्रीव अपने भाई से छिपकर उस पर्वत पर रहते हैं। वे हनुमान जी से कहते हैं कि आप जाकर पता लगाओ कि वे कौन हैं। अगर वे बाली के भेजे हुए हों तो मैं तुरंत ही इस पर्वत को छोड़कर भाग जाऊंगा। यह सुनकर

गुरुग्राम में रामलीला में बाली-सुग्रीव युद्ध के दौरान बाली को तीर मारते राम।

हनुमान जी ब्राह्मण का रूप धारकर उनके पास पहुंचे और पूछने लगे कि-हे वीर, आप कौन हैं जो क्षत्रिय के रूप में वन में फिर रहे हैं। इस पर राम जी ने जवाब दिया-हम कोसलराज दशरथ जी के पुत्र राम-लक्ष्मण हैं। हम पिता का वचन मानकर वन आए हैं। यहां वन में राक्षस ने उनकी पत्नी जानकी को हर लिया है। हम उसे ही खोजते हुए यहां फिर रहे हैं।

लंका में सीता के पास जाने की तैयारी हनुमान जी की कर दी गई। राम जी ने उन्हें अपनी मुद्रीका देकर कहा कि यह सीता को दे देना, वे समझ जाएंगी कि हमने ही तुम्हें भेजा है। सुरसा राक्षसी से छुटकारा पाकर हनुमान जी लंका में अशोक वाटिका में सीता जी के पास पहुंच गए। जब वहां रावण आया तो वे पेड़ पर चढ़ गए। सीता-रावण के बीच भी संवाद हुआ। इसके बाद हनुमान जी नीचे आते हैं और सीता जी से वार्ता करते हैं। भूख लगने की बात कहकर वे अशोक वाटिका को उजाड़ देते हैं।

इस पर हनुमान जी को बांधकर रावण के दरबार में ले जाया जाता है। रावण सजा के रूप में हनुमान जी की पूंछ में आग लगवा देते हैं। फिर हनुमान जी ने सारी लंका को जला दिया और समुद्र में जाकर अपनी पूछ में लगी आग बुझाई।

सभी त्योहारों को मिल-जुल कर मनाना ही हमारे देश की सस्कृति : यादव

गुरुग्राम में दुर्गा पूजा महोत्सव में डांडिया में विजेता महिलाओं को सम्मानित करते सरपंच सुंदर लाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरपंच ने बेहतर आयोजन के लिए दी बधाई

सभी को नवरात्र व दुर्गा पूजा की दी शुभकामनाएं

विभिन्न स्थानों पर आयोजित नवरात्रि व दुर्गा पूजा महोत्सव के कार्यक्रमों में सरपंच सुंदर लाल यादव ने शिरकत करके आयोजकों को बधाई दी। इन त्योहारों को उनके साथ मिलकर मनाया। साथ ही उन्होंने बेहतर आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई भी दी।

गुजराती समाज द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव में सरपंच सुंदर लाल यादव पहुंचे। वहां गुजराती समाज की तरफ से उनका और साथियों का स्वागत और मान-सम्मान किया गया। इस अवसर पर सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि हमारी संस्कृति की यही खूबसूरती है कि हम सब अपने त्योहार मिलकर मनाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम लघु भारत है। यहां हर राज्य के लोग रहते हैं। सभी की अपनी संस्कृति, त्योहार हैं। कई त्योहार ऐसे हैं, जो हर राज्य में किसी न किसी रूप में मनाए जाते हैं। मेप्सको कासा बेला सोसायटी सेक्टर-82 में नवरात्र के कार्यक्रम में उन्होंने शिरकत की। वहां डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने सभी को इसकी शुभकामनाएं दी। डांडिया प्रतियोगिता में सबसे बेहतर प्रस्तुति देने वाली प्रतिभागियों को सरपंच सुंदर लाल व साथियों ने सम्मानित किया। मेप्सको कासाबेला सोसायटी के प्रधान धर्मवीर यादव और समस्त मेप्सको कासा बेला सोसायटी के निवासियों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

तीसरा कार्यक्रम न्यू टाउन हाइट्स-86 में रहा। वहां दुर्गा पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा की विशाल प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर आशीर्वाद लिया। पूजा-अर्चना की। वाटिका-एफ ब्लॉक सेक्टर-82 में माता की चौकी कार्यक्रम में सरपंच सुंदर लाल यादव ने अपनी पूरी टीम के साथ शामिल होकर माता का आशीर्वाद लिया।

अरावली की गोद में बसे नौरंगपुर की प्राकृतिक सुंदरता करती है आकर्षित

प्रकृति की गोद का अहसास लेना हो तो चले जाइये नौरंगपुर

उदय होते सूर्य के बेहतरीन नजारे और फूलों की सुंगध देती है सुकून

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

नौरंगपुर गांव की पहाड़ी पर बने पार्क में खिले फूलों को निहारती बच्ची, केले का पेड़ व पार्क में विचरण करते राष्ट्रीय पक्षी मोर।

सुबह की मीठी-मीठी ठंड, चिड़ियों की चहचहाट, मोर की पिहूं-पिहूं, कोयल की कूहू-कूहू और उदय होते सूर्य की लालिमा के साथ बिखरती किरणें। प्रकृति के यह नजारे किसी हिल स्टेशन के नहीं, बल्कि गुरुग्राम शहर से चंद किलोमीटर दूरी पर बसे गांव नौरंगपुर के हैं। प्रकृति के इन सब नजारों को हम नौरंगपुर के नवरंग भी कह सकते हैं।

दिल्ली में रायसीना पर्वत पर बनें राष्ट्रपति भवन से गुजरात के पालनपुर तक 692 किलोमीटर क्षेत्रफल में फैली अरावली पर्वत माला संसार की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है। यह पर्वत श्रृंखला दिल्ली से हरियाणा (गुरुग्राम, मेवात), राजस्थान होते हुए आगे गुजरात तक जाती है। इसी अरावली श्रृंखला की एक छोटी पहाड़ी के पास बसा है गांव नौरंगपुर। देश की सुरक्षा एजेंसी एनएसजी के निकट और विकास का दर्शाती गगनचुंबी इमारतों के इस गांव में समय की मांग के अनुसार दो बेहतर से भी बेहतर काम हैं यहां की भव्य वाटिका और पहाड़ी पर विकसित किया गया पार्क। ग्रामीणों की सैर के लिए ये दोनों पसंदीदा स्थल हैं। इन्हें विकसित करने का पूरा श्रेय जाता है गांव के सरपंच प्रदीप यादव को। उनकी ओर से सच्चे और अच्छे प्रयास किए गए, तभी आज नौरंगपुर गांव में प्रकृति को बेहतरी से संरक्षण हो रहा है।

गांव के पहाड़ी पर बने मंदिर और उसकी दक्षिण दिशा में पहाड़ी पर रंग-बिरंगे फूल, विभिन्न प्रकार के फलों के पेड़, औषधीय पेड़। इन सबके बीच यहां विचरण करते हुए अपनी-अपनी भाषा में बतियाते चिड़िया, तित्तर, कबूतर, तोते यहां की प्राकृतिक छटा में चार चांद लगाते हैं। इसी जगह पर राष्ट्रीय पक्षी मोर भी आपको घूमते नजर आएंगे।

फल, फूलों के पौधे, पेड़ कर रहे आकर्षित : इस परिसर में पीपल, शीशम, सफेदा, सरस, नीम, मेहंदी, लेसुआ, अशोक समेत कई किस्म के पेड़ों के अलावा आम, अमरूद, जामुन, मौसमी, चीकू, केला आदि फलों के पेड़ भी हैं। इन फल भी लगे हैं। कई औषधीय पेड़ों से लोग लाभ भी लेते हैं। कई किस्म के फूलों की भी यहां बहार नजर आती है। पार्क के चारों तरफ घूमने के लिए बनाए गए रास्ते के किनारे रंग-बिरंगे फूल यहां की सुंदरता को बढ़ा रहे हैं और सबको अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अरावली पर विकसित किए गए इस पार्क को चारों तरफ से सुरक्षित किया गया है।

पहाड़ी पर तैयार किए हैं प्राकृतिक स्रोत: सरपंच

नौरंगपुर गांव के सरपंच प्रदीप यादव कहते हैं कि पहाड़ी पर गांव का पौराणिक मंदिर है, जिसकी गांव में मान्यता है। मंदिर के साथ इस छोटी से पहाड़ी को कड़ी मेहनत से प्राकृतिक स्रोतों से विकसित किया गया है। हालांकि यहां आने, घूमने पर कोई प्रतिबंध नहीं है और ना ही किसी तरह का शुल्क लिया जाता है। गांव के युवा अशोक कुमार व अन्य के सहयोग से पहाड़ी पर समय-समय पर पेड़, पौधे रोपे जाते हैं, ताकि यहां हरियाली और बढ़ाई जाए। कई स्थानों पर यहां त्रिवेणी लगाई गई है।

कहीं संस्कृति तो कहीं बहादुरी से परिचित कराते हैं हमारे त्योहार: विधायक सिंगला

दुर्गा पूजा कार्यक्रम में विधायक सुधीर सिंगला को स्मृति चिन्ह देते आयोजक।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सप्तमी के अवसर पर शीतला कालोनी, लक्ष्मण विहार व सेक्टर-31 में माता दुर्गा पूजा व कीर्तन में शिरकत की। उन्होंने सभी आयोजकों को इन धार्मिक आयोजनों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वहां स्वयं भी पूजा-अर्चना करके मां से सभी के कुशल, मंगल और तरक्की की कामना की।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में हर त्योहार कहीं संस्कृति से परिचय कराते हैं तो कहीं बहादुरी से। नवरात्र मां दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित होते हैं। मां दुर्गा के 9 रूपों का वर्णन करते हुए विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि नौ दुर्गाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है। इनकी सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुर्गाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि किस प्रकार से हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित करने के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की। समस्त नव दुर्गाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, पूर्व पार्षद मंगत राम बगड़ी, जुगल रैना, विश्व विजय झा, दिलीप सिंह, विनोद कुमार, आनंद चौधरी, प्रहलाद शास्त्री, सोनू कुमार, मुकेश तिवारी, प्रभु मंडल, सुनील शर्मा, पवन लांबा, उमेश ठाकुर, रणजीत मिश्रा, अनुज प्रसाद, ललन शास्त्री, दुर्गागंज झा शीतला कॉलोनी, पंकज पाठक, विरेंदर यादव, मधुसूदन लक्ष्मण विहार व साधु चरण दत्ता, पीके घातक सेक्टर-31 मौजूद रहे।

दमदमा झील को सीवरेज पानी से भरने के विरोध में 28 अक्टूबर को महापंचायत

सोहना के गांव दमदमा में हुई रविवार को पंचायत में बोलते हुए।

सोहना। दमदमा झील में सीवरेज पानी डाले जाने के विरोध में 28 अक्टूबर को फिर होगी महापंचायत। महापंचायत में 40 से 45 गांवों के ग्रामीण हजारों की संख्या में भाग लेंगे। महापंचायत में आने का सोमवार से गांव-गांव निमंत्रण पत्र भेजने शुरु किए जाएंगे। रविवार की दोपहर पहले खंड के गांव दमदमा में झील को सीवरेज पानी से भरने के विरोध में पंचायत हुई। जिसकी अध्यक्षता ग्राम पंचायत अभयपुर सरपंच स्वामीराम ने की। इस पंचायत में दमदमा समेत अभयपुर, खेड़ला, बहलपा, सहजावास, रिठौज गढ़ीबाजीदपुर से आए लोगों ने भाग लिया। पंचायत सुबह 11 बजकर 30 मिनट से शुरु की और 12 बजकर 41 मिनट तक चली। इस पंचायत में वक्ताओं ने झील को नहरी पानी से भरे जाने को मंजूरी दी। लेकिन सीवरेज को पानी किसी भी सूरत में नहीं डालने का कड़ा विरोध किया। वक्ताओं ने दमदमा झील को सीवरेज पानी से भरे जाने की योजना को जनविरोधी बताया। वक्ताओं ने बताया कि सरकार इस क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में विकास कराए। कूडा केन्द्र या सीवरेज पानी नहीं चाहिए। वक्ता प्रताप खटाना ने कहा कि झील में सीवरेज पानी आने से यहा प्रदूषण बढेगा और झील कीचड़ से भरेगी। सतबीर पहलवान ने कहा कि महापंचायत में 40 से 45 गांवों के लोग पहुंचेगे। जिसके लिए सोमवार से गांव-गांव में निमंत्रण पत्र भेजने का कार्य सोमवार से शुरु हो गया। पंचायत की अध्यक्षता कर रहे स्वामी राम ने पंचायत के आखिर में 28 अक्टूबर को होने वाली महापंचायत का ऐलान करते हुए महापंचायत में सहयोग देने की बात कही। उन्होने कहा कि महापंचायत समाज सेवी और राजनीति पार्टियों के नेताओं को भी महापंचायत में बुलाया जाएगा।

आरडब्ल्यूए, पूर्व पार्षदों व नागरिकों के सहयोग से सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने में जुटा नगर निगम

गुरुग्राम। नियमित व निगम रोल के कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने में नगर निगम गुरुग्राम जुटा हुआ है। इसके तहत आरडब्ल्यूए, पूर्व पार्षदों व जागरूक नागरिकों का सहयोग लिया जा रहा है। उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली व मैनपावर सहित अन्य सफाई संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं। नगर निगम द्वारा इसके लिए 300 कर्मचारी की नई मैनपावर लगाई गई है तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य सफाई संसाधन हायर किए गए हैं।

निगम के संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) डा. नरेश कुमार ने बताया कि नगर निगम द्वारा 7 एजेंसियों को सफाई का जिम्मा सौंपा हुआ है। एजेंसियों को अलग-अलग क्षेत्र अलॉट किए हुए हैं। एजेंसियां अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त कर रही हैं। जिन क्षेत्रों में काम करने वाले नियमित व निगम रोल कर्मचारी हड़ताल पर हैं, वहां पर स्वच्छता शाखा के अधिकारीगण स्वयं कचरा उठान सुनिश्चित करवा रहे हैं। कई क्षेत्रों में आरडब्ल्यूए, निगम पार्षदों व वरिष्ठ नागरिकों को ट्रैक्टर-ट्रॉली व मैनपावर सहित अन्य सफाई संसाधन मुहैया करवाए गए हैं, ताकि उन क्षेत्रों की सफाई पूर्व पार्षदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों व वरिष्ठ नागरिकों के मार्गदर्शन व सहयोग से सुनिश्चित की जा सके। जो पूर्व पार्षद, आरडब्ल्यूए व वरिष्ठ नागरिक अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने में सहयोग के इच्छुक हैं।

उम्मीदों पर खरे उतरे जिम्नास्ट जीतकर लाए मेडल

एसजीएफआई स्टेट स्कूल चैंपियनशिप में दिखायर दम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चैंपियनशिप में जीतने वाले जिम्नास्टिक के खिलाड़ी।

बीती 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2023 तक अम्बाला में हुए एसजीएफआई स्टेट स्कूल चैंपियनशिप में जीरो ग्रेविटी जिम्नास्टिक अकादमी ने खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाते हुए कई मेडल जीते।

इस चैंपियनशिप में जीरो ग्रेविटी जिम्नास्टिक अकादमी के अंडर-14 आयु वर्ग में अमन वर्मा और सक्षम राणा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई है। दक्ष सैनी ने पूरे हरियाणा में 10वीं रैंक प्राप्त की। उत्कर्ष मदान ने अंडर 19 आयु वर्ग में टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए टीम को फर्स्ट रनर अप बनने में सहयोग दिया। अंडर-17 आयु वर्ग में वाशु सैनी ने हरियाणा की सर्वश्रेष्ठ जिम्नास्ट और युग ने पैरेलल बार में स्वर्ण पदक जीता। इस खुशी के मौके पर कोच संदीप कुमार और मनीष ने बच्चों को बधाई देते हुए उन्हें आने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि 26 से 28 अगस्त तक यहां नेहरू स्टेडियम में हुई सीएचएल री डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप में जीरो ग्रेविटी जिमनास्टिक्स अकादमी के बच्चों ने बेहतरीन खेल दिखाया था। इसी चैंपियनशिप से ही उनका स्टेट चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ था। अमन वर्मा लोट्स वैली स्कूल के, सक्षम राणा आवर लेडी फातिमा स्कूल, दक्ष सैनी ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल, युग शर्मा सिद्धेश्वर स्कूल और हरमनदीप सिंह शारदा इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं।

बंदियों के लिए नशीला पदार्थ लेकर जा रहा मजदूर पकड़ा

सोहना। भोंडसी जिला जेल में रंग रोगन के सामान बीच में रखकर नशीला पदार्थ जेल के अंदर लेकर जा रहा मजदूर ढौढी में तलाशी के दौरान पकड़ा गया। जिसके पास से 135 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद हुआ। जेल अधिकारी की शिकायत पर भोंडसी थाना पुलिस ने मजदूर और दो बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है। भोंडसी स्थित जिला जेल के उपाधीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जेल परिसर में रंग रोगन का कार्य चल रहा है। शनिवार को मजदूर संजय मूल निवासी छत्तीशगढ़ बाहर से अंदर रंग रोगन लेकर जा रहा था। जेल की ढौढी में मजदूर द्वारा ले जाया जा रहा सामान की तलाशी ली।

सीईटी परीक्षा के अभ्यार्थियों के लिए डेरा सच्चा सौदा सेवादारों ने तीन स्थानों पर लगाए हेल्प डेस्क

अभ्यार्थियों के लिए शीतल जल का भी किया प्रबंध

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में सीईटी परीक्षा के दौरान बस अड्डा पर डेरा सच्चा सौदा एवं मानवता भलाई केंद्र की ओर से लगाए गए हेल्प डेस्क पर जानकारी लेते युवा।

ग्रुप-डी की नौकरियों के लिए प्रदेशभर में आयोजित की जा रही सीईटी परीक्षा देने गुरुग्राम में भी अन्य जिलों से अभ्यार्थी पहुंचे। परीक्षाओं को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशान ना आए, इसके लिए पूज्य गुरूजी संत डा. राम रहीम सिंह जी इंसा के मानवता भलाई के मार्ग पर चलते हुए सेवादारों ने गुरुग्राम में मुख्य रूप से तीन स्थानों पर सहायता केंद्र व शीतल जल का प्रबंध किया।

आमतौर बाहरी क्षेत्रों से परीक्षा देने के लिए आने-जाने वाले अभ्यार्थियों को काफी परेशानी होती थी। उन्हें पानी भी नहीं मिल पाता था। या तो वे मजबूरी में बोतल बंद पानी खरीदकर पीते या फिर प्यासे रहते। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केंद्र सिरसा गुरुग्राम में सहायता केंद्र व शीतल जल की व्यवस्था बस अड्डा, रेलवे स्टेशन व सेक्टर-86-87 वाटिका सोसायटी क्षेत्र में की गई। इस काम में डेरा सच्चा सौदा के सेवादार सुबह से ही सेवा के लिए निर्धारित स्थलों पर पहुंच गए थे। शाह सतनाम सिंह जी वेल्फेयर विंग के सेवादार अपनी ड्रेस पहनकर सेवा करने पहुंचे। तीनों स्थानों पर लगाए गए हेल्प डेस्क पर बाहर से आने वाले युवाओं ने काफी मदद ली। सेवादारों की ओर से उन्हें परीक्षा केंद्रों के बारे में जानकारी देने के साथ उन्हें परीक्षा के लिए भी अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

गुरुग्राम में पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने देने के लिए सेवादार सेवा के कार्य में डटे रहे। सेवा कार्य में लगे मुकेश इंसा, अशोक इंसा, पुनीत इंसा, अंकुर, सौरव, मंजीत, गौरव, बुधराम, जगदीश, सुशांत, हरदीप, लेखराज, कृष्ण, मुकेश, राजू चहल, योगेश, सुखदेव आदि ने कहा कि पूज्य गुरुजी ने सेवा करने के लिए हमेशा प्रेरित किया है। उनकी प्रेरणा से ही वे सेवा कार्यों को पूरा कर रहे हैं। सेवादारों ने परीक्षार्थियों के लिए सरकार, प्रशासन की ओर से निशुल्क बसों आदि प्रबंधों की सराहना की।

साहित्यकार हंसराज महात्मा गांधी राष्ट्रीय अभिमान पुरस्कार से सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना का गांव दमदमा निवासी साहित्यकार हंसराज भारतीय सम्मान पुरस्कार के साथ।

दमदमा निवासी साहित्यकार हंसराज भारतीय को 2023 का श्री महात्मा गांधी राष्ट्रीय अभिमान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ब्रांड मैन इंडिया, आई ई एम एस व भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यह पुरस्कार हंसराज भारतीय उनके द्वारा विश्व शांति व सद्भावना वशुधैव कुटुंबकम जैसे वैश्विक मुद्दों पर लेख ,काव्य राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में निरंतर लेखन के लिए दिया गया है।

यह कार्यक्रम शुक्रवार को नई दिल्ली में होटल होलीडेइन में दिया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि घाना (अफ्रका)के भारत में अंबेसेडर मि. कौने थे व विशिष्ट अतिथि पद्म जितेन्द्र सिंह संटी थे। पुरस्तकार प्राप्ती के बाद साहित्यकार हंसराज भारतीय ने बताया कि इससे पहले भी उन्हे देश के अन्य स्थानों पर उनके द्वारा रचित लेख व काव्य पर सम्मान मिलते रहे हैं। इससे पहले राजस्थान में उन्हे सम्मनित किया था। उन्हें अब तक 16 पुरस्कार मिल चुके हैं। उनके काव्य व लेखन का मुख्य उद्देश्य वसुधैव कुटुंबकम है। विश्व में शांति पर उनका हाल ही में अमेरिका के अंदर एक लेख प्रकाशित हुआ है। यह प्रेरणा उन्हे स्वामी अग्निवेश से मिली थी।

अमेरिका ने यह भारत से विश्व में शांति बनाएं रखने की पहल करने को कहा गया था। क्योकि भारत को विश्व के अंदर शांति बहाली के लिए गुरु माना गया है।

सोने की लंका को जलता देख दर्शक तालियां बजाने के लिए हो गए मजबूर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

अशोक वाटिका में माता सीता को हनुमान अंगूठी उतार कर निशानी देते हुए।

रामलीला मंचन में लंका पति रावण की लंका को उजड़ता देख दर्शक तालियां बजाने के लिए मजबूर हो गए। माता सीता ने भगवान राम को हनुमान के द्वारा अंगूठी देकर निशानी भेजी। शहर की अनाज मंडी में स्थित हनुमान बगीची में शानदार रामलीला क्लब द्वारा किया जा रहा रामलीला का मंचन के दौरान रावण की सोने की नंगरी लंका को जलता देख दर्शकों खुशी से झूम उठे।

माता सीता की खोज में लंका पहुंचे वीर बजरंग बली हनुमान अपनी भूख को मिटाने के लिए जैसे ही वाटिका में पहुंचे और हनुमान के मुख से जय श्रीराम की आवाज सुन माता सीता के भावुक हो गईं, लेकिन कहीं वानर चमत्कारी और छलकपटी रावण की फिर से कोई चालक होने की आशंका से डर गई। लेकिन बार-बार जय श्री राम, जय श्री राम के आवाजे सुनकर सीता समझ गईं कि यह उसके स्वामी राम का ही दूत है। जब माता सीता ने अपने लंका में होने की निशान अंगूठी उतारकर हनुमान को दी। यह दृश्य देख दर्शकों की आंखे आसुओं से छलक गई।

उसके बाद रावण पुत्र अक्षय द्वारा हनुमान को फल खाने से रोकने के लिए उनकी पूंछ में आग लगा दी। लेकिन उस आग से हनुमान ने समस्त लंका को आग के हवाले कर दिया। लंका को आग में जलता देखा दर्शक तालियां पीटने से अपने आपको रोक नहीं सके। इससे पहले सुग्रीव अपनी गलती की माफी मांगते हुए लक्ष्मण के पैरो में गिर जाते हैं। फिर सुग्रीव पूरी सेना को लेकर माता सीता की खोज में चारों दिशाओं में निकल जाते हैं। हनुमान को लंका की खोज में भेज दिया जाता है।

पलवल रेलवे स्टेशन पर एक माह पहले लगाई लिफ्ट हुई खराब

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल रेलवे स्टेशन से हर रोज जाने वाले हजारों यात्रियों को सुविधा देने के लिए लगभग 75 लाख की लागत से लगाई लिफ्ट खराब हो गई है। जिससे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे की तरफ से घटिया क्वालटी की लिफ्ट लगाई गई थी। जिसकी वजह से एक महीने में ही लिफ्ट खराब हो गई।

पलवल रेल यात्रियों को रेल गाड़ियों व एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक आसानी से जाने के लिए

यात्रियों को आने-जाने में हो रही है परेशानी

रेल विभाग की तरफ से तीन लिफ्ट लगाई गई थी। जिसमें एक बार मे 12 यात्री आ जा सकते थे। इस उद्घाटन एक माह पूर्व ही केंद्रीय राजयमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने किया था। इस लिफ्ट का मुख्य उद्देश्य स्टेशन से यात्रा करने वाले बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों आदि को रेल गाड़ियों तक आने-जाने व स्टेशन से बाहर आने जाने के लिए सुविधा के लिए लगाया गया था।

परंतु यह लिफ्ट एक महीने में ही खराब हो गई। जिससे फिर से यात्रियों को पैदल ही स्टेशन तक आना-जाना पड़ रहा है। जिससे यात्रियों मे रेल विभाग के खिलाफ भारी नाराजगी है। रेल यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर लिफ्ट लगाने में कोताही बरती गई, अन्यथा इतनी जल्दी कोई लिफ्ट खराब नहीं होती। उन्होंने बताया कि रेलवे ने खराब क्वालटी की लिफ्ट ही स्टेशन पर लगाई थी। यात्रियों का कहना है कि लिफ्ट लगाने में कोई गोल-माल हुआ है। इसकी जांच तुरंत की जानी चाहिए व जो इसके लिए जिम्मेवार हो, उनके खिलाफ भी तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा कंपनी को भी ब्लैकलिस्ट करना चाहिए। जिससे आगे कोई भी लिफ्ट घटिया क्वालटी की न दें।

रेलवे प्लेटफार्म पर लिफ्ट खराब होने की वजह से यात्रियों को दोबारा से सीढ़ियों से ही स्टेशन तक आना-जाना पड़ रहा है। जिससे बुजुर्ग, महिला यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

-दीपक कुमार, दैनिक रेलयात्री

स्टेशन पर एक महीने पहले ही लगाई गई लिफ्ट के खराब होना इसकी क्वालिटी के घटिया स्तर की दर्शाता है। इसकी जगह अच्छी क्वालिटी की लिफ्ट लगाई जानी चाहिए। जिससे यात्रियों को सुविधा रहे।

-अरुण सिंह, रेल यात्री

कुछ दिन पहले स्टेशन पर लगाई लिफ्ट खराब हो गई। सारे दिन रेल यात्री लिफ्ट मे ही घूमते रहते हैं। इसी कारण यह खराब हुई है। जिसकी वजह से यात्रियों को परेशानी हुई है। जल्द ही लिफ्ट को सही करवा दिया जाएगा।

-नरेंद्र सिंह बिष्ट, स्टेशन मास्टर

संक्षिप्त समाचार

ओल्ड फरीदाबाद में निकाली दंडवत परिक्रमा

फरीदाबाद। श्री महावीर दल दशहरा कमेटी, अखिल भारतीय लैय्या बिरादरी प पंजाबी समाज द्वारा संयुक्त रूप से श्रीराम हनुमान मंदिर लैय्या बिरादरी ओल्ड फरीदाबाद से निकाली ऐतिहासिक दंडवत परिक्रमा का शुभारंभ मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड ने और पंजाबी सभा के चेयरमैन वासदेव सलुजा ने फीता काटकर किया। दंडवत परिक्रमा से पूर्व प्रधान धर्म बरेजा, महासचिव राज मिगलानी, सरपरस्त ओमप्रकाश नारंग, वरिष्ठ उपप्रधान लोकनाथ मिगलानी, अमीरचंद गिरधर, संजीव सलूजा, राजेश अरोड़ा, यश बब्बर, गुरूजी एवं उपप्रधान तिलकराज मिगलानी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश घीगड़ा, धनश्याम वधवा, दीनानाथ वधवा, किशन छाबड़ा, ताराचंद दुरेजा, दीपक राज, अमित मिगलानी, टिंकू मिगलानी, मोहित नारंग, देवेंद्र थरेजा, मोहित, राजू बतरा, कमल नारंग, मनीष मिगलानी, संजय धीगड़ा, धीरज शर्मा ने मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की। इस मौके पर अजय गौड ने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि सबके व्यापार और धनधान्य में खूब वृद्वि करे और सभी इस तरह मिलजुलकर हर पर्व मनाएं। ईश्वर आपको शक्ति दे और आप सभी धर्म के काम में इसी तरह जुटे रहें।

अतिरिक्त उपायुक्त ने दशहरा मेला की तैयारियों का किया निरीक्षण

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त आनंद शर्मा ने एनआईटी-1 के दशहरा ग्राउंड में विजयदशमी के अवसर पर लगने वाले दशहरा मेला की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस साल भी विजयदशमी के दिन रावण के पुतलों का दहन का आयोजन प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बड़े धूमधाम से किया जाएगा। विजय दशमी के दिन रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन दशहरा ग्राउंड में किया जाता है। इस वर्ष 60 फुट ऊंचे पुतले लगाए जाएंगे और दशहरा ग्राउंड में पुतलों के चारों ओर सुरक्षा के मद्देनजर बैरीगेटिंग की जाएगी। इस खास और भव्य कार्यक्रम के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रावण देखने आने वाले परिवारों को कोई असुविधा न हो इसके लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाएगी। ग्राउंड में लाइटिंग की पूर्ण व्यवस्था हो। इस अवसर पर एसडीएम बड़खल अमित मान, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अलका चौधरी, एसीपी एनआईटी महेश श्योरान, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता प्रदीप संधू, एफएमडीए एक्सईन विनय ढुल, अग्निशमन विभाग से कपिल सहित कई अधिकारीगण मौजूद थे।

झगड़े के बाद दंपती ने की थी व्यक्ति की हत्या

सीढ़ी पर मिले शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

गुमागंज बाजार में 18 अक्टूबर को हुई व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने चार दिन बाद एक दंपती के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। आरोपी दंपती की तलाश शुरू कर दी गई है।

पुलिस जांच अधिकारी हथीन गेट पुलिस चौकी प्रभारी कुलदीप ने बताया कि कि 17 अक्टूबर की शाम को लालू व राजेंद्र की किसी बात पर तू तू-मैं-मैं हो गई थी। जिसे समझौता कर खत्म कर दिया। लेकिन बाद में

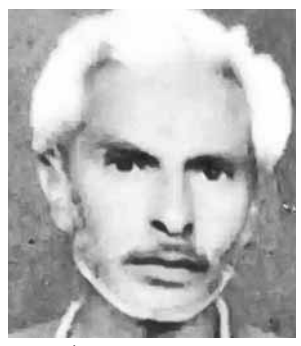

राजेंद्र और उसकी पत्नी अंजू ने लालू को जान से मारने की धमकी दी। 17 अक्टूबर की देर शाम लालू घर से टहलने के लिए निकला था, लेकिन 18 अक्टूबर की सुबह लालू का शव दंपती के घर के बाहर पड़ा मिला। परिजनों को पूरा शक था कि हत्या राजेंद्र और उसकी पत्नी अंजू ने की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 174 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। सिटी थाना प्रभारी रवींद्र कुमार और एएसपी जसलीन कौर ने सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया और घटना स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद उच्च अधिकारियों की निगरानी में जांच की गई और आस-पड़ोस के लोगों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन की। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक के भाई मान सिंह की शिकायत पर राजेंद्र और उसकी पत्नी अंजू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

किडनी फेलियर के बावजूद उचित इलाज से जी सकते है लंबा जीवन

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल में स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार मुख्य रूप से शामिल रहे। उन्होंने कहा कि किडनी फेलियर के बावजूद लोग समय पर डॉक्टरी जांच और उचित इलाज से दीर्घायु प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। जिसमें 150 लोगों ने किडनी की जांच कराई। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि डायलिसिस के बावजूद कितने ही मरीज हैं जो 15-15 सालों से डायलिसिस करवाकर स्वस्थ हैं। यदि बीमारी लंबी चली तो मरीजों को अपना खास ख्याल रखना जरूरी है। किडनी की बीमारी के अनेक कांप्लिकेशन हैं, जिसमें ऑस्टियोपोरोसिस भी शामिल है। केल्शियम, फास्फोरस से मरीजों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दुधौला-पृथला मार्ग पर कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक कार को लेकर मौके से फरार हो गया। युवक के दोस्त ने उसे अस्पताल पहुंचाया तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोस्त की शिकायत पर कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

गदपुरी थाना प्रभारी राजबीर धतीर ने बताया कि दीपक और उसका दोस्त संदीप शर्मा देवली गांव में एक दोस्त के घर जसोटन के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वह गांव से अपनी बाइक पर गया था और उसका दोस्त संदीप शर्मा कंपनी से ड्यूटी समाप्त कर अपनी बाइक से सीधा देवली पहुंचा था। लेकिन जब दोनों कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अलग-अलग बाइकों पर वापस अपने गांव धतीर लौटकर आ रहे थे, तभी दुधौला-पृथला मार्ग पर दुधौला गांव की तरफ से आई एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने संदीप शर्मा की बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर मारने के बाद कार चालक ने कार को रोका, लेकिन फिर लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने कार का नंबर नोट कर लिया और संदीप को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में चिकित्सकों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया।

लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर सरकार कर रही कार्य : जगदीश नायर

विधायक ने करीब पांच करोड़ के विकास कार्यों के किए शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

लोगों का आवागमन सुगम व अधिक सुविधा जनक हो इसके लिए सरकार सड़कों को चौड़ा करके बना रही है। क्षेत्र की कोई भी सड़क टूटी नहीं रहेगी, समस्त सड़कों को बनाने का कार्य किया जाएगा। यह वक्तव्य रविवार को हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन एवं होडल के विधायक जगदीश नायर ने विधानसभा क्षेत्र होडल में विभिन्न सड़कों के शिलान्यास करने उपरांत क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र होडल में चहुंमुखी विकास कार्य तीव्र गति से कराए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र में चारों तरफ विकास कार्यों की झड़ी लगी हुई है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर रोजाना करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किए जा रहे हैं।

होडल के विधायक जगदीश नायर ने रविवार को विधानसभा होडल में लगभग पांच करोड़ रुपये के विकास कार्यों के शिलान्यास किए। जिनमें करीब एक करोड़ नौ लाख 89 हजार से होडल-पुन्हाना-नूंह रोड से गांव डाढका तक डेढ़ किलोमीटर लंबे बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को 11 फुट से 18 फुट तक चौडा करके बनाने का कार्य, लगभग दो करोड़ 92 लाख 54 हजार की लागत से गांव बंचारी से सौंध तक करीब तीन किलोमीटर लंबे बृज 84 कोस परिक्रमा मार्ग व 86 लाख 11 हजार की लागत से मीरपुर कोराली से मच्छीपुरा तक लगभग दो किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण व सौंदर्यकरण का कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बृज 84 कोस परिक्रमा के लिए 14 करोड़ 83 लाख की राशि स्वीकृत की है, जिसमें से अभी बंचारी से सौंध तक का यह मार्ग बनवाया जा रहा है।

48 हजार की बिजली लाइन चोरी, चोरों ने 740 मीटर तार चुराया

ट्यूबवेल चालू करने पहुंचे किसानों तो पता चला

पलवल। हथीन उपमंडल में गढ़ी विनोदा गांव के निकट से चोरों ने बिजली लाइन के पांच खंभों से 48 हजार रुपये का 740 मीटर तार चोरी कर लिया। जिससे गढ़ी विनोदा गांव के तीन किसानों के ट्यूबवेल बंद हो गए। पुलिस ने बिजली विभाग के एसडीओ की शिकायत पर चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

हथीन थाना प्रभारी मुकेश कुमार के अनुसार, बिजली विभाग के एसडीओ चंद्रभान ने दी शिकायत में कहा कि गढ़ी विनोदा गांव में किसानों के ट्यूबवेलों के लिए खेतों से जा रही बिजली लाइन से रात के समय चोरों ने पांच खंभों से 740 मीटर तार को चोरी कर लिया। गढ़ी विनोदा गांव निवासी किसान हरभजन, हजारी लाल व अरमचंद सुबह जब सिंचाई के लिए अपने ट्यूबवेल को चलाने पहुंचे तो वहां बिजली गायब मिली। उन्होंने देखा कि गांव में तो बिजली आ रही थी, लेकिन खेत पर नहीं। उन्होंने बाहर निकलकर देखा तो बिजली के खंभों से तार गायब थे। जिसकी सूचना किसानों ने तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलने पर एसडीओ टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना करने के बाद इसकी लिखित शिकायत हथीन थाना पुलिस को दी। पुलिस ने एसडीओ की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। हालांकि अभी बिजली लाइन दोबारा शुरू नहीं हो सकी है। बिजली न आने से किसानों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

केसीएम वर्ल्ड स्कूल में धूमधाम से मनाया दशहरा पर्व

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

टीकरी ब्राह्मण स्थित केसीएम वर्ल्ड स्कूल में बहुत धूमधाम से दशहरा पर्व मनाया गया। जिसमें कक्षा केजी-1 से दूसरी तक के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सर्वप्रथम विद्यालय की संयोजिका ममता महलावत ने प्रधानाचार्या को पुष्प गुच्छ प्रदान उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। दूसरी कक्षा के छात्रों द्वारा दिन का शुभ विचार प्रस्तुत करने के बाद छात्रा स्वरा द्वारा दशहरा पर्व मनाने के औचित्य पर अपने विचार प्रकट किए गए। कक्षा केजी-1 व केजी-2 के छात्रों द्वारा इस पर्व से संबंधित बहुत ही सुंदर कविता की प्रस्तुति की गई। जिसकी सभी के द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। इसके साथ ही पहली व दूसरी कक्षा के छात्रों ने संपूर्ण रामायण कथा को अपने अभिनय के माध्यम से नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत कर भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात केजी-1 के नन्हे छात्रों द्वारा नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसमें लविष्का, ध्रुव, हर्षिका, रोहन, हार्दिक, वर्णिका आदि के नाम उल्लेखनीय रहे। दशहरा पर्व से संबंधित वीडियो भी छात्रों को दिखाई गई, ताकि इस पर्व के महत्व को सभी जान सकें। इसके साथ-साथ आर्ट एवं क्राफ्ट व कलरिंग एक्टिविटी भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या पारुल भारद्वाज द्वारा सभी भाग लेने वाले छात्रों की सराहना की तथा सभी को पर्व की हार्दिक बधाई दी गई। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के पर्वों का आयोजन विद्यालय में करवाए जाने का प्रमुख उद्देश्य यही है कि बच्चे पर्वों के बारे में जान सकें, साथ ही उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा भी उभरकर सामने आए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के मैदान में रावण दहन करवाया गया। मंच का संचालन विद्यालय की शिक्षिका ममता चौहान द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम का संचालन संयोजिका ममता महलावत के निर्देशन में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक की सभी शिक्षिकाओं द्वारा किया गया।

दिल्ली एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक बैठक व चुनाव आयोजित किए गए। इस दौरान अजय नायक आईएएस (आर) रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में मौजूद रहे। जबकि भारतीय मुक्केबाजी संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए अनिल कुमार बोहिदार पर्यवेक्षक की भूमिका में रहे।

वहीं इस मौके पर दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने वाले पर्यवेक्षक सुधीर वत्स ने चुनावी प्रक्रिया को देखा और सत्यापित किया। इस दौरान नीरज कांत ने एनओसी जारी न होने के कारण अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली, क्योंकि वह भारतीय रेलवे में

नए पदाधिकारियों को पुराने पदाधिरियों ने दी बधाई व शुभकामनाएं

काम करते हैं। उनके उम्मीदवारी वापिस लेने के बाद यह चुनाव काफी दिलचस्प हो गया। निर्णय ने इन चुनावों के नतीजे को आकार देने में भूमिका निभाई। इस चुनाव प्रक्रिया के दौरान नीरज जैन अध्यक्ष तथा मोक्ष गुजरानी को महासचिव चुना गया। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने कार्यकाल के दौरान बॉक्सिंग में उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देंगे और उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। इस मौके पर मौजूद दिल्ली एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के सदस्यों ने नवनियुक्त प्रधान व महासचिव को उनकी नियुक्ति की बधाई दी।

इस मौके पर नवनियुक्त प्रधान नीरज जैन व महासचिव मोक्ष गुजरानी ने संयुक्त रूप से कहा कि जिस उद्देश्य के साथ इसका गठन किया गया, उस उद्देश्य को पूरा करते हुए बॉक्सिंग की प्रतिभाओं को सफलता के नए आयाम देने के लिए वे सभी के सहयोग से प्रयासरत रहेंगे। बता दें कि यह एक राज्य स्तरीय बॉक्सिंग एसोसिएशन है, जो बॉक्सिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन व इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त है तथा यह सभी भारत सरकार से मान्यता प्राप्त हैं।

प्रवीण डागर ने गांव मोहदमका में रास्तों के कार्य का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विधायक प्रवीण डागर ने गांव मोहदमका में 15 लाख की लागत से इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा बनाए जाने वाले तीन रास्तों के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। विधायक हथीन ने गांव मोहदमका की सरदारी को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष के सरकार के कार्यकाल में हथीन विधानसभा का बिना भेदभाव के विकास कराया गया है। सरकार ने लोककल्याण को प्रमुखता पर रखकर विकास को आधार बनाकर हथीन क्षेत्र का समान विकास कराया है। हथीन विधानसभा में लगभग 28 नई सड़कों का निर्माण कराकर सड़कों का जाल बिछाया गया है। बिजली के दो नए पावर हाउस गांव उटावड़ और जैंदापुर के लिए मंजूर करवाए। गांव बहीन के पावर हाउस को 33 केवी से अपग्रेड करके 66 केवी कराने की मंजूरी मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हथीन विधानसभा क्षेत्र में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से दो पावर हाउस मंजूर करवाए, जिनमें जैंदापुर पावर हाउस की निविदा हो चुकी है और लाइन का काम चल रहा है। इसके अलावा उटावड़ पावर हाउस की भी निविदा जल्द जारी हो जाएगी। इसके अतिरिक्त पलवल उटावड़ रोड को 67 करोड़ रुपये की लागत से एक्सप्रेस वे जैसा बना दिया गया है। हथीन बाइपास 61 करोड़ की लागत से बनकर लगभग तैयार है। हथीन शहर को नई सड़कों से जोड़ा गया है। किसानों की फसल बिक्री व सिंचाई के पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। बिना किसी भेदभाव के सभी समुदायों के गांवो का विकास कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में टूटी हुई सड़कों के नवीनीकरण के लिए 25-25 करोड़ रुपये दोबारा मंजूर किए गए है, जल्द ही सभी सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। हथीन के विकास के मुख्य बिंदू मंडकौला का दिल्ली मुंबई ग्रीन एक्सप्रेस वे से जोड़ने वाली सड़क का भी कार्य जल्द शुरू होगा, जिसके निर्माण से पूरा हथीन क्षेत्र का औद्योगिक व व्यावसायिक विकास होगा। आने वाले समय में हथीन का नाम हरियाणा प्रदेश में गुरुग्राम व फरीदाबाद की तर्ज पर लिया जाएगा। मौके पर सरपंच ने विधायक को गांव मोहदमका की मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। विधायक डागर ने समाधान कराने का आश्वासन दिया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में नवरात्र पर कार्यक्रम का आयोजन

इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्रों का हुआ सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दिल्ली पब्लिक स्कूल न्यू कॉलोनी में अनंता इनफिनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन एसपी लाल, चेयरपर्सन रानी लाल, प्रधानाचार्य हरीश सचदेवा, उप प्रधानाचार्या नीलम सांधा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की मुख्याध्यापिका ममता गांधी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एसपी डॉ. अंशु सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके अंतर्गत कक्षा नर्सरी से नौवीं तक के बच्चों ने गरबा, बीटीएस जैसे नृत्य व संगीत की रंगारंग प्रस्तुति देते हुए समां बांध दिया।

रामायण व वैष्णवी की झांकी का मंचन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। जिससे इन पर्वों के महत्व की सार्थकता को बल मिला। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति समाज में जागरूकता लाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। जिसकी एसपी डॉ. अंशु सिंगला ने की तथा संदेश दिया कि त्योहारों के अवसर पर हमें अपनी खुशियों का ध्यान रखने के साथ ही अनाथ बच्चों की लिए भी सहयोग कर उनकी खुशियों का भी ध्यान रखना चाहिए। साथ ही उन्होंने ट्रैफिक के नियमों का सतर्कता से ध्यान रखने के लिए भी सभी को प्रेरित किया, क्योंकि आने वाली पीढ़ी हमारा ही अनुसरण कर सीखेगी।

इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन एसपी लाल ने अभिभावकों द्वारा अनाथालय के लिए किए गए दान व सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। तदोपरांत डांडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावक महिलाओं ने पूरे उत्साह व हर्ष के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगे गुजराती परिधानों में सभी महिलाएं बहुत ही आकर्षित लग रहीं थीं और उनके द्वारा प्रदर्शित गीत व नृत्य ने शाम को मनमोहक बना दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन एसपी लाल व चेयरपर्सन रानी लाल ने विजेता महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया व सभी को नवरात्रि के पावन पर्व व दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक हैं। अत: हमें भी सामाजिक बुराइयों को दूर कर मानवीय हित के लिए कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालय की मुख्याध्यापिका ममता गांधी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए नवरात्रि पर्व व दशहरे के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए संदेश दिया कि मां दुर्गा शक्ति स्वरूपा व सकारात्मकता का प्रतीक है। अत: हम पर्वों के माध्यम से जीवन में सकारात्मक लाएं। मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे व सभी के जीवन में सुख समृद्धि व खुशहाली का वास हो।

गाजा में सहायता

इज़राइल की सहमति

गाजा में मानवीय सहायता पर आखिरकार दुनिया के दबाव के आगे इज़राइल को झुकना पड़ा। इज़राइल-हमास टकराव शुरू होने के लगभग दस दिन बाद तक उसके निवासियों को भयानक हिंसा, दवाओं की कमी तथा पानी व भोजन जैसी मूलभूत जरूरतों के संकट का सामना करना पड़ा। आखिरकार कुछ मानवीय सहायता गाजा पहुंचने लगी है जिससे वहां के निवासियों को थोड़ी राहत मिली है जिसकी उनको बहुत आवश्यकता थी। इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू की इस स्पष्ट घोषणा के बाद स्थिति बहुत खतरनाक हो गई थी कि गाजा में बाहर से कोई सहायता नहीं आने दी जाएगी। अब आखिर सारी दुनिया व अधिकांशत: अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के दबाव और संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा कठोर दृष्टिकोण अपनाने के बाद गाजा के निवासियों तक मानवीय सहायता पहुंच रही है, हालांकि यह अब भी बहुत कम है। स्वच्छ जल, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्यरक्षा तक सीमित पहुंच के कारण गाजा की जनता एक अनन्त निराशा के दुष्चक्र में फंसी है। अभी युद्धविराम लागू होने में थोड़ा विलम्ब है, पर मानवीय सहायता की शुरुआत इस संकट से निपटने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सकारात्मक संकेत है। भारत समेत अनेक देशों, गैर-सरकारी संगठनों व संयुक्त राष्ट्रसंघ ने गाजा में जनता के कष्ट दूर करने के लिए अपने प्रयास तेज किए हैं।

अल-अहील अस्पताल पर भयानक हमले ने विश्व समुदाय की चेतना झकझोर दी है। वास्तव में इस समय चिकित्सा सहायता की सर्वाधिक आवश्यकता है जिसे प्राप्त करना कठिन हो गया है। गाजा का एकमात्र कैंसर अस्पताल किसी समय बंद हो सकता है क्योंकि उसके पास ईंधन व दवायें समाप्त हो रही हैं। अब सप्लाई लाने वाले डब्लूएचओ के ट्रक ऐसे में बहु-प्रतीक्षित राहत पहुंचा सकते हैं। भले ही यह महत्वपूर्ण हो, पर डब्लूएचओ ने इसे 'आवश्यकता के समुद्र में एक बूंद' बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने कहा है कि दवाओं से भरे पांच ट्रक गाजा और मिस्र के बीच सीमा पर गाजा में प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तेलअबीब यात्रा का प्रत्यक्ष परिणाम है। इज़राइल और मिस्र के नेताओं से 'स्पष्ट' चर्चा के बाद बाइडेन ने गाजा में प्रवेश की अनुमति पर समझौते का खुलासा किया था। इज़राइल ने सैनिक कार्रवाई जारी रखते हुए भी इस व्यवस्था पर सहमति जताई थी। इज़राइल द्वारा घेरेबंद गाजा पट्टी की 'संपूर्ण नाकेबंदी' की घोषणा के बाद यह पहली सप्लाई है। गाजा में 2.3 मिलियन लोग रहते हैं। हमास आतंकियों द्वारा 7 अक्टूबर को इज़राइली क्षेत्र पर हमले में कम से कम 1400 लोग मारे गए थे। इसके बाद इज़राइल द्वारा घोषित नाकेबंदी से बिजली सप्लाई बाधित होने के साथ ही भोजन एवं ईंधन के प्रवाह में बाधा आई थी। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने गाजा में गंभीर मानवीय संकट की चेतावनी दी थी जहां की आधी से अधिक जनसंख्या इज़राइल द्वारा 16 साल से लागू नाकेबंदी के कारण भयानक गरीबी का शिकार है। गाजा में मानवीय सहायता की यह गति जारी रहनी चाहिए तथा टकराव के मूल राजनीतिक मुद्दों के समाधान हेतु राजनयिक प्रयास तेज किए जाने चाहिए। वर्तमान विपरीत स्थितियों को देखते हुए आशा की यह किरण एक उत्प्रेरक की भूमिका अदा करते हुए गाजा के लोगों को थोड़ी राहत देगी। इससे विश्व समुदाय को एक अवसर मिलेगा कि वह गाजा का यथार्थ समझे तथा यहां रहने वाले नागरिकों का शांतिपूर्ण भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयास करे।

खाद्य सब्सिडी की समीक्षा जरूरी

खाद्य सब्सिडी योजना क्रियान्वयन के अधिकांश कार्य बदलते समय के अनुकूल नहीं हैं। इसके कारण चोरी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इसलिए इसकी समीक्षा की जरूरत है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

नीति आयोग ने केन्द्रीय समन्वय एजेंसी पर विचार किया है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सब्सिडी योजना की प्रभावशीलता का आंकलन कर सके। एजेंसी को योजना को बेहतर बनाने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी दी जाएगी। वह यह सुझाव भी देगी कि 'क्या योजना का कैसे तार्किकीकरण किया जाए अथवा इसे बंद कर दिया जाए।' लेकिन सरकार द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष के बाद भी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून-एनएफएसए के अंतर्गत मुफ्त अनाज वितरित करना जारी रखने का कदम इसके विपरीत संकेत देता है। वास्तव में खाद्य सब्सिडी योजना क्रियान्वयन के अधिकांश कदम इस थिंकटैंक की विचार प्रक्रिया से असंगत हैं। एनएफएसए के अंतर्गत केन्द्र भारतीय खाद्य निगम-एफसीआई व अन्य राज्य एजेंसियों को किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी पर खाद्यान्न खरीदने तथा उनको सस्ती कीमतों पर वितरित करने का आदेश देता है। यह 'इशू प्राइज़' गेंहूं, चावल व मोटे अनाजों के लिए क्रमश: 2,3 व 1 रुपया प्रति किलो है।

लाभार्थी दो प्रकार के हैं। अंत्योदय अन्न योजना-एएवाई के अंतर्गत गरीबों में भी सबसे गरीबों को प्रति परिवार प्रति माह 35 किलो अनाज दिया जाता है। एएवाई के अंतर्गत 24 मिलियन परिवार हैं तथा प्रति माह 2,3 व 1 रुपये किलो पर 7 किलो अनाज पाने वाले लोगों की संख्या 120 मिलियन है। बाकी 700 मिलियन लोग प्रति माह इसी कीमत पर पांच किलो अनाज प्राप्त कर सकते हैं। किसानों को एमएसपी तथा इशू प्राइज़ से अधिक मूल्य पर भुगतान में हैंडलिंग व वितरण खर्च-एचडीसी भी शामिल है। इसकी प्रतिपूर्ति एफसीआई व अन्य राज्य एजेंसियों को सब्सिडी के रूप में की जाती है। इसके लिए पैसा केन्द्रीय बजट से आता है जिसे 'खाद्य सब्सिडी' कहते हैं। पिछले पांच साल में इस मद में केन्द्र का खर्च 2020-21 में 529,000 करोड़, 2021-22 में 372,000 करोड़, 2022-23 में 287,000 करोड़ तथा 2023-24 में बजट अनुमान के अनुसार 197,000 करोड़ रुपये होगा।

कुल मिला कर यह 1385,000 करोड़ रुपये होता है। इसमें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना-पीएमजीकेवाई पर खर्च 390,000 करोड़ रुपये भी शामिल है। अप्रैल, 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा असाधारण स्थितियों को देखते हुए शुरू की गई पीएमजीकेवाई में एनएफएसए के अंतर्गत प्रति व्यक्ति प्रति माह एफपीएस के माध्यम से 5 किलो चावल या गेंहूं तथा प्रति परिवार प्रति माह 164 मिलियन परिवारों को एक किलो दाल 'मुफ्त' दी जाती है। शुरुआत में यह योजना तीन माह के लिए थी, पर इस योजना का विस्तार 31 दिसंबर, 2022 तक किया गया। 23 दिसंबर, 2022 को उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने पीएमजीकेवाई के मुफ्त हिस्से के एनएफएसए के अंतर्गत नियमित खाद्य सुरक्षा योजना में विलय की घोषणा कर दी। इसके अनुसार लाभार्थियों को एनएफएसए के अंतर्गत 1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध है। खाद्यान्न सब्सिडी योजना के संचालन में अनेक कमियां हैं। पहला, मूल रूप से सस्ता खाद्यान्न गरीबों के लिए है। गरीब लोगों की संख्या भारत की जनसंख्या में 15-20 प्रतिशत से अधिक नहीं है। इसके बावजूद एनएफएसए के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या 820 मिलियन है जो जनसंख्या का लगभग 59 प्रतिशत होते हैं। 2015 में आई शांता कुमार कमेटी रिपोर्ट के अनुसार एनएफएसए के अंतर्गत सस्ता खाद्यान्न पाने वालों की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। दूसरा, पिछले पांच साल में गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों की संख्या में 135 मिलियन की कमी आई है। इसे देखते हुए एनएफएसए के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कम होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इसके उलट सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार इसमें लगभग 100 मिलियन की वृद्धि हो जाएगी क्योंकि उसने जनसंख्या का वर्तमान अनुमान 2011 की जनगणना के बजाय 2021 की जनगणना के आधार पर करने को कहा है।

तीसरा, क्या लाभार्थी इतने गरीब हैं कि वे खाद्यान्नों के लिए केवल 2,3 व 1 रुपये किलो का भुगतान कर सकते हैं जो इसे उपलब्ध कराने पर आने वाले खर्च का बहुत मामूली हिस्सा है। शांता कुमार समिति ने कहा था कि गैर-एएवाई परिवारों को एमएसपी के 50 प्रतिशत का भुगतान करना चाहिए। चौथा, वर्तमान इशू प्राइज़ का निर्धारण एनएफएसए कानून के आधार पर किया गया था। 2013 में लागू इस कानून में इन दरों को तीन साल तक फ्रीज किया गया था। इसलिए 2016 से मूल्य बढ़ाने पर कोई विधिक प्रतिबंध नहीं है। इसके बावजूद सरकार ने इसे बढ़ाने की चिन्ता नहीं की है, जबकि एमएसपी में काफी वृद्धि की गई है। पांचवां, हास्यास्पद रूप से सप्लाई श्रृंखला में उपलब्ध बहुत कम कीमतों पर खाद्यान्न संदिग्ध लोगों को इसका दुरुपयोग करने तथा खुले बाजार में बेचने का आमंत्रण है। प्रशासन की सतर्कता के बावजूद इसे रोकना बहुत कठिन है। छठा, योजना का मूल विचार यह था कि एफसीआई आदि केवल उतना ही खाद्यान्न खरीदेंगे जो एनएफएसए के अंतर्गत उनके लाभार्थियों के लिए जरूरी हो। इसके अतिरिक्त वे आपात स्थितियों के लिए कुछ 'रणनीतिक' अतिरिक्त भंडार बना सकते हैं। इसका उद्देश्य कभी 'खुली' खरीद नहीं था, जैसा कि अब हो गया है। इसके कारण भंडारण समस्यायें, भारी खर्च, सब्सिडी में असाधारण वृद्धि, आदि सामने आए हैं। खुली खरीद के कारण डब्लूटीओ में भारत की स्थिति परेशानी भीर हो गई है क्योंकि किसानों को सब्सिडी के रूप में मिलने वाला समर्थन विकासशील देशों के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक हो गया है।

जहां तक पीएमजीकेवाई का सवाल है, वित्त वर्ष 2020-21 में इसका औचित्य था क्योंकि कोविड के कारण आर्थिक गतिविधियां बंद हो गई थीं तथा देश की जीडीपी वृद्धि नकारात्मक 6.6 प्रतिशत हो गई थी। लेकिन 2021-22 व 2022-23 में इसे उचित नहीं कहा जा सकता है जब देश की जीडीपी वृद्धि पुन: 8.7 प्रतिशत तथा 7.2 प्रतिशत हो गई थी। ऐसे में 1 जनवरी, 2023 से पीएमजीकेवाई बंद करना उचित कदम था। लेकिन इसके साथ ही एनएफएसए के अंतर्गत मुफ्त खाद्यान्न सप्लाई करना उचित नहीं कहा जा सकता है। इसके लिए पीयूष गोयल ने तर्क दिया था कि 'जनता को ऐसे समय व्यवस्था के झटकों से बचाना जरूरी है जब अर्थव्यवस्था कोविड संकट के बाद बहाल हो रही थी।' यह तर्क गले नहीं उतरता है क्योंकि पिछले दो साल में अच्छी वृद्धि हुई है तथा वर्तमान वित्त वर्ष में इसके शानदार 6.3 प्रतिशत रहने की आशा है। अब सरकार ने संकेत दिए हैं कि मुफ्त खाद्यान्न योजना न केवल इस वित्त वर्ष के अंत तक, बल्कि इसके बाद भी जारी रहेगी। इसे भी अव्यावहारिक कहा जा सकता है। इससे बाहर निकलने का रास्ता यह है कि मूल्य में सब्सिडी देने की वर्तमान व्यवस्था समाप्त कर सब्सिडी सीधे लाभार्थी को डीबीटी के अंतर्गत दी जाए। इससे राज्य एजेंसियों को खाद्यान्न खरीदने, उसका भंडारण करने तथा लाभार्थी को देने की जरूरत समाप्त हो जाएगी।

इसके बजाय उपभोक्ता सीधे बाजार से पूरी कीमत पर अनाज खरीद सकेंगे, जैसे 30 रुपया प्रति किलो गेंहूं के मामले में 28 रुपया सरकारी सब्सिडी से और 2 रुपया उसकी जेब से खर्च होगा। इससे व्यवस्था की विकृतियां दूर होंगी। डीबीटी लागू होने पर सरकार आसानी से उन लोगों का निर्धारण कर सकती है जिनको सब्सिडी नहीं मिलेगी। इससे चोरी या दुरुपयोग की समस्या समाप्त होगी। इससे एजेंसियों का वह खर्च बचेगा जो खाद्यान्नों की हैंडलिंग पर खर्च होता है। सप्लाई बढ़ने तथा बाजार में प्रतियोगिता से सभी उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इससे सरकार को डब्लूटीओ में भी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन दुर्भाग्य से हम इस दिशा में नहीं बढ़ रहे हैं। लाभार्थियों की सूची से अवांछितों के नाम हटाने जैसे मामूली कदम भी नहीं उठाए जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण 'राजनीतिक परिवेश' है जहां सत्तारूढ़ पार्टी लाभार्थियों को दिए जा रहे लाभ वापस लेने की हिम्मत नहीं कर पाती है तथा उसे और देने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

गाज़ा पर इज़राइल के हमलों की विभीषिका

इजराइल को गाजा को तबाह करने और उसके नागरिकों का नरसंहार करने के अपने इरादे जाहिर करने में कोई संकोच नहीं है।

वाइल अव्वाद
(लेखक, विदेशी पत्रकार एवं दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ हैं)

यह दिन-ब-दिन स्पष्ट होता जा रहा है कि गाजा पर इजरायल द्वारा घोषित युद्ध का उद्देश्य हमास के बजाय नागरिकों के खिलाफ है। अब तक लोगों पर गिराए गए बमों की संख्या गाजा से फिलिस्तीनियों को मिटा देने की उसकी मंशा का सबूत है। ये सभी हमले हमास को हराने के नाम पर हैं और वास्तव में इजरायल के कब्जे के खिलाफ किसी भी तरह के प्रतिरोध को दूर करने के लिए हैं। यह लोगों की परवाह किए बिना ज़मीन ज़ब्त करने की इज़रायल की नीति की निरंतरता है।

इस प्रकार, यह इज़राइल को केवल यहूदियों का राज्य बनाने का एक और प्रयास है। यह युद्ध और कुछ नहीं, बल्कि दशकों से फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायलियों द्वारा अपनाई गई उसी नीति की निरंतरता है। नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के ख़िलाफ़ अपराध है, फिर भी यह इज़रायल के कार्यों का मुख्य हिस्सा रहा है। वास्तव में, 1948 में पहली नकबा (आपदा) के दौरान, हजारों फिलिस्तीनी मारे गए, अनगिनत गांव जला दिए गए, और महिलाओं के साथ बलात्कार और अत्याचार किया गया। जीवित बचे लोग अपने साथ वो डरावनी कहानियाँ लेकर आए जो उन्हें इज़रायली उग्रवादियों के हाथों झेलनी पड़ी। उन्हें अन्य फ़िलिस्तीनियों के बीच इज़राइल के आदेशों की अवहेलना करने से डर पैदा करने के उद्देश्य से बख्शा गया था।

एक बड़ी फिलिस्तीनी आबादी को निष्कासित कर दिया गया और वे पड़ोसी देशों में शरणार्थियों के रूप में रह रहे हैं। गाजा के लोग शरणार्थियों का मिश्रण हैं, जो फिलिस्तीन के अन्य हिस्सों से भाग गए, जो सशस्त्र यहूदी समूह के हमले से बच गए और जो वंचित परिस्थितियों में रह रहे हैं पिछले 56 वर्षों से मूल निवासियों के साथ। गाजा के निवासी 1967 से खुली जेल में रह रहे हैं, भले ही इज़राइल ने 2007 में गाजा पट्टी से हटने का दावा किया है। वास्तव में, पूरे गाजा को इजरायली कब्जे वाली सेनाओं ने जमीन, हवा और समुद्र से घेर लिया है। आज का दिन। अपने इरादों के बारे में कोई संदेह नहीं करते हुए, इज़राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री, इटमार बेन ग्विर ने कहा- गाजा में प्रवेश करने के लिए केवल वायु सेना से सैकड़ों टन विस्फोटक की आवश्यकता है, मानवीय सहायता का एक औंस नहीं। रॉकेट गाजा शहर में अल-अहली अस्पताल पर हमले में सैकड़ों फिलिस्तीनियों की मौत इसका उदाहरण है। इज़राइल स्पष्ट रूप से उन निवासियों के बीच डर पैदा करके गाजा को खाली करने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है जो पहले से ही अपनी बुद्धि के अंत में हैं; भोजन, पानी, बिजली और चिकित्सा सहायता से वंचित उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, वे बस अपरिहार्य की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस प्रकार, हम वास्तविक समय में एक नरसंहार को देख रहे हैं। यह नीति विफल हो जाएगी और यह न तो इज़राइल को सुरक्षित बनाएगी और न ही क्षेत्र में शांति लाएगी बल्कि फिलिस्तीनियों को बिना किसी गलती के भारी कीमत चुकानी होगी।

इस नरसंहार में सबसे ज्यादा संख्या महिलाओं और बच्चों की मौत हुई है। हर जगह बिखरे हुए शवों को देखने के लिए आपको समाचार देखने और टेलीविजन पर नजरें गड़ाने की जरूरत नहीं है। अस्पताल, कॉलेज, स्कूल, बाजार, काफिले, कुछ भी गिराए जा रहे बमों से सुरक्षित नहीं है, वास्तव में, यह देखना दिन के समान स्पष्ट है कि उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। नवीनतम हथियारों का फ़िलिस्तीनियों पर उपयोग और परीक्षण किया जा रहा है और बिक्री के लिए तैयार होंगे; फ़िलिस्तीनियों का नरसंहार गुणवत्ता का प्रमाण होगा और इज़राइल के हथियार उद्योग को मदद करेगा।

जैसा कि गुरु नानक जी ने एक बार कहा था, किसी भी धर्म से होने से पहले हम सभी इंसान हैं, आपको इस नरसंहार की निंदा करने और इसे समाप्त करने का आह्वान करने के लिए मुस्लिम होने की आवश्यकता नहीं है। आइए हम इतने साहसी और मानवीय बनें कि इस नरसंहार और मानवाधिकारों को कुचलने की निंदा करें। हालांकि अमेरिका ने अब गाजा के लोगों के प्रति कुछ संवेदनशीलता दिखाई है और अन्य आवश्यक आपूर्ति के साथ-साथ चिकित्सा सहायता देने के लिए इज़राइल और मिस्र के साथ एक समझौता किया है, लेकिन अब तक बहुत देर हो चुकी है।

फिर भी, अमेरिका ने सही काम किया है और दुनिया को उसका अनुसरण करना चाहिए। विश्व समुदाय को आगे आना चाहिए और एक स्वर में इजराइल की निंदा करनी चाहिए अन्यथा हम मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध देख रहे होंगे।

आप की बात

पाकिस्तान की राजनीति

पाकिस्तान की राजनीति क्या एक और करवट लेने जा रही है? 2018 से कानूनी एवं सेना के दबाव के कारण स्वयं निर्वासन में रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री एवं मुस्लिम लीग नवाज़ के आजीवन अध्यक्ष नवाज़ शरीफ कैसे और किस हैसियत से पाकिस्तान वापस आ रहे हैं? क्या उनके खिलाफ पनामा पेपर लीक मामले में भ्रष्टाचार के पुष्ट मामलों में सुनाई सजा को माफ़ कर दिया गया है? क्या पाकिस्तानी सेना इमरान खान की काट के तौर पर उनकी घर वापसी करा रही है? लगता है कि तहरीके इन्साफ पार्टी को परास्त करने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। इसलिए सेना जैसे इमरान को सत्ता में लेकर आयी थी वैसे ही नवाज़ शरीफ की वापसी चाहती है। नवाज़ की बेटी मरियम नवाज़ पहले सेना की जमकर आलोचना किया करती थीं, पर इन दिनों वे इमरान खान और देश की आर्थिक बदहाली पर अपना विरोध प्रकट करती नज़र आ रही हैं। शायद अब नवाज़ शरीफ अपने बूते चुनाव जीत नहीं सकते, इसलिए सेना मतदान में हस्तक्षेप कर उन्हें जितवाने का प्लान तैयार कर चुकी होगी। लेकिन अगर यह प्लान सफल भी हो जाए तो क्या पाकिस्तान की आर्थिक परेशानियां जल्दी दूर हो जायेंगी? इस सवाल का जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

विपक्ष में टकराव

इंडिया गठबंधन सभी विपक्षी दलों ने मिलकर बना तो लिया है। मगर सभी दलों की महत्वाकांक्षाएं आपस में टकराएगी यह तो पहले से ही है तय है और विधानसभा चुनाव में उभरकर इसकी झलक भी सामने आने लगी है। मध्य प्रदेश में तो कांग्रेसी नेता व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पत्रकारों से बातचीत में कह दिया है कि छोड़ो-अखिलेश वखिलेश को। इस पर अखिलेश यादव ने भी कठोर टिप्पणी की है कि वे लोकसभा चुनाव में यूपी में भी ऐसा ही रंग दिखाएंगे। क्योंकि विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन में सहमति नहीं बनी है इसलिए हर प्रदेश में यह आपस में चुनाव लड़ेंगे। इस प्रकार के आगाज से ही विपक्षी एकता का दावा करने वाले इंडिया गठबंधन के अंजाम का पता लगाया जा सकता है। यदि इंडिया गठबंधन विधानसभा चुनावों में एकजुटता बनाने का प्रयास करता तो इसका अच्छा संकेत जाता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब आशंका है कि परस्पर टकराव में सपा के साथ ही आप, टीएमसी, माकपा, आदि भी एक दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार खड़े कर सकते हैं। विपक्ष में इस टकराव से स्वाभाविक रूप से भाजपा प्रसन्न है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

सांसदों पर सवाल

संसद में रिश्वत लेकर सवाल पूछने पर खड़े हो रहे सवाल का निराकरण दिल्ली हाई कोर्ट को करना है। इस प्रकरण में व्यापारी हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और वकील शंकर नारायणन व जय अनंत पात्र हैं। हीरानंदानी समूह और अडाणी समूह दोनों व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी है। ऐसे में संसद में अडाणी पर सवाल पूछने पर हीरानंदानी समूह से रिश्वत लेने का आरोप महुआ मांझी पर लगा है। इस प्रकरण को कथित रूप से कुत्ता चोरी तथा वकील द्वारा अदालत के बाहर समझौते के प्रयासों ने और नाटकीय बना दिया है। मजेदार है कि पहले से ही अनेक नेताओं पर तरह-तरह के आरोपों का सामना कर रही टीएमसी ने इस प्रकरण से अपना पल्ला झाड़ लिया है। कहा जाता है कि ममता बनर्जी के इशारे पर महुआ मोइत्रा को व्यक्तिगत रूप से मामले से निपटने को कहा गया है। लेकिन यह प्रकरण एक बार फिर सांसदों की निष्ठा व पैसे लेकर सवाल पूछने की प्रवृत्ति पर सवाल खड़े करता है। ऐसे में दोनों सदनों के जिम्मेदार लोगों को संसद व सांसदों का सम्मान बचाने व बनाए रखने के प्रयास करने चाहिए।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

जाति गणना

जाति गणना की लहर बिहार से शुरू हुई थी और अब आंध्र प्रदेश तक पहुंच गई है। राज्य सरकार ने 15 नवंबर से जाति गणना कराने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत आने वाले 143 समुदायों की संख्यात्मक ताकत उजागर करना है। इससे पहले वाईएस जगनमोहन रेड्डी सरकार ने एक प्रस्ताव पारित कर देशव्यापी जाति जनगणना की मांग की थी और इसे केंद्र को भेज दिया था। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के इस प्रयास को 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पवन कल्याण की जन सेना और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के गठबंधन के बाद बदलते जाति मैट्रिक्स को संबोधित करने के तरीके के रूप में भी देखा जा रहा है। जनगणना प्रक्रिया गोलमेज बैठकों के साथ शुरू होगी जिसमें विजयवाड़ा, तिरुपति, राजमुंदरी, विशाखापत्तनम और कुरनूल में सभी जाति समूहों के प्रतिनिधि शामिल होंगे ताकि वे अपने सुझाव या आपत्तियां साझा कर सकें। आंध्र प्रदेश सरकार के इस कदम के बाद देखना होगा कि भाजपा जाति गणना के इस प्रकरण में क्या दृष्टिकोण अपनाती है।

-मोहम्मद तौकीर, पश्चिमी चंपारण

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

यूपी में नौकरी की कोई कमी नहीं: मुख्यमंत्री

● नियुक्ति पत्र व स्वरोजगार के लिए ऋण वितरित किया सीएम ने

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार हर हाथ को कामए हर हाथ को रोजगार के उद्घोष को साकार कर रही है। उत्तर प्रदेश में नौकरी व रोजगार की कोई कमी नहीं है। युवा अपनी अभिरुचि के अनुसार क्षेत्र का चयन कर खुद को प्रशिक्षण से जोड़ कर तैयार करें, उनके रोजगार व नौकरी की गारंटी सरकार लेगी। सीएम योगी रविवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि परिसर में आयोजित वृहद रोजगार मेला एवं सेवायोजित प्रशिक्षणार्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण तथा स्वरोजगार के लिए 500 करोड़ रुपये के ऋण वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, श्रम एवं सेवायोजन विभाग एवं राजकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जब हर हाथ को कामए हर खेत को पानी का नारा दिया था तब लोग इसे पूरा हो पाना असंभव मानते थे। परए 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने इसे लगातार हकीकत में बदल दिया है। डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव हर हाथ को काम उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के लिए जनधन खाते खुलवाकर, डीबीटी से धनराशि अंतरित कर, डिजिटल इंडिया से गांवों को जो ?कर हर व्यक्ति को सक्षम बनाया है। मेक इन इंडियाए स्टार्टअप इंडियाए स्टैंडअप इंडियाए मुद्रा योजनाएं विश्वकर्मा योजनाओं के जरिये देश में युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार की ढेर सारी संभावनाओं को आगे बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि वृहद रोजगार मेले में आए जिन युवाओं को किसी कारणवश रोजगार नहीं मिल पाएगाए उन्हें पीएम-सीएम इंटर्नशिप योजना से जोड़ा जाएगा। इन युवाओं को इंडस्ट्री में ट्रेनिंग देने के साथ मानदेय भी दिया जाएगा। मानदेय का आधा हिस्सा सरकार और आधा हिस्सा संबंधित इंडस्ट्री देगी। इंडस्ट्री में ट्रेनिंग के बाद ऐसे युवाओं को रोजगार मिलेगा और उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ समाज व देश को मिलेगा। उन्होंने रोजगार मेले में नियुक्ति पाने वालों को बधाई दी और अचयनितों का हौसला ब?ते हुए कहा कि वे निराश न हों। परिश्रम का जज्बा रखते हुए क्षेत्र चुनकर ट्रेनिंग लें। आश्वस्त रहेंए सरकार नौकरी की कमी नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी, महानवमी व विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए मां भगवती व प्रभु श्रीराम से सबकी मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना की।

सीएम योगी ने स्टालों का अवलोकन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल के पास लगे वित्तीय जागरूकता, वित्तीय समावेशन, महिला स्वयंसेवी समूह, बैंकर्स, एनएसडीसी, श्रम एवं सेवायोजन आदि के स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्टालों पर मौजूद लोगों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। वृहद रोजगार मेले में सीएम योगी ने विभिन्न बड़ी कंपनियों में अलग.अलग पदों पर लाखों रुपये के सालाना पैकेज पर नियुक्त हुए 20 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न योजनाओं से स्वरोजगार के लिए बड़ौदा यूपी बैंक की तरफ से छह लाभार्थियों को ऋण भी वितरित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र पाने वालों तथा स्वरोजगार के लिए ऋण प्राप्त करने वालों की जमकर हौसला अफ्जाई भी की। इस अवसर कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, गोरखपुर के महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, डॉ विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो जेपी सैनी समेत बड़ी संख्या में अधिकारी, युवा व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

38 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव से 1.10 करोड़ को रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में निवेश नहीं आता था। आज 38 लाख करो ? रुपये के निवेश प्राप्त हुए हैं। जब ये निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे तो 1.10 करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। अगर उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षण प्राप्त हो जाए तो यूपी के युवाओं को अपने राज्य व जनपद में ही रोजगार मिल जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में जब पारंपरिक शिल्प व उद्योगों को ऊंचाई देने के लिए ओडीओपी योजना शुरू की गई तो लोग ऐसे शिल्प उद्योगों को मरा हुआ कहते थे। वास्तव में ऐसा समझने वालों की सोच मरी हुई है। सरकार ने जब पूर्वजों की जीवंत धरोहर इन उद्योगों को टेक्नोलॉजी, ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जोड़ा तो लॉकडाउन में इस सेक्टर में 40 लाख लोगों को रोजगार दिया गया। लॉकडाउन में सरकार ने लोगों को दूसरे राज्यों से सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाया और रोजगार भी दिया। घर लौटा यूपी का आदमी यहीं काम कर यूपी की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने प्रतिशत लोग दूसरे राज्यों से लौटेए उतने ही प्रतिशत अर्थव्यवस्था ब ?ी है जबकि जिन राज्यों से वे आएए वहां अर्थव्यवस्था पर उतने ही प्रतिशत नकारात्मक असर पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा पहले यूपी में प्रतिवर्ष सिर्फ 3 करोड़ पर्यटक आते थे। आज यह संख्या 32 करोड़ हो चुकी है। इस ताकत को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यटन का क्षेत्र भी रोजगार का बढ़ा आधार है। इससे टैक्सी, रेस्टोरेंट, होटल, प्रसाद व फूलमाला बिक्री से जुड़े लोगों को रोजगार मिलता है। उन्होंने बताया कि उनकी मौजूदगी में अयोध्या में 450 होम स्टे का पंजीकरण हुआ है। इसकी संख्या 1500 से अधिक होने जा रही है। होम स्टे भी रोजगार का साधन बनेंगे। पर्यटन स्थलों पर युवा गाइड के रूप में भी रोजगार पाएंगे। यही नहीं धार्मिक पर्यटन स्थलों पर इस्तेमाल की गई फूल पत्तियों को एकत्र कर धूपबत्तीए इत्र बनाकर नए रोजगार की शुरुआत की जा सकती है। यह वेस्ट को वेल्थ में बदलने की कला भी होगी।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी मान्यता रही है कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है। यदि कहीं कोई अयोग्य दिख रहा है तो इसका अर्थ यह है कि वहां मार्गदर्शक की कमी है। 125 कंपनियों की भागीदारी और करीब 34 हजार रिक्तियों वाला यह वृहद रोजगार मेला एक योग्य योजक की भूमिका में है। उन्होंने कहा कि युवा निरंतर प्रयास करते रहें, सरकार उनके लिए अनेक कार्यक्रमों को लेकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने को तैयार है। युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए सरकार 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन उपलब्ध कराने में जुटी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांव स्तर तक मिशन रोजगार के प्रवाह का उल्लेख करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 1.08 लाख प्लम्बर तथा पीएनजी पाइप लाइन के लिए प्लम्बर की जरूरत को देखते हुए अभी से प्रशिक्षण देकर रोजगार देने की व्यवस्था की जा रही है। सीएम योगी ने महिलाओं के स्वावलंबन पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी हो रही हैं। अयोध्या में उन्होंने 51 बसों को हरी झंडी दिखाईए हर बस में चालक.परिचालक महिलाएं ही हैं। बेटियां फाइटर पायलट बन रही हैं। बीसी सखी बनकर, रेडीमेड गारमेंट्स, कालीन उद्योग सेक्टर से जुड़कर घर संभालते हुए आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 56000 गांवों में महिलाएं बीसी सखी के रूप में 15 से 25 हजार रुपये मासिक कमा रही हैं। स्वरोजगार के लिए 500 करोड़ रुपये के ऋण वितरण के लिए मुख्यमंत्री ने बड़ौदा यूपी बैंक की तारीफकी। साथ ही आह्वान किया कि बैंक जमा के अनुपात में लोन यानी सीडी रेशियो को ब ?ाएं योजनाओं को प्रशिक्षण से जो ?कर ऋण उपलब्ध कराएं ताकि रोजगार और स्वरोजगार को और बढ़ावा मिले। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इस रोजगार मेले के जरिये योगी सरकार ने जॉब सीकर व जॉब प्रोवाइडर को एकसाथ मंच दिया है। विगत 6 सालों में यूपी सरकार ने 5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं। योगी जी ने योग्यता को ही चयन का पैमाना बनाया है। इसमें किसी तरह के भ्रष्टाचार या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं है। श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की पहचान बदलने का काम किया है।

नैमिषारण्य की 84 कोसी परिक्रमा मार्ग होगा चौड़ा

● लोक निर्माण मंत्री ने 1828.23 लाख रुपये एवं 1821.29 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की

लखनऊ। मिश्रिख नैमिषारण्य के प्रसिद्ध 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर परिक्रमा करने वाले साधु.संतों एवं श्रद्धालुओं की राह और आसान होने वाली है। उप्र के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने 84 कोषी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु अलग-अलग सड़कों के लिए क्रमश: 1828.23 लाख रुपये एवं 1821.29 लाख रुपये के कार्यो पर स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके अलावा सीतापुर में छोटी मिश्रिख (पंच कोसीय) परिक्रमा मार्ग के चौ ?ीकरण एवं सुदृ ?ीकरण हेतु 1379.94 लाख रुपये के कार्यों पर अनुमति प्रदान की गई है।

लोक निर्माण मंत्री कहा कि उत्तर प्रदेश में धमार्थ मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं विकास हेतु एक मुश्त व्यवस्था योजना के अंतर्गत स ?क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके तहत 84 कोषीय मार्ग नीमसार से अरबगंज वाया भैरमपुर सम्पर्क का 5.4 किलोमीटर लम्बाई में 1828.11 लाख रुपये की लागत से के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जायेगा। इसी प्रकार दधनाऊ मार्ग से तेजीपुरवा मार्ग का 6.9 किलोमीटर लम्बाई में 1821.29 लाख रुपये की राशि से चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य होगा।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि सीतापुर में छोटी मिश्रिख (पंच कोसीय) परिक्रमा मार्ग का 4.9 किलोमीटर लम्बाई में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु 1379.94 लाख रुपये के कार्यों पर अनुमति प्रदान की गई है। साथ ही अधिकारियों को तय समय में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य हेतु सख्य निर्देश भी दिये गये हैं। उन्होंने कहा 84 एवं पंच कोसी परिक्रमा मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से श्रद्धालुओं को परिक्रमा करने में आसानी होगी, वहीं स्थानीय नागरिकों को भी आवागमन के लिए चौड़ी और अच्छी सड़क मिलेगी।

प्रसाद ने कहा कि सीतापुर के नैमिषारण्य मिश्रिख तीर्थ की 84 कोसीय परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का निर्माण किया जाना जनउपयोगी है। उन्होंने कहा कि सीतापुर में प्रतिवर्ष होली के पावन पर्व से पूर्व नैमिषारण्य क्षेत्र में 84 कोसीय परिक्रमा का आयाजेन होता हैए जिसमें कुल 11 पड़ाव हैं। जिसमें से सीतापुर में 07 एवं हरदोई में 04 पड़ाव स्थित हैं। इस परिक्रमा में सम्मिलित होने के लिए लाखों श्रद्धालू देश विदेश से आते हैं एवं परिक्रमा के अन्तर्गत प ?ने वाले विभिन्न पडावों पर रात्रि विश्राम करके परिक्रमा पूरी करते हैं। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि नैमिषारण्य अति प्राचीन तीर्थ स्थल है एवं यह मान्यता है कि भगवान विष्णु का चक्र यहां स्थित चक्रतीर्थ में गिरा था तथा यहां शक्ति पीठ ललिता देवी मन्दिर स्थित है। यह पौराणिक मान्यता है कि नैमिषारण्य में स्थित व्यास गद्दी पर ही श्री वेद व्यास जी द्वारा पुराणों एवं वेदों की रचना की गयी थी।

प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त, अपराध चरम पर: अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कानून व्यवस्था और अपराध को लेकर मुख्यमंत्री के दावे हवा हवाई है। प्रदेश में अपराध चरम पर है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा सरकार में दबंगों और अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है। वह जब चाहे तब हत्या, लूट, अपहरण, दुष्कर्म आदि घटनाओं को अंजाम दे रहे है। भाजपा नेता और उनके गुर्गे, सगे सम्बंधियों की अराजकता जारी है। मुख्यमंत्री बताएं कि प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार जैसे जघन्य अपराध हो रहे है वे संगठित है या असंगठित हैघ् अपराधी बेखौफहैं और प्रशासनतंत्र उनके आगे नतमस्तक है। निर्दोष मारे जा रहे हैं। फर्जी मुकदमें लगाकर विपक्षियों को जेल भेजा रहा है। आम जनता पर अन्याय, अत्याचार की पराकाष्ठा है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में अपराधों की बाढ़ है। भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस झूठा है। लखनऊ जनपद के मोहनलालगंज क्षेत्र में एक महिला के साथ धमकी देकर दुष्कर्म किया गया। खुद भाजपा मंडल अध्यक्ष के घर में चोरो ने लाखों का माल चोरी कर ले गए। ऑटो पर बैठी महिला ने दरोगा की चेन उड़ा दी। अखिलेश यादव ने कहा कि कानपुर में भाजपा नेताओं की मार से दवा व्यवसायी भाटिया की आंख को भी नुकसान पहुंचा। पुलिस देखती रही। भाजपाई दबंगों को रोकने की हिम्मत नहीं हुई। कहीं भाजपाई किसानों की जमीनें धोखे से छीन रहे हैं और कहीं व्यापारियों से रंगदारी वसूल रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा दिखावे के लिए 'बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओं' अभियान चलाती है जबकि भाजपा राज में महिलाओं, बच्चियों के साथ सर्वाधिक अपराध की घटनाएं हुई है। सश्रा के अहंकार में भाजपाई दबंगई कर रहे हैं। सीतापुर में भाजपा सरकार के मंत्री के गुंडे बेटो ने 2 बहनों की सरेआम पिटाई की है जिसके दृश्य सामने आए हैं। इन्हीं विधायक के कर्मचारी ने एक गरीब चाटवाले पर मोटरसाइकिल चढ़ा दी थी। जालौन के माधौग ? कोतवाली क्षेत्र में खेत पर चारा लेने गई बालिका के साथ प्रधान के भतीजे ने दुष्कर्म किया तो पुलिस मामला दर्ज करने में टाल मटोल कर रही है। उरई में अकेली महिला के साथ दुष्कर्म हुआ। मुख्यमंत्री का बुल्डोजर गरीब के घर जाता हैए दबंगों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर क्यों नहीं पहुंच पाता हैघ् अपने पार्टी के उदंड लोगों पर कार्रवाई करने में भाजपा सरकार की सांस फूलने लगती है। यह सरकार अपराधियों, माफ्याओं की संरक्षक बन गयी है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की सरकार से सभी परेशान है। महिलाएं, बेटियां सुरक्षित नहीं है। जनता यह सब देखकर चुपचाप नहीं रहेगी।

अवधी भाषा कभी राज्याश्रय में नही रही: प्रो. दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान सूरत, गुजरात तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को भाखा महोत्सव 2023 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई शिक्षाविदों, अवधी साहित्य साधकों एवं लोक कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल तथा अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर सूर्य प्रसाद दीक्षित ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो दीक्षित ने कहा की अवधी भाषा कभी राज्याश्रय में नहीं रही। लोक से जुड़े होने के कारण वे जनमानस में व्याप्त रही है। आज अवधी में कविता के अतिरिक्त निबंध, कहानी,उपन्यास लिखे जा रहे हैं। जिसमें परमरा के साथ आधुनिक संदर्भों के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद ब्रजलाल की कई पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान उन्होंने अवधी अकादमी की स्थापना पर बाल दिया। विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह तथा प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में डाक्टर भास्कर शर्मा को सूर्यप्रसाद दीक्षित अलंकरणश्री, फारूक सरल को रमई काका सम्मान दिया गया। इसके साथ ही राजेंद्र कुमार, रमेश दुबे तथा संदीप मिश्र सरस, रमेश बाजपेई, आकाँक्षा दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, ममता सक्सेना, ममता सिंह, शताक्षी एवं निधि दुबे को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अवधी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने समसामयिक संदर्भों से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भाषा संस्थान की पत्रिका के साथ, देवेंद्र कश्यप निडर की पुस्तक श्रमवीर, धनसिंह मेहता की पुस्तक कोई माने या न माने, डाक्टर आकाँक्षा दीक्षित की कृति प्रेम दूत, डाक्टर गंगा प्रसाद शर्मा द्वारा अनुदित जी आसा से निकासा उमाशंकर शुक्ला रचित लोक नायक गुरुनानक देव तथा गौतमबुद्ध चरित्र का लोकार्पण किया गया।

विधि विधान से महानिशा पूजन कर सीएम योगी ने किया हवन

● मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने जगतजननी से की लोकमंगल की प्रार्थना

● आज कन्या पूजन व मंगलवार को विजय शोभायात्रा तक गोरक्षभूमि पर शक्ति की उपासना करेंगे मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार रात शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार विधि विधान से महानिशा पूजन व हवन किया। महानिशा पूजन अनुष्ठान से पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रों के बीच मां महागौरी की पूजा अर्चना की। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने अष्टमी तिथि के मान में रविवार रात गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में विशिष्ट महानिशा पूजा का अनुष्ठान पूर्ण कर लोक कल्याण की मंगलकामना की। रविवार पूर्वाह्न अयोध्याधाम से गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री सोमवार सुबह नवमी तिथि के मान में कन्या पूजन तथा मंगलवार को दशमी तिथि पर गोरक्षपीठ से निकलने वाले परंपरागत विजयदशमी शोभायात्रा तक गोरक्षभूमि पर शक्ति की भक्ति में रत रहेंगे।

गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का अनुष्ठान रविवार रात गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ। दो घंटे से अधिक चले अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने गौरी गणेश पूजन, वरुण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, मां दुर्गा का विधिवत् पूजन, भगवान राम.लक्ष्मण.सीता का षोडशोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व अधिष्ठात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादश ज्योर्तिलिंग अर्धनारीश्वर एवं शिव.शक्ति पूजन, वटुक भैरव, काल भैरव, त्रिशूल पर्वत पूजन किया। साथ ही हवन की वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर पूजन किया। तदुपरांत लोक मंगल की कामना के साथ हवन किया। समस्त अनुष्ठान दुर्गा सप्तसती के पाठ एवं वैदिक मंत्रों के साथ सम्पन्न हुआ। अंत में आरती एवं क्षमा याचना के बाद प्रसाद वितरित हुआ। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, विधायक विपिन सिंह, एमएलसी डॉ धर्मेन्द्र सिंह, एडीजी अखिल कुमार, कामेश्वर सिंह, जनार्दन तिवारी, पहलवान दिनेश सिंह, पुरोहित रामानुज त्रिपाठी वैदिक, कालीबाड़ी के महंत रविन्द्रदास, अभय सिंह, अनन्य प्रताप शाही समेत बड़ी संख्या में गोरखनाथ मंदिर के भक्त उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर स्थित अपने आवास के शक्तिपीठ में सोमवार सुबह शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि को देवी दुर्गा के नौवें रूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना करेंगे। उसके बाद कन्या पूजन का अनुष्ठान होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर कुंवारी कन्याओं के पांव पखारकर श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना करेंगे। उन्हें भोजन कराएंगे और दक्षिणाए उपहार देंगे। इस दौरान परंपरा के अनुसार बटुक पूजन भी किया जाएगा।

सभाजीत सिंह पुन: बने आप के प्रदेश अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी ने अपने संघर्षशील व तेज तर्रार नेता सभाजीत सिंह को पुन: प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए सभाजीत सिंह के नेतृत्व में ही पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए उप्र की रणनीति थमाने की जिम्मेदारी सौंपी है। सभाजीत सिंह पहले भी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। जबकि दिनेश पटेल को पार्टी ने महासचिव जैसे अहम पद की कमान सौंपी गई है। आप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने इस आशय के आदेश आज जारी कर दिए।

गौरतलब है कि अयोध्या निवासी सभाजीत सिंह छात्र राजनीति के समय से आंदोलनों में सक्रिय रहे हैं और अन्ना हजारे आंदोलन में अहम भूमिका निभायी। पेशे से अधिवक्ता सभाजीत सिंह की अगुवाई में पार्टी ने पहले भी उप्र की संघर्षगाथा लिखी है। मोदी सरकार द्वारा यूपी प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद कार्यकर्ताओं में जोश भरने व जमीन पर संघर्ष करके पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं एकजुट बनाए रखने के लिए सभाजीत सिंह को पुनरू प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।

उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में जहां जोश है, वहीं पदाधिकारियों ने इसका खुले मन से स्वागत किया है। प्रादेशिक वरिष्ठ नेता प्रिंस सोनी, आशुतोष सेंगर, महेंद्र सिंह, शेखर दीक्षित, सोमेन्द्र ढाका, राजेश यादव, मीनाक्षी श्रीवास्तव, विनय पटेल, अंकित परिहार सहित तमाम पदाधिकारियों ने सिंह की नियुक्ति पर बधाई दी है।

50 रोडवेज बसों को पैनिक बटन से किया गया लैस

● महिला सुरक्षा को लेकर योगी सरकार ने रोडवेज बसों में सुविधाएं बढ़ाई ●सभी महानगरीय बसों में लगाए गए पैनिक बटन और कैमरे

लखनऊ/प्रयागराज। प्रदेश में महिला सुरक्षा योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिशन शक्ति के जरिए सरकार मातृ शक्ति को सुरक्षाए सम्मान और स्वावलंबन दिला रही है। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रोडवेज बसों में सफर करने वाली महिलाओ की सुरक्षा को लेकर पहल की है। यूपी रोडवेज बसों में पैनिक बटन लगाया जा रहा है। चलती बस में अगर कोई महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है तो पैनिक बटन दबाते ही तत्काल मदद के लिए पुलिस पहुंचेगी। इससे महिला यात्री बसों में सफर के दौरान खुद को पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस करेगी।

रोडवेज बसों में पैनिक बटन लगाने की शुरुआत प्रयागराज में नगरीय क्षेत्र की बसों से हो गई है। यूपी रोडवेज के प्रयागराज परिक्षेत्र के प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया है कि सरकार के निर्देश पर रोडवेज बसों में महिला सुरक्षा को देखते हुए पैनिक बटन लगाने की शुरुआत महा नगरीय बस सेवा से हो गई है। प्रयागराज महानगर की सभी 50 बसों को पैनिक बटन से लैस कर दिया गया है। इसे मास्टर कंट्रोल सिस्टम से जोड़ने की कवायद चल रही है। महानगरीय सेवा के दूसरे चरण में 100 महा नगरीय बसों का एक और बेड़ा यहां आएगा जिसमे सभी बसों पर पैनिक बटन लगाए जाएंगे। सरकार की मंशा महिलाओं को अधिक से अधिक सुरक्षित सफर की सुविधा देने की है। इसी के अंतर्गत रोडवेज बसों में पैनिक बटन लगाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बसों की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग के लिए व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है। प्रयागराज परिक्षेत्र के प्रबंधक एमके त्रिवेदी बताते हैं कि सभी महानगरीय बसों में ट्रैकिंग डिवाइस भी लगा दी गई हैं। इन्हें मास्टर कंट्रोल रूम से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। इससे न सिर्फ महिलाओं की ही सुरक्षा हो सकेगी, बल्कि बस की लाइव लोकेशन, बस का रूट, बस में खाली सीटों की संख्या, बस की टाइमिंग, किराया आदि की जानकारी यात्रियों को आसानी से मिल सकेगी।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 27 से

● अभियान के दौरान नये मतदाता बनाने के साथ ही मतदाता सूची को अपडेट किया जायेगा

●सभी जिला निर्वाचन अधिकारी मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ समय से पूरी करे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत निर्वाचन आयोग के घोषित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 27 अक्टूबर से शुरू किया जा रहा है। 09 दिसम्बर, 2023 तक चलने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान मतदाता सूची में पात्र एवं छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ा जायेगा, इसके अलावा

मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने उत्तर प्रदेश के सभी नागरिकों से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जिनका वोटर कार्ड नही बना है वो भी अपना वोटर कार्ड बनवा सकते हैं। इसके साथ जिन मतदाताओं को अपने नाम, पता या अन्य संशोधन करवाना है वो भी इस अभियान के तहत करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनो प्रकार से मतदाता बनने या संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन ऐप या वेबसाइट के माध्यम से मतदाता अपना विवरण मतदाता सूची में देख सकता हैए और कोई संशोधन हो तो उसके लिए आवेदन भी कर सकता है। इसके अलावा नये मतदाता बनने के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

श्री रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए सभी तैयारियॉ कर ली जाए, जिसमें किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाये। मतदाता सूची को त्रुटि रहित एवं विवाद रहित बनाने के लिए अभी से ही पूरी सतर्कता से कार्य करें। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपदों में व्यापक स्तर पर इसका प्रचार प्रसार किया जायए जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जु? सकें। उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण की गहन समीक्षा हेतु रोल आब्जर्वर के रूप में 18 मण्डलायुक्तों को आयोग द्वारा नामित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 27 अक्टूबर से प्रारम्भ होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की अवधि में 04, 05, 25, 26 नवम्बर 2023 तथा 02 एवं 03 दिसम्बर 2023 छह विशेष तिथियां निर्धारित की गई हैं। फार्म.6 के द्वारा अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। निर्वाचक नामावली में शामिल किसी मतदाता के नाम पर आपत्ति एवं अपमार्जित करने हेतु फार्म.7 तथा निवास परिवर्तन/मतदाता सूची में संशोधन मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन, दिव्यांग मतदाताओं के चिह्नांकन हेतु फार्म.8 निर्धारित है।

राम वनवास की लीला ने कर दिया भाव विभोर

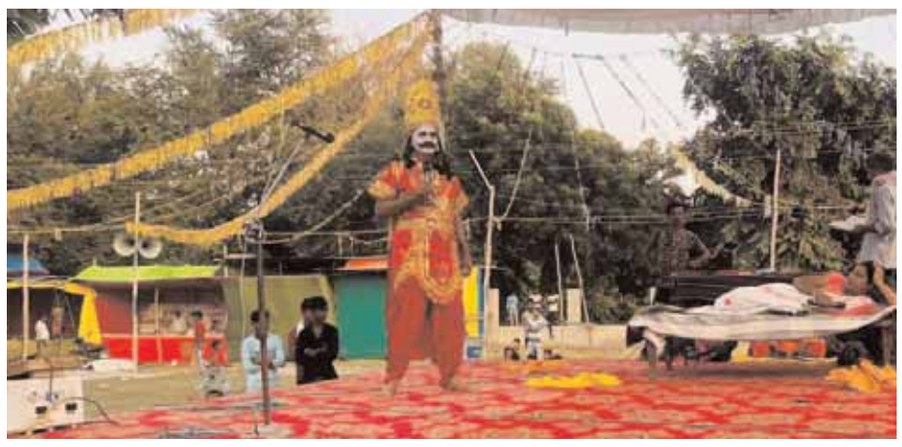

नगर में निकली श्री रामचंद्र की बारात, जगह-जगह हुआ स्वागत

औरंगाबाद ;लखीमपुर। औरंगाबाद के ऐतिहासिक रामलीला मेला में आठवें दिन राम बनवास की लीला का मंचन किया गया जिसमें गुरु वशिष्ट ने राजा दशरथ से राम को राजा बनाने की बात कही लेकिन मंथरा के कहने पर रानी कैकेयी कोप भवन में जाकर लेट गई एजब राजा दशरथ उनको मनाने पहुंचे तो उन्होंने कहा हम कौन हैं तुम्हारे जो हमें मनाने आए हो और राजा दशरथ को अपने पुराने दो वरदान देने की बात कही जिस पर राजा दशरथ ने करुण स्वर में हामी भर ली रानी कैकेयी ने प्रथम वरदान में भारत को राजतिलक और दूसरे वचन में राम को 14 वर्षों के लिए वनवास मांगा ए यह सुनकर राजा दशरथ मूर्छित होकर गिर पड़े लेकिन उन्होंने कहा हमने कह दिया है हमारे कुंल को परम्परा हैएकि रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाए पर वचन न जाई राजा दशरथ ने कहा रघुवंशी कभी पीछे नहीं हटते इस तरह से राम बनवास की खबर सुनकर पूरे महलों में शोक छा गया तब तक भगवान राम आ गए और दशरथ ने उनसे कहा कि अब आपको वन जाना है तो राम ने सहर्ष स्वीकार किया और कहा एक पुत्र के लिए पिता का आदेश ही सर्वोपरि होता हैए और मेरे लिए यह राज महल के राज तिलक से कम नहीं है जब यह बात छोटे भाई लक्ष्मण को पता चलती है तो वह भी राम से कहते हैं कि है तो आप क्यों हमारे साथ चलेंगे। इसी लीला का मंचन किया गया।

मोहम्मदी खीरी। कल रात रामलीला मैदान से श्री रामचन्द्र जी की बारात बडे खूबसूरत अंदाज में रामलीला मैदान से निकाली गई एजिसमें हाथी एऊटएघोडे अनेको प्रकार के बैंड बाजे एअधौडी डासएखूबसूरत झांकियां एआकर्षण का केंद्र बनी एबड़ी संख्या में लोगों ने बारात में शामिल होकर अपनी श्रद्धा का इजहार किया एसभी ने बारात का स्वागत किया गया ए डीजे के साथ.साथ बारात में लोगों ने धार्मिक गानों पर खूब डांस कियाए बारात देर रात नगर के मोहल्ला बाजार गजएशुकलापुरए बाजार खुर्द का भ्रमण करते हुए रामलीला मैदान में समाप्त हुई एबारात में चैयरमैन सदीप महरोत्राए पूर्व चैयरमैन दुर्गा महरोत्राए अधिशासी अधिकारी गुजन गुप्ताए शिवम राठौरए सभासद सहित नगर के युवक शामिल हुएए काफी बडी बारात नगर मे बनी चर्चा का विषयएबड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

गृहराज्यमंत्री मंत्री ने दो इंटरलॉकिंग का किया लोकार्पण

निघासन खीरी। लोकसभा क्षेत्र के गांव गौरिया में ग्यारह लाख सत्रह हजार लम्बाई 140 मीटर एऔर महुआ में सात लाख अस्सी हजार लागत एक सौ दस मीटर सांसद निधि से बनी इंटरलॉकिंग का लोकार्पण गृहराज्यमंत्री व सदर विधायक योगेश वर्मा के द्वारा किया गया।

इसके बाद सभा का आयोजन किया गया सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री टेनी ने बताया की मोदी जी की लोकप्रियता को देख कर विपक्ष परेशान है देश में जितने भी ठग है मोदी जी का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं जितना ही विरोध विपक्ष कर रहा है उतनी ही देश विदेश में में मोदी जी की लोकप्रियता बढ़ रही है 2014 से पहले गांव कैसा था अब कैसा है इससे पता सभी को चल गया है पूर्वती सरकार में बिजली का सप्ताह होता था एक सप्ताह रात को एक सप्ताह दिन को बिजली मिलती थी और केन्द्रीय मंत्री ने सरकार की काफी जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजयएकेपी रानाए नागेन्द्र सिंह सेंगरएके के तिवारीए हरीश पाण्डेयए संजय गिरि जिला पंचायत सदस्यएरतीराम लोधीए नागेन्द्र तिवारीए दरवेश यादवए जसवंत प्रधानएबीरबल आदि काफी लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री व सदर विधायक पीड़ित व्यापारी से मिले, खुलासा कराने का आश्वासन दिया

निघासन खीरी। रविवार को एक कार्यक्रम से वापस आते हुए सिंगाही रोड स्थिति सर्राफव्यापारी दिग्विजय गुप्ता के शोरूम पर पहुँचकर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी व सदर विधायक योगेश वर्मा ने पीड़ित व्यापारी से मिलकर जल्द ही खुलासा कराने का वायदा किया।टेनी ने बताया कि एसपी से चोरी के मामले में बात हो चुकी है उन्होंने जल्द खुलासा करने का दावा किया है।परेशान होने की जरूरत नहींएयहां धैर्य रखने की जरूरत है।यह घटना पुलिस की नाक के नीचे हुई इससे पुलिस और भी शर्मिंदा है।चोरी की घटना बेहद निंदनीय है।इस दौरान सीओ प्रदीप कुमारएएसओ श्रद्धा सिंहए तिकुनियां इंस्पेक्टर निर्भय सिंहए व निघासन पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

अजय राय दरगाह शाह शराफत मियाँ पहुचे उसके बाद काली मंदिर में पूजा की

बरेली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय दरगाह शाह शराफ्त मियाँ हुजूर के सज्जादानशीन सकलैन मियाँ हजूर के यहां पहुंच कर दुख प्रकट किया, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सकलैनी मियां के बेटे गाजी मियां से मुलाकात कर दुख प्रकट किया और कहां कि इस दुख की घड़ी में हम सभी कांग्रेसी आपके साथ हैं।प्रातः प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कालीबाड़ी स्थित काली मंदिर गए और नवरात्र में देवी की पूजा अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया, देवी माता से प्रार्थना की और कांग्रेसियों की उज्जवल भविष्य की कामना की देवी मां से प्रार्थना की 2024 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बने।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन के लिए डीआरएम रेखा यादव ने रिदम को दिया आशीर्वाद

बरेली। बेंगलुरु में आयोजित प्रतियोगिता में रिदम शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्राजील वर्ल्ड एथलेटिक चौंपियनशिप जो जनवरी 2024 में होनी है के लिए क्वालीफाई कर लिया है। रिदम शर्मा जो की बोल सुन नहीं सकती स्पेशल चाइल्ड है।100 मी और 4003 हर्डल रेस में नेशनल मेडलिस्ट हैं और नियमित रूप से रेलवे ग्राउंड रोड नंबर चार पर अपने कोच अजय कश्यप से पिछले 3 साल से निशुल्क ट्रेनिंग ले रही हैं। रिदम का चयन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता ब्राजील के साउथ अमेरिका के लिए हुआ है।इस उपलक्ष में खेल प्रेमी डीआरएम इज्जत नगर रेखा यादव ने रिदम को शॉल और माला पहनकर आशीर्वाद दिया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। साथ मे खेल सचिव अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्लेयर गीता शर्मा अरोड़ा ने भी उसके अच्छे भविष्य की कामना की।

वित्त मंत्री ने नगर क्षेत्र में स्थित पिंक टॉयलेट का निरीक्षण किया

शाहजहाँपुर। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने शहर के पिंक टॉयलेट का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर क्षेत्र के बहादुरगंजए अजीजगंज में गांधी पार्क के पासए राजघाट पुलिस चौकीए बरेली मोड़ए खिरनीबाग के पास स्थित शौचालयों का निरीक्षण कर साफ़सफ़ाईए पानी की आपूर्तिए प्रकाश व्यवस्था आदि का भी निरीक्षण किया। सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिये गये कि पिंक टॉयलेट की समुचित देखभाल करें तथा महिलाओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़ेए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही टॉयलेट सीट साफ़रखनेए हैण्डवाश की व्यवस्था करनेए बाहरी तथा आन्तरिक परिसर को साफ़रखने के निर्देश दिये। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में डेंगू व मलेरिया जैसी भयंकर बीमारियाँ लोगों को अपने चपेट में ले रही हैं ऐसे में सफ़ाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। जितनी साफसफ़ाई अपने आस.पास रखेंगे उतना ही आप रोगों से दूर रहेंगे। नियमित रूप से साफ़सफ़ाई करेंए नगर निगम के सहयोग से एण्टीलार्वा का छिड़काव तथा सुबह.शाम को फॉगिंग करायें। किसी प्रकार की समस्या आती है तो नगर निगम के कण्ट्रोल रूम ;05842.225437ए 7355003882द्ध में अपनी शिकायत दर्ज करायें जिसका त्वरित निस्तारण कराया जा सके।

कैबिनेट मंत्री ने किया उद्घाटन, माडल खाद भंडार किसानों को सेवा देगा

शाहजहाँपुर। ग्राम बरैचा स्थित न्यू सुपर जमुना खाद भंडार का कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पहुंचे वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्नाए सांसद अरुण सागरए एमएलसी डॉक्टर सुधीर गुप्ता का पुष्प माला पहनाकर मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर के प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने स्वागत किया। और फर्म के प्रोपराइटर डॉण् सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि हमने अपने सभी प्रतिष्ठानों का नाम अपने पिता के नाम पर रखा हुआ है। और हमारे इस नए प्रतिष्ठान को हमारे तीसरे नंबर के पुत्र सोनू गुप्ता देखेंगे। हमारे प्रतिष्ठानों में जमुना खाद भंडार मुकरमपुरए जमुना ज्वैलर्सए जमुना इलेक्ट्रॉनिक कैलाश नगरए जेपी पब्लिक स्कूल भटपुरा रसूलपुर आदि पूरे क्षेत्र मे सेवा दे रहे हैं। और इसी अध्याय में हमारा नया प्रतिष्ठान ग्राम बरैचा शाहजहांपुर मोहम्मदी मार्ग पर स्थित न्यू सुपर जमुना खाद भंडार इस पूरे क्षेत्र के किसानों को सेवा देगा। हमारे इस मॉडल खाद भंडार पर किसानों को हर समय अच्छी क्वालिटी के बीजए दवाई व फर्टिलाइजर उपलब्ध रहेंगे।

अष्टमी पर कन्या जमाई गई माता रानी की हुई अर्चना

बरेली। माह कुमार के नवरात्र की अष्टमी मनाई गई। सुबह से ही देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ आना शुरू हो गई, वही दूसरी तरफ सुबह से ही घर घर कन्या जमाई गई। अष्टमी के मौके पर मां के भक्तों कन्या जमाने के साथ अपना व्रत खोला। हालांकि सुबह से ही कन्याओं का ढूढ़ने सिलसिला शुरू हो गया। कन्यायें मिलने पर कन्याओं को पूजन करके भोज कराया गया। कन्याओं को खाने में पूड़ी- चने ,हल्वा, नारियल, जलेवी, दही पान, आदि से भोज कराया गया। इसके बाद मां के भक्तों ने अपना व्रत खोला। बाद में कन्याओं को उपहार स्वरुप चॉकलेट, रुमाल, हेयरबैंड, दक्षिणा आदि देकर विदा किया। देरशाम को मां के भक्तों ने मन्दिर में जाकर दर्शन किये और अपने परिवार की सुख समृद्धि के लिए मां से आशीर्वाद मांगा। बता दें कि कल यानी आने वाले दिन नवमी बनाई जाएगी।

क्षत्रिय महासम्मेलन को कामयाब बनाने की कवायद

जिले में 25 अक्तूबर को होगा सम्मेलन

शाहजहांपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा 25 अक्टूबर दिन बुधवार को टाउन हॉल स्थित गांधी भवन में आयोजित किए जाने वाले महासम्मेलन की तैयारी के लिए बैठक का आयोजन आवास विकास बरेली मोड़ स्थित जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष पदम सिंह की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री मुनीश सिंह परिहार ;एंडण्द्ध के संचालन में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पदम सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद हरिवंश सिंह एवं मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर की स्वीकृति कार्यक्रम में आने की प्राप्त हो चुकी है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र से विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह जनपद हरदोई सबायाजपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू एवं जनपद बदायूं के दातागंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजीव कुमार सिंह बब्बू भैया और कटरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक डाण् वीर विक्रम सिंह प्रिंस एवं ददरौल विधानसभा क्षेत्र से विधायक मानवेंद्र सिंह एवं जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीण्पीण्एसण् राठौरए ब्रज प्रदेश अध्यक्ष जय गोविंद सिंहए राष्ट्रीय महासचिव सुखबीर सिंह भदौरियाए राष्ट्रीय संगठन मंत्री ईण् भुवनेश्वर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू रहेंगे। कार्यक्रम में राजमाता श्रीमति मृदुल सिंह एवं राजा पुवायां की भी सहभागिता रहेगी। इन सभी अतिथियों के कार्यक्रम में उपस्थित होने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कार्यक्रम को भव्य आयोजन के लिए संगठन कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है लंबे समय बाद क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग शामिल होंगे एवं जनप्रतिनिधियों में पूर्व विधायकए ब्लॉक प्रमुखए पार्षदए जिला पंचायत सदस्यए ग्राम प्रधानए क्षेत्र पंचायत सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर बैठक में प्रमुख रूप से जिला संयोजक सुमित सिंह भदौरियाए बरेली मंडल बरेली के अध्यक्ष पवन कुमार सिंहए जिला प्रभारी ओम सिंहए जिला महामंत्री मुनीश सिंह परिहार एडवोकेटए वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ठाकुर ओंकार सिंह ;सिधौलीद्ध जिला संगठन मंत्री प्रीतम सिंह पुजारीए वीरपाल सिंहए महेंद्र सिंहए अरुण सिंहए लखपत सिंहए राकेश शैलेंद्र सिंहए देवेंद्र सिंहए रवि सिंहए राजीव सिंहए केसरी सिंहए मयंक प्रताप सिंहए हरवीर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

हॉस्पिटल का 50 हजार बकाया

शव न देने पर हंगामा

परिजनों ने हॉस्पिटल पर ईलाज को लेकर लगाए गंभीर आरोप, मामले की शिकायत सीएमओ से जांच के आदेश

शाहजहांपुर। शहर के अजीजगंज स्थित कृष्णा हॉस्पिटल का मामला में डेंगू के मरीज की मौत हो जाने पर अस्पताल प्रशासन ने परिवार के लोगो को शव ले जाने से पहले बकाया रकम अदा करने के बाद शव सौंपने की बात कही जिसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया मिली जानकारी के अनुसार कृष्णा हॉस्पिटल में सुबह एक महिला की ईलाज के दौरान मौत हो गयी।आरोप है कि हॉस्पिटल का 50 हजार रुपया अभी भी बकाया था इसलिए परिजनों को महिला का शव नही दिया गया इस पर परिजनों ने हॉस्पिटल के बाहर ही हंगामा शुरू कर दिया।इसी बीच क्षेत्र के पार्षद के पहुचने के बाद शव को परिजनों को दे दिया गया। शाहजहांपुर की शहर कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में मेहमान शाह के रहने वाले प्रदीप ने अपनी पत्नी संगीता को 16 अक्टूबर को भर्ती कराया था जिसे बुखार था।तो वहीं आज सुबह संगीता की ईलाज के दौरान मौत हो गयी लेकिन हॉस्पिटल ने बकाया होने के कारण शव को परिजनों को देने से साफ इंकार कर दिया।इस पर गुस्साए परिजनों ने हॉस्पिटल के गेट पर जमकर हंगामा काटा।इस दौरान क्षेत्र के पार्षद भी मौके पर पहुँच गए जिसके बाद हालात को देखते हुए हॉस्पिटल ने शव को परिजनों को दे दिया।परिजनों ने बताया कि हॉस्पिटल में ईलाज के दौरान वह लाखो खर्च कर चुके हैं बावजूद इसके 50 हजार अभी भी बकाया बताया जा रहा है जबकि उनके मरीज की मौत भी हो चुकी है। इस मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी से की गई है जिसके बाद जांच की बात कही गई है वही अस्पताल के संचालक ने इस मामले में अपना किसी प्रकार का पक्ष नहीं रखा ।

विश्वविद्यालय प्रशासन का विद्यार्थी परिषद और आंदोलित छात्रों को कूड़ा बीनने बाला बताना दुर्भाग्यपूर्ण - अभाविप

बरेली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बरेली महानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक कटरा मानराय बड़ा बाजार बरेली में सम्पन्न हुई बैठक में रुहेलखंड विश्वविद्यालय में चल रहे छात्र आन्दोलन की आगामी रणनीति पर योजना तैयार की गई।विद्यार्थी परिषद द्वारा 13 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार जारी आंदोलन को लेकर विश्वविद्यालय प्रसासन का कोई भी सकारात्मक रवैया दिखाई नहीं देता।कल रूहेलखंड विश्वविद्यालय के गेट पर विश्वविद्यालय के कुलपति का पुतला दहन किया गया तत्पश्चात विश्वविद्यालय के मीडिया सेल ने कुलपति की आदेशानुसार आंदोलित छात्रों को कूड़ा बीनने बाला बताना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।परिषद में कार्य करने बाले छात्र एवं अनुसूचित वर्ग एक स्वर में इस बयान की निंदा करते हुए महानगर के कार्यकर्ता नितिन बाल्मीकि और महानगर सह मंत्री आनंद कठेरिया ने कहा कि आंदोलन करने बाले छात्र अगर विश्वविद्यालय के कुलपति को अनपढ़ और कूड़ा उठाने बाले उन कुलपति को लगते हैं जो अपने को पढ़ा लिखा मानते ऐसे बयान के बाद उनकी मानसकि स्थित ठीक न होना और उनकी सामंतवादी दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।दलित छात्र और अनुसूचित वर्ग प्रसासन से मांग करता है कि प्रसासन स्वतः संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय के जिम्मेदार व्यक्तिओ पर कार्यवाही करे।प्रान्त कार्यकरिणी सदस्य यश चौधरी ने बताया कि एक तरह देश में दलितों को आगे बढ़ाने और उनको सम्मान दिलाने के लिए देश और प्रदेश की लोकतांत्रिक सरकार प्रयासरत है वहीं दलित विरोधी सोच रखने बाले एक व्यक्ति को शिक्षा के मंदिर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ कुलपति बना दिया गया है ये दुर्भाग्यपूर्ण है। बैठक में नितिन महेश्वरी, अनिकेत लल्ला ,अवनी, शर्यान्श बाजपेई सहित अनेको कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हजरत शाह मुहम्मद सकलैन मियां हुजूर इस दुनिया को अलविदा कह गए

बरेली। सिलसिला ए कादिरिया, मुजद्दिया, नक्शबंदिया के अजीम उल मर्तबत बुजुर्ग और विश्व प्रसिद्ध दरगाह शाह शराफ्त अली मियां के सज्जादानशीन पीरे तरीकत हजरत शाह मुहम्मद सकलैन मियां हुजूर का 20 अक्टूबर 2023 बरोज जुमा शाम को अचानक तबियत बिगड़ जाने की वजह से करीब के एक निजी हॉस्पिटल में दौराने इलाज आपने आखिरी सांस ली और इस दुनिया ए फ़ानी को हमेशा के अलविदा कह गए।पीरो मुर्शिद शाह मुहम्मद सक़लैन मियां हुजूर के विसाल की खबर पूरी दुनिया में चंद लम्हों में फैल गई, मियां हुजूर के मुरीदीन जो मियां हुजूर से बड़ी मुहब्बत और दीवानगी रखते हैं आपके विसाल की ख़बर सुनकर रोते बिलखते हुए आपके आस्ताने पर आते गए और आपके। दीदार से मुशर्रफ हुए।दूर दराज के जायरीन के आने में देरी और अकीदतमंदों के मुसलसल बंधे तांते की वजह से जमाजा मुबारक दो दिन रखा गया, इस दौरान दरगाह शरीफ के मेहमान खाने में सभी मुरीदों व चाहने वालों को मियां हुजूर का आखिरी दीदार कराया गया, मुरीदीन कतार बा कतार मियां हुजूर के दीदार से फैजयाब होते रहे, दो दिन दरगाह शरीफपर व आस-पास की सभी गलियां मुरीदों की तादाद से खचाखच भरी रही।इस दौरान मियां हुजूर की ताजियत के लिए बहुत सी खानकाहों के सज्जादानशीन व उल्मा ए किराम खानकाह शरीफ पर पहुंचे और मियां हुजूर का आखिरी दीदार किया, जिनमें कलियर शरीफ के नायब सज्जादानशीन हजरत यावर एजाज कुद्दूसी साबरी, बरेली ख़ानक़ाह नियाजिया से हजरत शब्बू मियां व दीगर खानवादगान, इसके अलावा खानकाह ए रजविया से जनाब तौक़ीर मियां साहब, पीलीभीत शरीफ से, बहेड़ी वगैरह से सज्जादानशीन व उल्मा ए किराम इस दुख में शरीक होने आए और मियां हुजूर का आखिरी दीदार किया। नमाजे जनाजा मियां हुजूर के साहिबजादे हजरत गाजी मियां सकलैनी ने पढ़ाई और दुआ हाफिज़ गुलाम गौस सकलैनी ने कराई। नमाजे जनाजा में मियां हुजूर के मुरीदीन व चाहने वालों का एक बहुत बड़ा सैलाब उमड़ा, इस्लामिया कॉलेज का मैदान सबसे बड़ा मैदान माना जाता है लेकिन वो भी मियां हुजूर के दीवानों के आगे छू गया, इस्लामिया का मैदान पहली बार इस कदर भरा नजर आया।

घोड़ी के साथ पांच लोगों ने किया गंदा काम, तीन गिरफ्तार

बरेली। पांच लोगों ने एक घोड़ी के साथ गंदा काम किया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया पुलिस ने पांच आरोपियों के विरुद्ध प्राकृतिक यौन शोषण और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।हाफिजगंज के दरोगा गजेंद्र ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया जिसमें आरोप लगाया गया कि नवाबगंज में इनायतपुर गांव के रहने वाले भगवत शरण घोड़ी के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बना रहा है उसके साथ कुंवरपुर बंजरिया गांव का देवेंद्र, रिजवान और आमिर भी मौजूद है जबकि जीशान घोड़ी की लगाम पकड़े हुए है बाकी लोग सहयोग कर रहे हैं घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने नाराजगी जाहिर की तब थाने में आरोपियों के विरुद्ध कर पुलिस ने देवेंद्र रिजवान और आमिर को गिरफ्तार कर लिया और उनके साथियों की तलाश शुरू कर दी। घोड़ी के साथ गंदा काम करने की शिकायत एक्स (ट्वीटर) पर ट्वीट कर की गई थी हिमांशु पटेल ने ट्वीट कर आरोप लगाया था कि एक दरोगा ने 15 हजार रुपये लेकर आरोपियों को छोड़ दिया अधिकारियों ने जब मामले का संज्ञान लिया तब थाना पुलिस हरकत में आई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

समय से कार्य न कराने वाले ठेकेदारों पर की जाए दंडात्मक कार्रवाई: डीएम

● 11 नगरीय निकायों में 18.50 करोड़ के कार्यों की सैद्धांतिक स्वीकृति

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बीती देर शाम 15वें वित्त की कार्ययोजना के अनुमोदनार्थ जिला समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों के अध्यक्ष की मौजूदगी में 18.50 करोड़ के कार्यों की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई।

जनपद के कुल 11 नगर निकायों को 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग, जलनिकासी, पेयजल व सफाई स्वच्छता आदि से संबंधित कार्यों के लिए 18.50 करोड़ रुपये सशर्त स्वीकृत किए गए हैं। गांवों में इन सेवाओं को सुनिश्चित करने और इस प्रकार की सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा जीवन की गुणवत्ता पर अत्यधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि नगर निकायों में जो कार्य कराए जाएंगे उन्हें ससमय पूर्ण कराए जाएं, ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण न करने पर संबंधित ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जो कार्य स्वीकृत हुए उन्हें पारदर्शी ढंग से टेंडर प्रक्रिया नवंबर तक पूर्ण करते हुए जनवरी 2024 तक समस्त कार्यों को पूर्ण करायें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि नगरी क्षेत्र में बेहतर नागरिकों को सुविधा मुहैया कराकर नगरी निकायों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों के अध्यक्ष आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

27 को प्रधानमंत्रर का चित्रकूट आगमन, तैयारियों में जुटा प्रशासन

रतन पटेल। चित्रकूट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 27 अक्टूबर को चित्रकूट आगमन को लेकर यूपी-एमपी दोनों प्रदेशों के सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों ने तैयारियां तेज कर दी है। पीएम मोदी सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड के प्रमुख रहे स्व. अरविंद भाई मफतलाल की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर इमरजेंसी केयर यूनिट का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी पदमविभूषण से सम्मानित श्रीतुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु रामभद्राचार्य से मिलने आएंगे। इसे लेकर श्रीतुलसी पीठ में जोरदार तैयारियां चल रहीं हैं। चारों तरफ रंगरोगन का कार्य जारी है। जगदगुरु रामभद्राचार्य ने मनपसंद मटरा की कोहरी व आलू बैंगन का भर्ता पीएम के लिए बनवाने के लिए कहा है। चूल्हे की सेंकी रोटी भी पीएम मोदी को खिलाने की योजना है। संभावना है कि जगदगुरु से मिलने जब पीएम मोदी उनके पास आएंगे तो उन्हें देश की सत्ता की हैट्रिक लगाने का आशीर्वाद देंगे।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की चार टुकड़ी पहुंच चुकी हैं। पूरे कार्यक्रम स्थल के पास 15 आइएएस व 20 आईपीएस ने डेरा डाला है।

नवरात्र की अष्टमी पर की गई महागौरी की पूजा, दुर्गा पंडालों में उमड़ी भारी भीड़

संवाददाता। जालौन, उरई

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन रविवार को मंदिरों व दुर्गा पंडाल में भक्तों की भीड़ उमड़ी। देवी भक्तों ने माता के महागौरी स्वरूप की पूजा अर्चना की। इस दौरान कई स्थानों पर कन्या भोज कराकर मां को प्रसन्न करने का प्रयास किया। नवरात्र केवल व्रत और उपवास का पर्व नहीं है। यह नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। नवरात्रि के दौरान अष्टमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन मां दुर्गा के महागौरी रूप का पूजन किया जाता है। सुंदर, अति गौर वर्ण होने के कारण इन्हें महागौरी कहा जाता है। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में आठवें दिन महागौरी की पूजा अर्चना देवी भक्तों द्वारा की गई मंदिरों में हर गली मुहल्लों जयकारे सुनाई दे रहे थे। देवी भक्तों ने चावल, रोरी, हल्दी, पुष्प, पान आदि से महागौरी की पूजा अर्चना की। पंडित अरविंद बाजपेई बताते हैं कि माता जब आठ वर्ष की बालिका थीं, तब देव मुनि नारद ने इन्हें इनके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराया।

लौना के मंदिरों में सजाई गईं आकर्षक झांकियां

कोंच, जालौन। शनिवार रात कमोवेश दुर्गा पंडालों में विराजमान मैय्या की नयनाभिराम झांकियां सजाई गईं। इधर, अष्टमी की पूजा के बाद सनातन धर्मावलवियों ने देवी मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना की, शाम को बड़ी माता मंदिर पर मेला लगा। देवी पंडालों में सुबह-शाम मैया की आरती में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। साधक भी अनुष्ठान करने में लगे हैं। वहीं शनिवार शाम भद्रकाली और रविवार को अष्टमी के दिन नगर में जवारों की शोभायात्राएं निकाल कर देवी मंदिरों पर विसर्जन किया गया। सुप्रसिद्ध बड़ी माता मंदिर, सिंह वाहिनी मंदिर, मां काली मंदिर में जवारे अर्पित किए गए। समीपस्थ ग्राम लौना में भी सप्तमी की रात देवी मां की झांकियां सजाई गईं।

बाली का वध कर श्रीराम ने सुग्रीव से मित्रता धर्म निभाया

संवाददाता। कोंच, जालौन

कोंच रामलीला में शनिवार की रात बालिवध लीला का मंचन किया गया जिसमें सीता अन्बेषण के लिए निकले राम ने अपनी परम भक्त भीलनी शबरी को दर्शन देकर और उसके जूठे बेर खाकर आतिथ्य ग्रहण किया और उसको नवधा भक्ति का ज्ञान दिया।

शबरी के बताए अनुसार ही राम ने भाई के त्रास से छिपकर रह रहे सुग्रीव से मैत्री की। उन्होंने बालि का वध कर सुग्रीव के प्रति अपना मित्र धर्म निभाया और उसे किष्किंधा का राजा बनाया। परमात्म तत्व में विलीन होने जा रहे बालि की अंतिम इच्छा पूरी करते हुये राम ने उसके बेटे अंगद को किष्किंधा का युवराज भी बनाया।

कोंच के 171वें रामलीला महोत्सव में रामलीला रंगमंच पर बालिवध लीला का रोमांचक मंचन हुआ। भगवान राम ने भीलनी शबरी का न सिर्फ आतिथ्य स्वीकार किया बल्कि प्रेमातिरेक में उसके द्वारा खिलाए जूठे बेर भी खाए। राम-सुग्रीव मैत्री दर्शाती है कि बलवान का मित्र बनने के बजाए समाज के तिरस्कृत लोगों को संबल प्रदान कर सामाजिक एकता और समरसता को अक्षुण्ण रखा जा सकता है।

शिव मंदिर के विकास को विधायक अनिल प्रधान ने दिये 32 लाख

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने चित्रकूट के मड़फा पहाड पर स्थित विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ पंचमुखी महादेव मंदिर के सुंदरीकरण के लिए पर्यटन विभाग को 32 लाख रुपये की धनराशि विधानमंडल निधि से देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी को पत्र लिखा। विधायक का कहना है कि प्राचीन शिव मंदिर का पर्यटन विकास होने से देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागन बढ़ेगा। जिससे आसपास के इलाके का चहुमुखी विकास होने के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन आधारित रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। आदितीर्थ के रूप में विख्यात भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के पर्यटन विकास के लिए केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। जिले के सदर विधानसभा सीट से सपा विधायक अनिल प्रधान ने भी एक कदम आगे बढाते हुए धर्म नगरी चित्रकूट के पौराणित तीर्थ मड़फा की ऊंची पहाडी पर स्थित पंचमुखी भगवान शिव के मंदिर के पर्यटन विकास के साथ-साथ पहाड़ से लेकर मंदिर और मंदिर से गांव तक विद्युत लाइन पहुचाना, मंदिर के बगल में शेड हॉल निर्माण करवाने व मंदिर के आसपास प्रकाश की व्यवस्था साथ ही पूरे प्राचीन किले को प्रकाशमयी करने के लिए सदर विधायक अनिल प्रधान ने पर्यटन विभाग को 32 लाख रुपये विधानमंडल निधि से देने हेतु मुख्य विकास अधिकारी को पत्र लिखा।

नगर पालिका की 15 महिला सफाई कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

● मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाददाता। बिंदकी, फतेहपुर

नगर पालिका परिषद भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 15 महिला सफाई कर्मचारियों को फूलमाला पहनकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष राधा साहू ने कहा कि महिला सफाई कर्मचारी जिस प्रकार बेहतर सफाई करती हैं, निश्चित ही वह प्रशंसा की प्राप्त हैं। रविवार को नगर के पालिका भवन में आयोजित मिशन शक्ति महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष राधा साहू, नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी निरुपमा प्रताप तथा वरिष्ठ महिला पत्रकार पूनम द्विवेदी ने नगर पालिका की 15 महिला सफाई कर्मचारियों को फूल माला पहनकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि महिला सफाई कर्मचारी सुबह जल्द जाकर नगर के विभिन्न स्थानों पर बेहतर सफाई करने का काम करती है। निश्चित रूप से ऐसी महिला सफाई कर्मचारियों की कितनी प्रशंसा की जाए वह कम है।

इस मौके पर अधिशासी अधिकारी निरुपमा प्रताप ने कहा कि मिशन शक्ति के अंतर्गत मातृशक्ति को सम्मानित करने का काम किया गया है। वहीं इस मौके पर महिला पत्रकार पूनम द्विवेदी ने कहा कि निश्चित रूप से जिस प्रकार नगर पालिका द्वारा महिला सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है। खासकर नवरात्रि के मौके पर जब हम मां दुर्गा की पूजा कर रहे होते हैं ऐसी स्थिति में मातृशक्ति को सम्मानित करना नेक कार्य है, इससे महिला सफाई कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है।

पटेल सेवा संस्थान की बीस सदस्यीय कार्यकारिणी घोषित

फतेहपुर। पटेल सेवा संस्थान की बैठक रविवार को आयोजित हुई जिसमें जिला कार्यकारिणी घोषित करते हुए सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर जहां स्वागत किया गया वहीं अध्यक्ष ने सभी को मनोनयन पत्र सौंपे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 31 अक्टूबर को लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती संस्थान धूमधाम से मनायेगा।

क्विक न्यूज

गोल्ड मेडलिस्ट अनन्या का मंडलीय प्रतियोगिता में चयन

जालौन, उरई। जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में गोल्ड मेडलिस्ट एमएल कांवेंट स्कूल की छात्रा अनन्या भदौरिया का मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। छत्रसाल इंटर कॉलेज मे आयोजित जिला स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में एमएल कांवेंट स्कूल की कक्षा आठ की छात्रा अनन्या भदौरिया ने लांग जंप में जिला मे गोल्ड मेडल प्राप्त कर जिले व विद्यालय का नाम रोशन किया है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडलिस्ट अनन्या भदौरिया का चयन अब मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ है।

पुरइन के जंगल से बुजुर्ग तांत्रिक का हत्यायुक्त शव बरामद

खागा, फतेहपुर। कोतवाली क्षेत्र के पुरइन गांव के जंगल से रविवार की सुबह एक 75 वर्षीय बुजुर्ग तांत्रिक का शव पुलिस ने बरामद किया। वृद्ध के शरीर पर चोंट के निशान मिले हैं। जिससे बुजुर्ग की हत्या कर जंगल मे फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के अलावा फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाएं हैं। एसपी ने चार टीमों का गठन कर खुलासे के लिए लगाया है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के सेमौरी गांव निवासी 75 वर्षीय दुलारे पाल सन्यासी थे। वह आसपास क्षेत्र में घूम-घूम कर तांत्रिक का काम करते थे।

बाइक पर पीछे बैठे मजदूर की गिरकर मृत्यु

राठ, हमीरपुर। राठ कस्बे के अंबेडर चौराहे पर ससुराल से आईं पत्नी को बाइक से अपने दोस्त के साथ लेने जा रहे मजदूर असंतुलित होकर बाइक से गिर गया। जिससे मजदूर की सिर में चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मुस्करा थाने के बिहूंनी खुर्द गांव निवासी 28 वर्षीय यशवेंद्र शनिवार की देर शाम अपने साथी निरंजन अहिरवार के साथ बाइक से राठ आ रहा था। सांई मंदिर के पास पीछे बैठा यशवेंद्र असंतुलित होकर सड़क पर गिर गया। जिससे सड़क पर पड़ी गिटटी से सिर पर गंभीर चोट होने के कारण मौके पर ही मौत हो गई।

मां के दरबार में बच्चों ने किया रामलीला का मंचन

जालौन, उरई। नगर मोहल्ला जोशियाना में दुर्गा पंडाल में माता की झांकी सजी हुई है। मां के दरबार में बच्चों ने रामलीला का मंचन कर भक्तों का केवल मन मोह लिया बल्कि भक्ति रस में डुबोकर जय श्रीराम जय के जोशीले उदघोष करने के लिए मजबूर कर दिया। नगर में 35 दुर्गा पंडालों में मां के विभिन्न रूपों की मूर्तियां स्थापित की जा रही है। नवरात्रि के दिनों में प्रतिदिन मां का अलग अलग श्रृंगार के साथ आकर्षक झांकियां सजायी जा रही हैं। पंडाल से भक्तों को जोड़ने व संख्या बढ़ाने का हर संभव प्रयास किये जा रहे। जोशियाना में चन्दा छाया के पीछे बने दुर्गा पंडाल में लगातार धार्मिक आयोजन चल रहे हैं।

पेज एक का शेष

भारत ने...

किया। सूर्यकुमार यादव (02) इसके बाद कोहली के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हुए जिससे भारत का स्कोर पांच विकेट पर 191 रन हो गया। जडेजा ने फर्ग्युसन पर लगातार दो चौके के साथ खाता खोला और 36वें ओवर में टीम के रनों का दोहरा शतक पूरा किया। भारत को अंतिम 10 ओवर में जीत के लिए 49 रन की दरकार थी। जडेजा ने रविंद्र जबकि कोहली ने बोल्ट पर छक्के के साथ भारत की लक्ष्य तक पहुंचने की राह आसान की। भारत हालांकि जब जीत से सिर्फ पांच रन दूर था तब कोहली हेनरी की गेंद पर छक्का लगाने की कोशिश में ग्लेन फिलिप्स को कैच दे बैठे। जडेजा ने हेनरी पर चौके के साथ भारत की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले रोहित ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया जिसके बाद गेंदबाजों ने नौवें ओवर में 19 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे (00) और विल यंग (17) को पवेलियन भेज दिया। कॉनवे सिराज की गेंद को फारवर्ड शॉर्ट लेग पर श्रेयस अय्यर के हाथों में खेल गए जबकि बुमराह पर दो चौके जड़ने के बाद यंग ने शमी की गेंद को विकेटों पर खेल दिया। रविंद्र और मिशेल ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने रन गति में इजाफा किया। रविंद्र ने शमी पर दो चौके मारे लेकिन 12 रन के निजी स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब इस तेज गेंदबाज की गेंद पर रविंद्र जडेजा ने प्वाइंट पर उनका कैच टपका दिया। मिशेल ने 13वें ओवर में शमी पर चौके के साथ टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। रविंद्र और मिशेल दोनों ने 19वें ओवर में कुलदीप यादव पर छक्के जड़े। टीम के रनों का शतक 21वें ओवर में पूरा हुआ। रविंद्र ने कुलदीप की गेंद पर एक रन के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि मिशेल ने सिराज पर एक रन के साथ 60 गेंद में 50 रन के आंकड़े को छुआ। सिराज ने 61 रन के स्कोर पर रविंद्र को पगबाधा किया लेकिन डीआरएस का सहारा लेने पर फैसला बल्लेबाज के पक्ष में गया क्योंकि गेंद लेग साइड के बाहर पिच हुई थी। मिशेल को भी 69 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला जब कुलदीप की गेंद पर लांग ऑफ पर बुमराह ने उनका आसान कैच टपका दिया और गेंद चार रन के लिए चली गई। रविंद्र हालांकि अगले ओवर में शमी की गेंद पर लांग ऑन पर गिल को कैच दे बैठे जिससे शतकीय साझेदारी का अंत हुआ। न्यूजीलैंड के रनों का दोहरा शतक 37वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन कुलदीप ने इसी ओवर में कप्तान टॉम लैथम (05) को पगबाधा करके भारत को चौथी सफलता दिलाई। मिशेल ने बुमराह की गेंद पर एक रन के साथ 100 गेंद अपना पांचवां शतक पूरा किया। ग्लेन फिलिप्स ने 44वें ओवर में सिराज पर छक्के के साथ 40 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया लेकिन कुलदीप के अगले ओवर में गेंद को हवा में लहराकर रोहित को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 23 रन बनाए। मार्क चैपमैन (06) भी बुमराह की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर कोहली को कैच दे बैठे जबकि शमी ने सटीक यॉर्कर पर मिशेल सेंटनर (01) का ऑफ स्टंप उखाड़ने के बाद अगली गेंद पर मैट हेनरी (00) का लेग स्टंप उखाड़ा। मिशेल ने अंतिम ओवर में शमी की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन फिर कोहली को कैच दे बैठे। पारी की अंतिम गेंद पर लॉकी फर्ग्युसन (01) रन आउट हुए।

फलस्तीन को...

तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, सेनेटरी के सामान, जल शोधन टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। कुछ घंटों बाद बागची ने कहा कि मिस्र में भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने फलस्तीन भेजने के लिए राहत सामग्री मिस्र के रेड क्रिसेंट को सौंप दी। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि फलस्तीन के लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता मिस्र पहुंच गई है। राजदूत ने फलस्तीन को आगे भेजने के लिए मिस्र के रेड क्रिसेंट को राहत सामग्री सौंपी।' सी-17 विमान को दिल्ली के पास हिंडन एयरबेस से भेजा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गाजा के एक अस्पताल में नागरिकों की मौत पर फलस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के प्रति संवेदना व्यक्त करने और इज़राइल-फलस्तीन मुद्दे पर भारत की लंबे समय से चली आ रही 'सैद्धांतिक स्थिति' को दोहराने के तीन दिन बाद भारत ने सहायता भेजी। बृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत में मोदी ने अब्बास से कहा कि नई दिल्ली फलस्तीनी लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजना जारी रखेगी। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) उन पांच एजेंसियों में शामिल थे, जिन्होंने एक संयुक्त बयान में गाजा की स्थिति को 'विनाशकारी' बताया। भारत संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) में योगदान के माध्यम से फलस्तीन और फलस्तीनी शरणार्थियों का समर्थन करता रहा है। बागची ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2002 से 2023 के बीच यूएनआरडब्ल्यूए में कुल 29.53 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया गया है। यूएनआरडब्ल्यूए में भारतीय वार्षिक योगदान में वृद्धि की गई है। इस बीच, इजराइली लड़ाकू विमानों ने रातभर और रविवार को पूरे गाजा में विभिन्न ठिकानों पर हमले के साथ सीरिया में दो हवाई अड्डों और वेस्ट बैंक में एक मस्जिद को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे। इसके साथ ही हमास के खिलाफ इजराइल का दो सप्ताह से जारी युद्ध अन्य मोर्चों पर भी भड़कने की आशंका है। युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल ने लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के ठिकानों पर लगभग हर रोज गोलाबारी की है। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी तनाव बढ़ रहा है, जहां इजराइली सैन्य बल शरणार्थी शिविरों में आतंकवादियों की तलाश कर रहे हैं और हाल के दिनों में दो हवाई हमले किए हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी इजराइल में सैनिकों से कहा कि यदि हिजबुल्ला ने इजराइल के खिलाफ युद्ध शुरू किया, तो यह उसकी बड़ी भूल होगी। उन्होंने कहा, हम उसे इतना जोर का झटका देंगे कि इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उसके और लेबनान के लिए नतीजे विनाशकारी होंगे। कई दिनों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इजराइल सात अक्टूबर के हमास के अप्रत्याशित हमले की प्रतिक्रिया के रूप में गाजा में जमीनी आक्रमण शुरू करने की तैयारी में है। सीमा पर टैंक और हजारों सैनिक लामबंद हो चुके हैं। फलस्तीनियों के लिए राहत सामग्री लेकर 17 ट्रकों का एक काफिला रविवार को गाजा में दाखिल हुआ। पिछले दो दिन में राहत सामग्री की यह दूसरी खेप गाजा पहुंची है। शनिवार को 20 ट्रक गाजा में दाखिल हुए थे। क्रॉसिंग पर एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के पत्रकारों ने रविवार को ईंधन से लदे सात ट्रकों को गाजा में प्रवेश करते देखा। राहत सहायता कर्मियों ने कहा है कि गाजा में बढ़ते मानवीय संकट के बीच अब तक बहुत कम राहत सामग्री पहुंची है, जहां क्षेत्र की 23 लाख आबादी में से आधे से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। मानवीय मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि युद्ध से पहले जितनी आपूर्ति होती थी, उसकी तुलना में शनिवार को महज चार प्रतिशत आपूर्ति ही हुई जो 13 दिनों की पूर्ण घेराबंदी के मद्देनजर नाकाफी है। एजेंसी ने हर दिन 100 ट्रकों को दाखिल होने की अनुमति देने का आह्वान किया है।

रोजगार के...

करके 'हर हाथ को काम, हर हाथ को रोजगार' के वादे को पूरा कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र और स्वरोजगार के लिए 500 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये। वहीं सीएम आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे के दूसरे दिन शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर यहां राम कथा पार्क से मिशन महिला सारथी की शुरुआत करने के दौरान कहा कि वही समाज सशक्त होगा और विकास की बुलंदियों को छुएगा जहां नारी का सम्मान होगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की 51 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अधिकारियों के मुताबिक, इन बसों में चालक और परिचालक महिलाएं होंगी। अपने संबोधन में आदित्यनाथ ने कहा, वास्तव में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा व उनका स्वावलंबन सदैव से एक चुनौती का विषय रहा है और इसीलिए भारतीय समाज ने सदैव से इस विषय को प्रमुखता से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वही समाज सशक्त होगा, आत्मनिर्भर होगा और सर्वांगीण विकास की बुलंदियों को छूता हुआ दिखाई देगा जहां नारी का सम्मान होगा, उनकी गरिमा की रक्षा होगी और वह स्वावलंबी होंगी। मिशन महिला सारथी पर मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा कि जो लोग कहते थे कि महिलाएं अमुक काम नहीं कर सकती हैं, उन्हें राज्य परिवहन निगम ने गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब महिला चालक भी हैं और परिचालक भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे महिलाएं स्वावलंबी होंगी और उनका सम्मान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस और शासन के अन्य विभागों में डेढ़ लाख से अधिक बेटियों को रोज़गार उपलब्ध कराया गया है और अब परिवहन निगम द्वारा बसों में महिलाओं को चालकों एवं परिचालकों के तौर पर रोजगार देकर इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। इस मौके पर अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। अपने दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने अयोध्या में छोटी देवकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। आदित्यनाथ ने अयोध्या में महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी।

भारत और...

दिनों बाद, भारत ने कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थाई रूप से निलंबित करने की घोषणा की और ओटावा से भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने को कहा। जयशंकर ने एक कार्यक्रम में भारत-कनाडा संबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, यदि हमें कनाडा में अपने राजनयिकों की सुरक्षा में प्रगति दिखती हैं, तो हम वहां वीजा जारी करना फिर से शुरू करना चाहेंगे। भारत में कनाडा की राजनयिक उपस्थिति कम करने पर उन्होंने कहा कि राजनयिक संबंधों पर विएना संधि में राजनयिक समानता प्रदान की गई है। जयशंकर ने कहा, विएना संधि द्वारा समानता प्रदान की गई है, जो इस पर प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय नियम है। हमारे मामले में हमने समानता का आह्वान किया क्योंकि हमें कनाडाई कर्मियों द्वारा हमारे मामलों में लगातार हस्तक्षेप को लेकर चिंता थी। कनाडा अपने 41 राजनयिकों को पहले ही भारत से वापस बुला चुका है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने बृहस्पतिवार को भारत से राजनयिकों की वापसी की घोषणा करते हुए भारत के कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत और राजनयिक संबंधों पर जिनेवा संधि का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया है। भारत पहले ही इस आरोप को खारिज कर चुका है। जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच संबंध अभी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को कनाडा की राजनीति के कुछ हिस्से से दिक्कत है। जोली के तर्क को दरकिनार करते हुए, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नई दिल्ली में कहा था कि हमने भारत में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति के संबंध में 19 अक्टूबर को कनाडा सरकार काबयान देखा है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति, भारत में कनाडाई राजनयिकों की बहुत अधिक संख्या और हमारे आंतरिक मामलों में उनका निरंतर हस्तक्षेप नई दिल्ली और ओटावा में पारस्परिक राजनयिक उपस्थिति में समानता की गारंटी देता है। इसके कार्यान्वयन के विवरण और तौर-तरीकों पर काम करने के लिए हम पिछले महीने से कनाडाई पक्ष के साथ इस पर काम कर रहे हैं। इस समता को लागू करने में हमारे कार्य पूरी तरह से राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 11.1 के अनुरूप हैं। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि मिशन के आकार के बारे में विशिष्ट समझौते के अभाव में, प्राप्तकर्ता राज्य को आवश्यकता हो सकती है कि मिशन का आकार उस सीमा के भीतर रखा जाए जिसे वह प्राप्तकर्ता राज्य की परिस्थितियों और स्थितियों को ध्यान में रखते हुए उचित और सामान्य मानता है और विशेष मिशन की जरूरतों के लिए। हम समानता के कार्यान्वयन को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के उल्लंघन के रूप में चित्रित करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार करते हैं। कनाडाई अद्यतन सलाह में यह भी कहा गया है कि कनाडा और भारत में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में, पारंपरिक मीडिया और सोशल मीडिया पर कनाडा के प्रति विरोध प्रदर्शन और कुछ नकारात्मक भावनाएं हैं। कनाडा विरोधी प्रदर्शनों सहित प्रदर्शन हो सकते हैं और कनाडाई लोगों को धमकी या उत्पीड़न का शिकार होना पड़ सकता है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, आपको अजनबियों के साथ कम प्रोफ़ाइल रखनी चाहिए और अपनी व्यक्तिगत जानकारी उनके साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

रेल यात्रियों...

प्रबंधक को सौंप दिया। इसके बाद उन्होंने राकेश शर्मा को सूचित किया, जो कर्मचारियों में यात्रियों और खोई हुई वस्तुओं के मालिकों को ट्रैक करने के प्रयास के लिए प्रसिद्ध हैं। हालांकि यह मामला मुश्किल था क्योंकि घड़ी जहां मिली थी कुली उस कोच और बर्थ नंबर के बारे में सटीक तौर पर कुछ नहीं बता सका क्योंकि यह दो कोचों- ए 4 और ए 5 के वेस्टिबुल के पास पाया गया था। राकेश शर्मा ने अपने कौशल का इस्तेमाल किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक संदेश साझा किया और इसकी पहुंच बढ़ाने की कोशिश की। सोशल मीडिया से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद राकेश शर्मा ने आईआरसीटीसी अधिकारियों की मदद से दोनों कोचों के यात्रियों के पीएनआर नंबर का उपयोग किया और मालिक का पता लगाने के लिए यात्रियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया। अपने काम, सोने और भोजन के बीच छह दिनों तक लगातार फोन कॉल के बाद राकेश असली मालिक से संपर्क करने में कामयाब रहे। राकेश ने जब यात्री लखनऊ के शुभम सैनी से संपर्क किया तो उन्हें सुखद आश्चर्य हुआ क्योंकि उन्होंने अपनी घड़ी वापस पाने की सभी उम्मीदें खो दी थीं। स्टेशन प्रबंधक राकेश शर्मा व्यक्तिगत रूप से यह उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया, ज्यादातर फेसबुक, पर विदेशियों सहित लगभग 925 लोगों को सफलतापूर्वक ट्रैक किया है और उनका सामान वापस किया है। इन यात्रियों ने गलती से ट्रेन के अंदर या प्लेटफॉर्म परिसर में अपना सामान छोड़ दिया था। ज्यादातर यात्री आमतौर पर अपना कीमती सामान ट्रेन के अंदर और यहां तक कि प्लेटफॉर्म पर भी भूल जाते हैं। इन मूल्यवान वस्तुओं को रेलवे कर्मचारियों द्वारा स्टेशन मास्टर कार्यालय में जमा कराया जाता है। यात्रियों का पता लगाने और उनका कीमती सामान लौटाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाते हुए शर्मा सबसे पहले यात्रियों के बारे में उनके पीएनआर विवरण के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। अधिकांश समय यात्री के विवरण में लिखे गए फ़ोन नंबर या तो बंद होते हैं या सेवा में नहीं होते हैं, जिससे यात्री का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। यात्रियों की अनुपलब्धता से प्रभावित हुए बिना शर्मा फिर सोशल मीडिया नेटवर्क पर यात्रियों को उनके नाम और स्थान तथा पीएनआर विवरण के आधार पर खोजना शुरू कर देते। वह ज्यादातर मौकों पर यात्रियों तक पहुंचने और उनके सामान के बारे में जानकारी देने में सफल रहे हैं। राकेश कहते हैं कि छोड़े गए अधिकांश सामानों में लैपटॉप, बैग, मोबाइल फोन और अन्य व्यक्तिगत सामान और कई मामलों में सोने के गहने शामिल रहते हैं।

इजराइल का गाजा, सीरिया, वेस्ट बैंक के ठिकानों पर हमला

●अन्य मोर्चों पर आग भड़कने की आशंका

भाषा। राफा (गाजा पट्टी)

इजराइली युद्धक विमानों ने रात भर और रविवार को पूरे गाजा में विभिन्न ठिकानों पर हमले के साथ सीरिया में दो हवाई अड्डों और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक मस्जिद को निशाना बनाया जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे। इसके साथ, हमास के खिलाफ इजराइल का दो सप्ताह से जारी युद्ध अन्य मोर्चों पर भी भड़कने की आशंका है।युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल ने लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के ठिकानों पर लगभग हर रोज गोलाबारी की है। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी तनाव बढ़ रहा है, जहां इजराइली सैन्य बल शरणार्थी शिविरों में आतंकवादियों की तलाश कर रहे हैं और हाल के दिनों में दो हवाई हमले किए हैं। कई दिनों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इजराइल सात अक्टूबर को हमास के अप्रत्याशित हमले की प्रतिक्रिया के रूप में गाजा में जमीनी आक्रमण शुरू करने की तैयारी में है। सीमा पर टैंक और हजारों सैनिक लामबंद हो चुके हैं। इजराइली सेना ने माना है कि व्यापक निकासी आदेश के बावजूद उत्तरी गाजा में अभी भी हजारों फलस्तीनी नागरिक रूके हुए हैं, जिससे किसी भी तरह का जमीनी हमला और जटिल हो जाएगा। लेबनान और सीरिया में हमास के सहयोगियों के साथ व्यापक जंग छिड़ने का जोखिम भी है, जिसकी वजह से हो सकता है सेना अभी अभियान के लिए ठहरी हुई है। सहायता कर्मियों ने कहा है कि गाजा में बढ़ते मानवीय संकट के बीच अब तक बहुत कम राहत सामग्री पहुंची है, जहां क्षेत्र की 23 लाख आबादी में से आधे से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। मरीजों और विस्थापित लोगों से भरे अस्पतालों में चिकित्सा आपूर्ति और जनरेटर के लिए ईंधन की कमी हो गई है, जिससे डॉक्टरों को कपड़ा सिलने वाली सुइयों के साथ, कीटाणुनाशक के रूप में रसोई के सिरके का उपयोग करके और बिना एनेस्थीसिया के सर्जरी करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। खान यूनिस के नासिर अस्पताल में कार्यरत डॉ. मोहम्मद कंदील ने कहा कि वेंटिलेटर सहित चिकित्सकीय सामग्री की कमी के कारण डॉक्टरों को किसी तरह सीमित संसाधन में मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा, यह दिल दुखाने वाली बात है। हर दिन, यदि हमारे पास गंभीर रूप से घायल 10 मरीज आते हैं तो हमें गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) के तीन या पांच उपलब्ध बिस्तरों से ही काम चलाना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित स्कूलों और शिविरों में शरण लेने वाले फलस्तीनियों के लिए भोजन की कमी हो रही है और वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। क्षेत्र का एकमात्र बिजली संयंत्र एक सप्ताह पहले बंद हो गया, जिससे पूरे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे पानी और अन्य आपूर्ति व्यवस्था भी चरमरा गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी ने कहा कि साफ पानी की कमी के कारण चेचक , दस्त के मामले बढ़ रहे हैं। गाजा के हमास संचालित गृह मंत्रालय ने रविवार रात भर पूरे क्षेत्र में भारी हवाई हमलों की सूचना दी, जिसमें दक्षिणी क्षेत्र भी शामिल हैं जहां इजराइल ने फलस्तीनियों को शरण लेने के लिए कहा था। शनिवार देर रात दक्षिण में स्थित शहर खान यूनिस के एक कैफे पर हवाई हमला हुआ, जहां विस्थापित लोग अपने फोन चार्ज करने के लिए एकत्र हुए थे। नासिर अस्पताल ने कहा कि इस घटना में 12 लोग मारे गए और 75 घायल हो गए। इजराइल की सेना ने कहा है कि वह हमास के सदस्यों और प्रतिष्ठानों पर हमला कर रही है, आम नागरिकों को निशाना नहीं बना रही। फलस्तीनी आतंकवादी भी रॉकेट दाग रहे हैं। हमास ने कहा है कि उसने रविवार तड़के तेल अवीव को निशाना बनाया। इजराइली मीडिया की खबर में कहा गया है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आसन्न जमीनी आक्रमण पर चर्चा करने के लिए शनिवार देर रात अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हागेरी ने कहा कि इजराइल ने युद्ध के अगले चरण की तैयारी के रूप में शनिवार से हवाई हमले बढ़ाने की योजना बनाई है। इजराइल के जमीनी हमले से दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या में नाटकीय रूप से वृद्धि होने की आशंका है। युद्ध में इजराइल में।,400 से अधिक लोग मारे गए हैं। इनमें से ज्यादातर आम नागरिक थे, जो हमास के शुरुआती हमले के दौरान मारे गए। वहीं, बच्चों, महिलाओं समेत कम से कम 210 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया। हमास ने मानवतावादी कदम बताते हुए शुक्रवार को दो अमेरिकियों को रिहा कर दिया।

क्विक न्यूज

फ्रांस के खुफिया विश्लेषण में गाजा के अस्पताल में विस्फोट के लिए फलस्तीनी रॉकेट को माना जिम्मेदार

पेरिस। फ्रांस की सेना की खुफिया रिपोर्ट के आकलन से संकेत मिलता है कि गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल में भीषण विस्फोट का सबसे संभावित कारण एक फलस्तीनी रॉकेट था, जो लगभग पांच किलोग्राम का विस्फोटक ले जा रहा था और संभवतः नाकाम हो गया था। फ्रांस की सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। खुफिया अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के शस्त्रागार में मौजूद कई रॉकेटो में लगभग इतने ही वजन के विस्फोटक होते हैं, जिनमें एक ईरान निर्मित रॉकेट और दूसरा फलस्तीन निर्मित रॉकेट शामिल है। अधिकारी ने कहा कि उनकी किसी भी खुफिया जानकारी ने इस घटना में इजराइली हमले की ओर इशारा नही किया। अधिकारी ने कहा कि यह विश्लेषण गोपनीय जानकारी, उपग्रह तस्वीरों, अन्य देशों द्वारा साझा की गई खुफिया सूचना तथा ओपन-सोर्स जानकारी पर आधारित है। अस्पताल के परिसर में विस्फोट से गड्ढा बन गया, जिसका आकार फ्रांसीसी सैन्य खुफिया द्वारा लगभग एक मीटर लंबा, 75 सेंटीमीटर चौड़ा और लगभग 30 से 40 सेंटीमीटर गहरा होने का अनुमान लगाया गया। अधिकारी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि करीब पांच किलोग्राम के विस्फोटक से गड्ढा बना है। अधिकारी ने कहा कि गड्ढा थोड़ा दक्षिण से उत्तर की ओर बना है, जिससे पता चलता है कि विस्फोटक दक्षिण से उत्तर की तरफ तिरछे कोण पर टकराया। हमास शासित गाजा के अधिकारियों ने मंगलवार को अस्पताल में हुए विस्फोट के लिए इजराइली हवाई हमले को जिम्मेदार ठहराया। इजराइल ने अस्पताल पर विस्फोट में शामिल होने से इनकार किया और संबंधित वीडियो, ऑडियो और अन्य सबूत जारी किए, जिसमें कहा गया कि विस्फोट एक अन्य फलस्तीनी आतंकवादी समूह इस्लामिक जिहाद द्वारा छोड़े गए रॉकेट के कारण हुआ था। हालांकि, इस्लामिक जिहाद ने घटना में संलिप्तता से इनकार किया। घटना में मारे गए लोगों की संख्या पर भी विवाद है। विस्फोट के एक घंटे के भीतर, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 500 लोग मारे गए। इसके बाद उसने बुधवार को मृतकों का ब्योरा दिए बिना इसे संशोधित कर 471 कर दिया। इजराइली सेना ने संवाददाताओं से कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई है। फ्रांस के सैन्य खुफिया अधिकारी ने कहा, भरोसे के साथ कुछ नही कहा जा सकता। लेकिन हमें नही लगता कि इतने आकार का रॉकेट 471 लोगों की जान ले सकता है। यह संभव नही है।

इजराइल-हमास के युद्ध में हमारी अहम भूमिका है : हिजबुल्ला अधिकारी

बेरूत। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने कहा है कि इजराइल और हमास के युद्ध में उसकी अहम भूमिका है और यदि इजराइल गाजा पट्टी पर जमीनी हमले शुरू करता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हिजबुल्ला के उपनेता शेख नईम कासिम का यह बयान उस वक्त आया जब इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में बमबारी तथा ड्रोन से हमले किए और हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट और मिसाइलें दागी। हिजबुल्ला ने कहा कि हमले में शनिवार को उसके छह लड़ाके मारे गए जो दो सप्ताह पहले शुरू हुए युद्ध के बाद एक दिन में मारे गए लोगों की सबसे बड़ी संख्या है। कासिम ने कहा कि लेबनान-इजराइल सीमा पर तनाव पैदा करने का हिजबुल्ला के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य है। उसने कहा, हम इजराइली दुश्मन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे है और उन्हे बता रहें है कि हम तैयार है। हमास ने कहा है कि अगर इजराइल गाजा में जमीनी हमले शुरू करता है तो हिजबुल्ला युद्ध में शामिल हो जाएगा। हमास के आतंकवादियों द्वारा दक्षिणी इजराइल के शहरो पर सात अक्टूबर को हमले किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी की घेराबंदी कर दी और कई जवाबी हवाई हमले किए। मिस्र और गाजा के बीच की सीमा शनिवार को खोल दी गई, जिसके बाद लगभग दो सप्ताह से जारी इजराइली घेराबंदी की वजह से भोजन, दवा और पानी की कमी से जूझ रहे फलस्तीनियो के लिए सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की गई। सहायताकर्मियों के मुताबिक केवल 20 ट्रक को गाजा में जाने की अनुमति दी गई, जो जबरदस्त मानवीय संकट से निपटने के लिए अपर्याप्त है। गाजा जाने के लिए 200 से अधिक ट्रक लगभग 3,000 टन सहायता सामग्री लिए कई दिनों से सीमा पर खड़े थे। अस्पतालो का कहना है कि पूरे क्षेत्र में बिजली कटौती के कारण उनके पास चिकित्सा आपूर्ति और आपातकालीन जनरेटर के लिए ईंधन की कमी हो गई है। गाजा में हड्डियों के चिकित्सक डॉ. निदाल अबेद ने बताया कि जब वह पर्याप्त एनेस्थीसिया के बिना सर्जरी करते है तो मरीजो की चीखो से इलाज का इंतजार कर रहे घायल भी बुरी तरह डर जाते है। उन्होंने बताया कि अपर्याप्त चिकित्सा आपूर्ति और घायलो की भीड़ के बीच इलाज के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वह मरीजों से खचाखच भरे फर्श, गलियारों और कमरो में इलाज करने के लिए मजबूर है। पर्याप्त चिकित्सा सामग्री के अभाव के बीच पट्टियों की जगह कपड़े, एंटीसेप्टिक के स्थान पर सिरका और सर्जरी के लिए कपड़े सिलने वाली सुई का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बात की अटकलें है कि ईरान समर्थित हिजबुल्ला उत्तरी इजराइल पर व्यापक पैमाने पर हमले कर इजराइल-हमास युद्ध में एक नया मोर्चा खोलने की कोशिश कर सकता है।

फलस्तीनियों के लिए 17 ट्रकों में राहत सामग्री की दूसरी खेप गाजा पहुंची

राफा (गाजा पट्टी)। फलस्तीनियो के लिए राहत सामग्री लेकर 17 ट्रकों का एक काफिला रविवार को गाजा मे दाखिल हुआ। पिछले दो दिन मे राहत सामग्री की यह दूसरी खेप गाजा पहुंची है। मिस्र के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सात अक्टूबर को हमास चरमपंथियों द्वारा दक्षिणी इजराइल में अप्रत्याशित हमले के बाद से गाजा के निवासी इजराइली नाकाबंदी का सामना कर रहे है, जिससे भोजन, पानी, दवाओ की किल्लत के साथ बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। इजराइल के हवाई हमलो के बीच घटते संसाधनो के कारण क्षेत्र के 20 लाख से अधिक निवासी बुनियादी जरूरत की चीजो के लिए संघर्ष कर रहे है।

इजराइल में मारे गए चार नेपाली छात्रों के शव काठमांडू लाए गए

काठमांडू। इजराइल मे हमास के हमले मे मारे गए नेपाल के चार छात्रो के शवो को काठमांडू लाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर को फलस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास द्वारा किए गए रॉकेट हमलो में 10 नेपाली छात्र मारे गए थे। हमास के रॉकेट हमलो के बाद इजराइली सेना ने जवाबी कार्वाई शुरू की थी। पहचान और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इजराइल सरकार ने तेल अवीव में स्थित नेपाल के दूतावास को हाल में चारों छात्रों के शव सौंप दिए थे। शनिवार सुबह जिन छात्रों के शवों को लाया गया, उनमे दारचूला के लोकेन्द्र सिंह धामी और दिपेश राज बिस्ता का शव भी शामिल है। विदेश मंत्री नारायण प्रकाश सऊद के मीडिया समन्वयक केशव सऊद ने कहा, कैलाली के रहने वाले नारायण प्रसाद नियुपाने का शव शुक्रवार को लाया गया था। कैलाली के ही आशीष चौधरी का शव शनिवार दोपहर यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। नेपाल सेना मुख्यालय के सूत्रो के मुताबिक, सभी चार शवों को पश्चिमी नेपाल के धनगढ़ी से शनिवार को सेना के एक हेलीकॉप्टर द्वारा हवाई मार्ग से लाया गया। शेष छह शवों की पहचान और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया जारी है।

बाइडेन ने भारतीय मूल की राजनयिक को इंडोनेशिया में अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल की राजनयिक कमला शिरीन लखधीर को इंडोनेशिया मे अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, लखधीर हाल ही मे राज्य विभाग की कार्यकारी सचिव थी। उन्होंने लगभग 30 वर्षो तक विदेश विभाग में सेवा की है। लखधीर के पिता नूर, 1940 के दशक मे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले मे पढ़ने के लिए मुंबई से अमेरिका चले आए थे। इससे पहले, लखधीर ने 2009 से 2011 तक उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट मे अमेरिकी महावाणिज्यदूत तथा 2017 से 2021 तक मलेशिया में राजदूत के रूप मे अपनी सेवाएं दी है। वह 1991 मे विदेश सेवा मे शामिल हुई थी तथा उन्होने दक्षिण पूर्व एशियाई मामलो के कार्यालय के निदेशक के रूप में कार्य किया, जिसमे इंडोनेशिया के साथ अमेरिकी संबंधो की जिम्मेदारी भी शामिल थी। बयान के मुताबिक, अपने करियर की शुरुआत मे वह पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलो के ब्यूरो मे ताइवान समन्वय स्टाफ की उप समन्वयक थी। इसके अलावा उन्होने चीन, इंडोनेशिया और सऊदी अरब में भी अपनी सेवाएं दी है। नेशनल म्यूजियम ऑफ अमेरिकन डिप्लोमेसी मे प्रकाशित एक साक्षात्कार मे लखधीर ने कहा था कि वह वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट मे पली-बढ़ी और अपने माता-पिता की वजह से अंतरराष्ट्रीय करियर बनाने के लिए प्रेरित हुईं। 1986 मे हार्वर्ड कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने दो साल तक चीन मे अध्यापन कार्य किया।

लेखक सलमान रुश्दी को मिला जर्मन पुरस्कार,

बर्लिन। लेखक सलमान रुश्दी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बिना शर्त रक्षा करने का रविवार को आह्वान किया। रुश्दी को उनकी साहित्यिक रचनाओ और उनके संकल्प के लिए एक प्रतिष्ठित जर्मन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के अनुसार ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक ने कहा कि यह ऐसा समय है जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हर तरफ से हमला हो रहा है। रुश्दी को फ्रैंकफर्ट के सेंट पॉल चर्च में आयोजित एक कार्यक्रम मे जर्मन बुक ट्रेड के शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हे यह सम्मान दशको की धमकियों और हिंसा के बावजूद अपना लेखन जारी रखने के लिए दिया गया। अमेरिका के न्यूयार्क शहर मे अगस्त, 2022 को एक कार्यक्रम के दौरान अंग्रेजी भाषा के प्रख्यात लेखक रुश्दी पर एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया था। भारत के मुंबई मे पैदा हुए और बुकर पुरस्कार से सम्मानित रुश्दी पश्चिमी न्यूयॉर्क के शुटाउका संस्थान मे एक कार्यक्रम के दौरान अपना व्याख्यान शुरू करने वाले ही थे कि तभी एक व्यक्ति मंच पर चढ़ा था और रुश्दी पर चाकू से हमला कर दिया। यह जर्मन पुरस्कार 1950 से दिया जा रहा है और इसके तहत 25 हजार यूरो (26,500 अमेरिकी डॉलर) दिए जाते है। जर्मन जूरी ने इस साल की शुरुआत मे कहा था कि वह रुश्दी को उनके संकल्प और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए सम्मानित किया जाएगा।

द.कोरिया, अमेरिका और जापान ने पहला त्रिपक्षीय हवाई अभ्यास किया

सियोल। उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते परमाणु खतरों की प्रतिक्रिया मे दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान की सेनाओ ने रविवार को अपना पहला त्रिपक्षीय हवाई अभ्यास किया। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की वायुसेना ने दी। दक्षिण कोरिया की वायुसेना ने एक बयान मे कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप के पास आयोजित प्रशिक्षण रक्षा सहयोग बढ़ाने और उत्तर कोरिया से खतरों के खिलाफ अपनी संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए तीन देशों के बीच पूर्व में हुए समझौते को लागू करने के लिए था। बयान में कहा गया है कि इस अभ्यास में अमेरिका का परमाणु हमला करने मे सक्षम बी-52 बमवर्षक और दक्षिण कोरिया तथा जापान के लड़ाकू विमान शामिल हुए। दक्षिण कोरिया और जापान, दोनों एशिया में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी है, जहां कुल मिलाकर लगभग 80,000 अमेरिकी सैनिक तैनात है।

हजारों फलस्तीन समर्थकों ने लंदन में निकाला विरोध मार्च

लंदन। इजराइल की ओर से गाजा पर जारी बमबारी को बंद करने की मांग को लेकर शनिवार को हजारों की संख्या में फलस्तीन समर्थकों ने बारिश के बीच लंदन में मार्च निकाला। ठीक इसी तरह दुनिया भर के अलग-अलग शहरों में लोगों ने बमबारी को रोकने के लिए आवाज बुलंद की। इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध का यह तीसरा सप्ताह है।संघर्ष के कारण गाजा में 10 लाख से अधिक लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। लंदन के व्हाइटहॉल तक मार्च निकालने से पहले फलस्तीन समर्थक यहां हाइड पार्क के पास मार्बल आर्क में एकत्र हुए थे। पुलिस का अनुमान है कि तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन में शामिल होने वाले प्रदर्शनकारियों की संख्या एक लाख तक थी। हाथों में फलस्तीनी झंडे लिए और गाजा पर बमबारी बंद करो के नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने इजराइल द्वारा गाजा पर किए जा रहे हमलों और बमबारी को बंद करने का आह्वान किया।

ब्रिटेन के मंत्री ने लंदन में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन के दौरान जिहाद के नारे लगाए जाने की निंदा की

लंदन। ब्रिटेन के एक मंत्री ने राजधानी मे फलस्तीन के समर्थन मे आयोजित प्रदर्शन के दौरान सड़को पर जिहाद के नारे लगाए जाने की रविवार को निंदा की। इस मामले मे अब तक 10 लोगो को गिरफ्तार किया जा चुका है। इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर फलस्तीनी लोगो के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शनिवार को लंदन, बर्मिंघम, कार्डिफ और बेलफास्ट मे विरोध प्रदर्शन किए गए। आप्रवासन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने स्काई न्यूज को बताया, लंदन की सड़कों पर जिहाद का नारा लगाना पूरी तरह से निंदनीय है और मैं इस तरह के दृश्य कभी नही देखना चाहता। उन्होंने कहा, यह आतंकवाद को बढ़ावा देने के समान है और कानून की पूरी ताकत से इससे निपटने की जरूरत है। पुलिस और क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) तय करे कि क्या आरोप लगाए जाएं... आतंकवाद रोधी कानून के तहत गिरफ्तारियां हुई है। और ब्रिटिश यहूदियों की रक्षा के लिए हम जो कुछ भी कर सकते है, करना चाहिए।

रूसी रॉकेट हमले में छह की मौत

भाषा। कीव

यूक्रेन के पूर्वी शहर खारकीव में एक मेल डिपो पर मिसाइल हमले में छह लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। खारकीव के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि शनिवार देर रात हुए विस्फोट में 16 अन्य लोग घायल भी हो गए। माना जाता है कि यह विस्फोट रूसी एस-300 रॉकेट के कारण हुआ है। इसमें हताहत हुए सभी लोग यूक्रेन के निजी डाक एवं कूरियर सेवा नोवा पोश्ता के कर्मचारी थे। कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा कि हवाई हमले का सायरन हमले के कुछ ही क्षण पहले बजा था, जिससे डिपो के अंदर मौजूद लोगों को आश्रय स्थल तक पहुंचने का समय नहीं मिला। कंपनी ने घोषणा की कि रविवार को शोक मनाया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने इस हमले को सामान्य नागरिक जरूरतों पर हमला बताया। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमें हर दिन रूसी आतंक का तगड़ा जवाब देने की आवश्यकता है। और, इससे भी अधिक, हमें इस आतंक से लड़ने के लिए वैश्विक एकता को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने लिखा, आतंकवाद और हत्याओं के माध्यम से रूस कुछ भी हासिल नहीं कर पाएगा। सभी आतंकवादियों के लिए अंतिम परिणाम एक ही है: जो उन्होने किया है, उन्हें उसका परिणाम भुगतना होगा। सिनीहुबोव ने कहा कि खारकीव क्षेत्र में कुपियांस्क शहर में रूसी गोलाबारी में तीन लोग घायल हो गए। यूक्रेन के कब्जे वाला सीमावर्ती शहर भयंकर लड़ाई के केंद्र में है क्योंकि मॉस्को और कीव दोनों बढ़ती सर्दी के बीच युद्ध के मैदान में अपनी अपनी जीत के लिए प्रयास कर रहे हैं। दक्षिणी यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि रूसी सेना ने पिछले 24 घंटों में देश के खेरसॉन क्षेत्र में रिकॉर्ड संख्या में हवाई बमों का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन की सेना के ऑपरेशनल कमांड साउथ की प्रवक्ता नतालिया हुमेनियुक ने कहा कि क्षेत्र में 36 मिसाइलें दर्ज की गई हैं जिनमें से कुछ गांवों पर कई हमले हुए।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में 6.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में रविवार को तेज भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। इस भूकंप के कारण 20 मकान नष्ट हो गए जबकि कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुबह सात बजकर 39 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र धाडिंग जिले में था। इस भूकंप में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। भूकंप के झटके बागमती और गंडकी प्रांतों के अन्य जिलों में भी महसूस किए गए। मीडिया में आई खबरों के अनुसार काठमांडू से 90 किलोमीटर पश्चिम में स्थित धाडिंग जिले के ज्वालामुखी देहात नगर पालिका में 20 मकान नष्ट हो गए और 75 अन्य मकान क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों के हवाले से सरकारी दैनिक द राइजिंग नेपाल ने अपनी खबरों में कहा है कि भूकंप के कारण और भी क्षति होने की सूचना है, क्योंकि भूकंप के बाद लगातार झटके महसूस किए गए हैं जिनकी तीव्रता चार या उससे अधिक मापी गई है। पूर्व वार्ड अध्यक्ष ने बताया कि भूकंप से हुई क्षति का आकलन जारी है। इस जिले में सुबह सात बजकर 39 मिनट पर आए तेज झटके के बाद 29 मिनट के अंदर भूकंप के चार झटके महसूस किए गए। स्थानीय निवासी राजेश अधिकारी ने बताया कि चार से अधिक तीव्रता वाले भूकंप के लगातार झटकों के कारण लोग अपने घरों से बाहर ही रहे। सूचना अधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकानों की विस्तृत जानकारी अभी एकत्र की जा रही है।

चीन ने 2022 में एलएसी पर सैनिकों की तैनाती, बुनियादी ढांचे का निर्माण बढ़ाया : पेंटागन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने भारत के साथ सीमा विवाद के बीच 2022 में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी थी और बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा, जिसमें डोकलाम के निकट भूमिगत भंडारण केंद्र, पैंगोंग झील पर दूसरा पुल और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास हवाई अड्डा तथा विभिन्न हेलीपैड का निर्माण शामिल है। भारत और चीन व्यापक राजनयिक व सैन्य वार्ताओं के बाद कई इलाकों से सैनिकों के वापस बुला चुके हैं, फिर भी दोनों देशों के सैनिकों के बीच पिछले तीन साल से पूर्वी लद्दाख के विभिन्न स्थानों पर टकराव जारी है। मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलपमेंट्स इन्वॉल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना रिपोर्ट, 2023 के अनुसार:मई 2020 की शुरुआत से, भारत-चीन सीमा पर निरंतर तनाव ने वेस्टर्न थिएटर कमांड का ध्यान आकर्षित किया। इस महीने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है, सीमा निर्धारण के संबंध में भारत और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के बीच अलग-अलग धारणाएं हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और दोनों पक्षों के हालिया बुनियादी ढांचे के निर्माण के कारण कई झड़पें हुईं, गतिरोध जारी रहा और साझा सीमा पर सैनिकों की तैनाती हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में चीन ने एलएसी पर सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा। रिपोर्ट के अनुसार, इस बुनियादी ढांचे में डोकलाम के पास भूमिगत भंडारण सुविधाएं, एलएसी के सभी तीन क्षेत्रों में नई सड़कें, पड़ोसी भूटान में विवादित क्षेत्रों में नए गांव, पैंगोंग झील पर दूसरा पुल, हवाई अड्डा और कई हेलीपैड शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून 2020 में गलवान घाटी में पीआरसी और भारतीय गश्ती दल के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद वेस्टर्न थिएटर कमांड ने भारी संख्या में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों को एलएसी पर तैनात कर दिया था। भारत और चीन के बीच सैनिकों के बीच 15 जून 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में भी एलएसी पर वेस्टर्न थिएटर कमांड की तैनाती जारी रहने की आशंका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच वार्ता में बहुत कम प्रगति हुई है क्योंकि दोनों पक्ष सीमा पर अपने-अपने क्षेत्र से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

राजनीतिक वापसी के लिए सरकारी मशीनरी का उपयोग करने पर विरोधियों ने की शरीफ की आलोचना

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ के चार साल के स्व-निर्वासन के बाद स्वदेश लौटने पर उनके विरोधी दलों ने उन पर राजनीतिक वापसी के लिए असंवैधानिक तरीकों और सरकारी मशीनरी का उपयोग करने का आरोप लगाया तथा उनकी आलोचना की।शरीफ अपनी पार्टी का नेतृत्व करने और जनवरी में संभावित आम चुनाव में रिकॉर्ड चौथी बार सत्ता में आने के प्रयास के तहत ब्रिटेन में चार साल के स्व-निर्वासन के बाद शनिवार को विशेष विमान के जरिए दुबई से स्वदेश लौट आए।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने शरीफ पर निशाना साधते हुए कहा, एक कायर भगोड़ा न्यायिक शरण में लौट रहा है। पार्टी ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय अपराधी की लंदन से वापसी की अनुमति देकर शर्म, हया, कानून और न्याय को अपने हर हाथों से दफन कर दिया है। शरीफ तीन बार प्रधानमंत्री रहे हैं, लेकिन 2017 में भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने के बाद उन्हें सत्ता से हटना पड़ा और उन्हें राजनीति से आजीवन अयोग्य घोषित कर दिया गया। पीटीआई के प्रवक्ता ने कहा, देश अपने अपराधी का स्वागत करने के लिए तैयार है, जिसे सरकार ने अपनाया है। लोग उन अपराधियों को जवाबदेह ठहराएंगे, जिन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी देश को लूटा है। बयान में यह भी दोहराया गया कि पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तत्काल कराने से देश को संकट से बाहर निकाला जा सकता है।

विवादित क्षेत्र में चीनी जहाजों ने फिलीपीन के एक तटरक्षक जहाज और आपूर्ति नौका को मारी टक्कर

भाषा। मनीला

फिलीपीन के अधिकारियों ने कहा कि एक चीनी तट रक्षक बल के एक जहाज और उसके एक मिलिशिया पोत ने रविवार को दक्षिण चीन सागर में एक विवादित तट पर उनके तटरक्षक जहाज और सेना की ओर से संचालित एक आपूर्ति नौका को दो अलग-अलग घटनाओं में टक्कर मार दी।फिलीपीन ने चीन के इस कृत्य को खतरनाक, गैर-जिम्मेदाराना और अवैध बताया है।अधिकारियों ने सेकंड थॉमस तट पर हुई इन घटनाओं में हताहत हुए लोगों और नुकसान की जानकारी नहीं दी।फिलीपीन के लंबे समय से संधि सहयोगी अमेरिका ने इन घटनाओं की निंदा की है। वहीं, फिलीपीन सरकार ने भी निंदा करते हुए इसे मनीला की संप्रभुता का उल्लंघन बताया। चीनी तट रक्षक ने कहा कि फिलीपीन के जहाजों ने बार-बार रेडियो चेतावनियों के बावजूद बिना अनुमति के चीनी जल क्षेत्र में प्रवेश किया जिससे उसके जहाजों को उन्हें रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। चीन ने विवाद के लिए फिलीपीन के जहाजों को दोषी ठहराया।चीनी तट रक्षक ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, "फिलीपीन पक्ष का व्यवहार समुद्र में विवाद से बचने के अंतरराष्ट्रीय नियमों का गंभीर उल्लंघन करता है और हमारे जहाजों की सुरक्षा को खतरे में डालता है। मनीला में अमेरिकी राजदूत मैरीके कार्लसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चीन के अयंगिन तट पर किए गए कृत्य की अमेरिका निंदा करता है जिससे फिलीपीन के सैन्य कर्मियों का जीवन खतरे में पड़ गया। फिलीपीन के एक सरकारी कार्य बल ने कहा कि वह आज सुबह फिलीपीन की संप्रभुता, संप्रभु अधिकारों और अधिकार क्षेत्र के उल्लंघन में चीनी तट रक्षक और चीनी समुद्री मिलिशिया की नवीनतम खतरनाक, गैर-जिम्मेदार और अवैध कार्वाइयों की कड़ी निंदा करते हैं। कार्य बल के एक बयान बताया कि रविवार सुबह हुई पहली घटना में चीन के तट रक्षक जहाज 5203 के खतरनाक अवरोधक युद्धाभ्यास के कारण फिलीपीन की सैन्य नाव से टक्कर हो गई। चीनी तट रक्षक जहाज की खतरनाक, गैरजिम्मेदार और अवैध कार्वाई ने चालक दल की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया था। वहीं, दूसरी घटना में फिलीपीन तट रक्षक जहाज बाईं ओर से चीनी मिलिशिया जहाज 00003 से टकरा गया।

भाजपा ने विधायक राजा सिंह का निलंबन रद्द किया, गोशमहल से दिया टिकट

भाषा। हैदराबाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के अपने विधायक टी. राजा सिंह का निलंबन रद्द कर दिया है और उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक बार फिर गोशमहल सीट से टिकट दिया गया है। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने रविवार को एक बयान में सिंह का निलंबन रद्द करने की जानकारी दी। राजा सिंह को एक सोशल मीडिया मंच पर अपलोड किए गए वीडियो में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणियों के बाद पिछले साल अगस्त में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। इस वीडियो को बाद में सोशल मीडिया मंच से हटा दिया गया था। उन्हें एहतियान हिरासत (पीडी) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने नवंबर 2022 में उनके खिलाफ लगाए गए पीडी अधिनियम को रद्द कर दिया था और बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। किशन रेड्डी ने बयान में कहा, भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति ने पार्टी द्वारा दिए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब में गोशमहल से विधायक टी राजा सिंह के स्पष्टीकरण पर विचार करने के बाद भाजपा से उनका निलंबन रद्द करने का निर्णय लिया है। यह सभी संबंधित लोगों की जानकारी के लिए है। सिंह ने वीडियो संदेश में अपना निलंबन वापस लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, महासचिव बी.एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी और राज्य के अन्य नेताओं को धन्यवाद दिया। सिंह को उनकी गोशमहल सीट से पुन: टिकट दिया गया है। तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होना है। सिंह ने एक्स पर लिखा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मुझे गोशमहल सीट से भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिए मैं भाजपा नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रचार करेंगे। राजा सिंह को उनके हिंदूवादी विचारों के लिए जाना जाता है। उनके खिलाफ हैदराबाद में कई मामले दर्ज हैं, जिनमें कथित सांप्रदायिक अपराधों से संबंधित मामले भी हैं।

पीएम मोदी ने अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी

● उन्हें उत्कृष्ट प्रशासक बताया

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और सरकार के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें एक उत्कृष्ट प्रशासक बताया ।शाह रविवार को 59 साल के हो गए। अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में इतिहास रचते हुए 300 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की थी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वह भारत की प्रगति और गरीबों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। उन्होंने एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और भारत के सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और सहकारी क्षेत्र को और विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भाजपा को मजबूत करने में उनकी भूमिका सराहनीय है। उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य नेताओं ने भी शाह को जन्मदिन की बधाई दी ।सिंह ने कहा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की आंतरिक सुरक्षा को चाक चौबंद रखने में वे बड़ी प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। अपने परिश्रम, दृढ़ता और इच्छाशक्ति के बल पर वे देश और समाज की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें और दीर्घायु करें। नडडा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय अमित शाह को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। राष्ट्र के लिए आपका अनन्य समर्पण, कर्मठता व संगठन कुशलता हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रेरणा है।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने तिरुमला में पूजा-अर्चना की

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने रविवार को तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। परिवार के सदस्यों के साथ नजीर ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना की और पुजारियों ने उन्हें शेष वस्त्रम (दिव्य आशीर्वाद के प्रतीक कपड़े का एक टुकड़ा) भेंट किया। इसके बाद वह आशीर्वाद लेने रंगनायकुला मंडपम में गए। राज्यपाल के आगमन पर पुजारियों, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी, कार्यकारी अधिकारी ए वी धर्म रेड्डी ने प्रवेश द्वार महा द्वारम पर उनका स्वागत किया। तीर्थस्थल के अधिकारियों ने नजीर को प्रसाद, देवता की एक लेमिनेटेड तस्वीर और टीटीडी का 2024 का कैलेंडर और डायरी भेंट की।

चक्रवात तेज भीषण चक्रवाती तूफान में बदला

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि अरब सागर में उठा चक्रवात तेज रविवार को बेहद भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया और यह यमन-ओमान तटों की ओर बढ़ रहा है। आईएमडी ने कहा कि चक्रवाती तूफान के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 24 अक्टूबर को दोपहर के आसपास अल गैदाह (यमन) तथा सलालाह (ओमान) के बीच यमन-ओमान तटों को पार करने का अनुमान है। भीषण चक्रवाती तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 115-125 किमी प्रति घंटे से लेकर 140 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसने एक बयान में कहा, भीषण चक्रवाती तूफान तेज अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। रविवार सुबह 8:30 बजे यह सोकोट्रा (यमन) से लगभग 160 किमी पूर्व-दक्षिण, सलालाह (ओमान) से 540 किमी दक्षिण-पूर्व और अल ग़ैदाह (यमन) से 550 किमी दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। आईएमडी ने यह भी कहा कि पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव सोमवार सुबह तक और अधिक तीव्र होकर गहरे दबाव में बदल सकता है। बयान में कहा गया कि इसके बाद अगले तीन दिन में बांग्लादेश और पास के पश्चिम बंगाल तटों तथा उत्तर-पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने का अनुमान है।

एलएंडटी का मुनाफा बढ़ा

मुंबई। एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स लिमिटेड ग्राहक केंद्रित टॉप क्लास डिजिटल रूप से सक्षम रिटेल एनबीएफसी बनने की दिशा में अपनी यात्रा को लगातार आगे बढ़ा रही है। 30 सितंबर 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 46 फीसदी बढ़कर 595 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के तिमाही नतीजों पर एलएंडटी फ इनेंस होल्डिंग्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ दीनानाथ दुभाषी ने कहा कि लक्ष्य 2026 के अधिकांश टारगेट को हासिल करने के बादए मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमने एक टॉप रिटेल फाइनेंस कंपनी बनने की दिशा में ट्रांसफॉर्मेशन को जारी रखा है। तिमाही के दौरान एलटीएफएच ना सिर्फ8 फीसदी के रिटेल पोर्टफोलियो मिक्स तक पहुंच गयाए बल्कि सालाना आधार पर 32 फीसदी की ग्रोथ दर्ज करते हुए 13,499 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट भी हासिल किया। इस उपलब्धि का श्रेय एक तरफ रिटेल एसेट बुक को मजबूती से बढ़ाने और दूसरी तरफ होलसेल बुक में तेज कमी सुनिश्चित करने की दोहरी रणनीति को दिया जाता हैए जबकि हमने टॉप क्लास की एसेट क्वालिटी को बनाए रखा है। कंपनी ने कुल लोन बुक का 88 फीसदी रिटेल लोन पोर्टफोलियो मिक्?स भी हासिल कर लिया हैए जो लक्ष्य 2026 के तहत निर्धारित 80 फीसदी रिटेलाइजेशन के टारगेट से अधिक है। कंपनी ने लक्ष्य 2026 के अधिकांश टारगेट लगभग 3 साल पहले ही हासिल कर लिए हैं।

इजराइल और हमास जिस मुद्दे पर लड़ रहे हैं, उस पर भारत में कभी संघर्ष नहीं हुआ : भागवत

भाषा नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि हिंदू धर्म सभी संप्रदायों का सम्मान करता है और भारत में कभी भी उन मुद्दों पर झगड़े नहीं हुए, जिनकी वजह से आज हमास–इजराइल के बीच युद्ध हो रहा है ।मोहन भागवत, छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे ।भागवत ने कहा, इस देश में एक धर्म, संस्कृति ऐसी है, जो सभी संप्रदायों और आस्थाओं का सम्मान करती है। वह है हिंदू धर्म। यह हिंदुओं का देश है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम अन्य सभी (धर्मों) को अस्वीकार करते हैं। यहां जब आप हिंदू कहते हैं तो यह बताने की जरूरत नहीं होती कि मुसलमानों को भी सुरक्षा दी गई है। केवल हिंदू ही ऐसा करते हैं। केवल भारत ही ऐसा करता है। दूसरे देशों में ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा, सभी जगह संघर्ष हो रहे हैं। आपने यूक्रेन युद्ध, हमास–इजराइल युद्ध के बारे में तो सुना ही होगा। हमारे देश में ऐसे मुद्दों पर कभी युद्ध नहीं हुए। शिवाजी महाराज के समय में हुआ आक्रमण उसी प्रकार का था। लेकिन हमने इस मुद्दे पर कभी किसी से लड़ाई नहीं लड़ी। इसीलिए हम हिंदू हैं।

कांग्रेस को उम्मीद, कड़े मुकाबले में 22 सीटों पर मुस्लिम वोट निर्णायक हो सकते हैं

मध्य प्रदेश

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की द्विदलीय राजनीति में मुस्लिम वोट का कारक भले ही उत्तर प्रदेश और बिहार जितना महत्व नहीं रखता, लेकिन अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर होने की स्थिति में कम से कम 22 सीट पर इस अल्पसंख्यक समुदाय के वोट अहम साबित हो सकते हैं। कांग्रेस से संबंध रखने वाली मध्यप्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के समन्वयक मोहम्मद माहिर ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी का मत प्रतिशत कम से कम तीन से चार प्रतिशत बढ़ा, जिसके कारण वह भाजपा से थोड़ा आगे निकल गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ ने 2018 में कहा था कि अगर 90 फीसदी अल्पसंख्यक वोट पार्टी के पक्ष में आते हैं तो पार्टी सरकार बना सकती है। माहिर ने कहा, कमलनाथ की अपील पर अल्पसंख्यकों के वोट कांग्रेस को मिले और इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी की झोली में 10-12 सीट और जुड़ गईं, जिन्हें पार्टी 2008 और 2013 में जीतने में विफल रही थी। पूर्ववर्ती चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत (41.02 प्रतिशत) कांग्रेस से (40.89 प्रतिशत) से थोड़ा अधिक रहा था, लेकिन कांग्रेस 230 सीट में 114 सीट पर जीत हासिल कर सबसे अधिक सीट हासिल करने वाली पार्टी बनी थी, जबकि भाजपा को 109 सीट मिली थीं। इसके बाद कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी, लेकिन कुछ विधायकों के दल बदल लेने के कारण 15 महीने बाद यह सरकार गिर गई थी। माहिर ने कहा, मध्य प्रदेश में जब मतदाता भाजपा से नाराज होते हैं, तो वे कांग्रेस सरकार को चुनते हैं और इसी प्रकार कांग्रेस से मतदाताओं के नाराज होने पर भाजपा की सरकार बनती है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, मध्य प्रदेश में मुस्लिम आबादी सात फीसदी है जो अब संभवतः नौ-10 फीसदी होनी चाहिए। मुस्लिम वोट 47 विधानसभा सीटों पर अहम हैं लेकिन 22 क्षेत्रों में वे निर्णायक कारक हैं। उन्होंने बताया कि इन 47 सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 5,000 से 15,000 के बीच हैं, जबकि 22 विधानसभा क्षेत्रों में इनकी संख्या 15,000 से 35,000 के बीच है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि कांटे की टक्कर की स्थिति में 22 सीट पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। इन सीट में भोपाल की तीन, इंदौर की दो, बुरहानपुर, जावरा और जबलपुर समेत अन्य क्षेत्रों की सीट शामिल हैं। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और भाजपा प्रवक्ता सांवर पटेल ने चुनावी राजनीति में मुस्लिम भागीदारी पर बात करते हुए कांग्रेस पर अल्पसंख्यकों को धोखा देने का आरोप लगाया। पटेल ने कहा, कांग्रेस राज्य में दो उम्मीदवार उतारकर (मुसलमानों के) 90-100 प्रतिशत मत चाहती है, भले ही उसने राज्य में अपने शासन के 53 वर्ष में (2003 तक) मुस्लिम समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने न केवल अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवारों को टिकट दिया है, बल्कि मुसलमानों की सामाजिक-आर्थिक वृद्धि भी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब वे पिछड़े हुए थे। वरिष्ठ पत्रकार गिरजा शंकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एवं बिहार की तरह मुस्लिम वोट मध्य प्रदेश की राजनीति को खास प्रभावित नहीं करेंगे, लेकिन बुरहानपुर, आष्टा, रतलाम और इंदौर में अल्पसंख्यक मतदाता प्रभावशाली हैं और जहां तक उनके वोट की सघनता का सवाल है, तो भोपाल एक अपवाद है।

सियाचिन में ड्यूटी करते वक्त अग्निवीर की मौत: सेना

भाषा। नई दिल्ली

सियाचिन में ड्यूटी के दौरान एक अग्निवीर की मौत हो गई। सेना की लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर ने रविवार को यह जानकारी दी। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और बल के सभी रैंक के कर्मियों ने महाराष्ट्र के अग्निवीर गवते अक्षय लक्ष्मण की मौत पर शोक व्यक्त किया है। काराकोरम पर्वतीय श्रृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन हिमनद को दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जहां सैनिकों को अत्यधिक ठंड और तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि लक्ष्मण की मौत का कारण क्या है। फायर एंड फ्यूरी कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, फायर एंड फ्यूरी कोर के सभी अधिकारी सियाचिन की दुर्गम ऊंचाइयों पर ड्यूटी के दौरान अग्निवीर (ऑपरेटर) गवते अक्षय लक्ष्मण के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

दुर्गापूजा के दौरान पूजा व हवन करते राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत

इसरो की मानवयुक्त मिशन के लिए लड़ाकू विमान महिला पायलटों को प्राथमिकता : सोमनाथ

भाषा। तिरुवनंतपुरम

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने रविवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी बहुप्रतीक्षित मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान मिशन के लिए लड़ाकू विमान उड़ाने वाली महिला पायलटों या महिला वैज्ञानिकों को प्राथमिकता देती है और भविष्य में उन्हें भेजना संभव होगा। उन्होंने कहा कि इसरो अगले साल अपने मानव रहित गगनयान अंतरिक्ष यान में एक महिला ह्यूमनॉइड (एक रोबोट जो मानव जैसा दिखता है) भेजेगा। उन्होंने कहा कि इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान मिशन के लिए मानव को 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष में भेजना और पृथ्वी पर सुरक्षित वापस लाना है। सोमनाथ ने फोन पर एक सवाल के जवाब में पीटीआई–भाषा से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है...लेकिन हमें भविष्य में ऐसी संभावित (महिला) उम्मीदवारों का पता लगाना होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा

● नौकरशाही के राजनीतिकरण को लेकर चिंता जताई

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि अधिकारियों को सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों का प्रचार करने का हालिया आदेश नौकरशाही का राजनीतिकरण है। उन्होंने कहा कि इसे वापस लिया जाना चाहिए। अपने पत्र में खरगे ने 18 अक्टूबर को जारी सरकारी आदेश पर आपत्ति जताई और दावा किया कि आदेश में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे उच्च रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को देश के सभी 765 जिलों में रथ प्रभारी के रूप में तैनात किया जाना है, जो भारत सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों का प्रचार करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने नौ अक्टूबर, 2023 के रक्षा मंत्रालय के एक अन्य आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें वार्षिक छुट्टी पर गए जवानों को सैनिक राजदूत बनाते हुए सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार में समय बिताने का निर्देश दिया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ अधिकारियों को मौजूदा सरकार की प्रचार गतिविधि में लगाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, यह केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का स्पष्ट उल्लंघन है, जो निर्देश देता है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लेगा। कांग्रेस नेता ने कहा, हालांकि, सरकारी अधिकारियों द्वारा सूचना प्रसारित करना स्वीकार्य है, लेकिन उन्हें जश्न मनाने और उपलब्धियों का प्रचार करने के लिए मजबूर करना, उन्हें स्पष्ट रूप से सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक कार्यकर्ता में बदल देता है। कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया, यह तथ्य कि केवल पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, इस बात को उजागर करता है कि यह पांच राज्यों के चुनावों और 2024 के आम चुनावों के लिए साफ तौर पर एक राजनीतिक आदेश है। उन्होंने कहा कि यदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को वर्तमान सरकार की प्रचार गतिविधि में लगाया जा रहा है, तो देश का शासन अगले छह महीनों के लिए ठप हो जाएगा। खरगे ने प्रधानमंत्री से कहा, हमारे लोकतंत्र और हमारे संविधान की रक्षा के मद्देनजर यह जरूरी है कि उपरोक्त आदेशों को तुरंत वापस लिया जाए। वहीं, कांग्रेस की आपत्ति पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि सार्वजनिक सेवा का प्रसार उसके (कांग्रेस) लिए एक अनूठी अवधारणा हो सकता है क्योंकि उसकी एकमात्र रुचि गरीबों को गरीबी में रखना है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह देखकर हैरानी होती है कि कांग्रेस पार्टी को लोकसेवकों के योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर तक पहुंचने से परेशानी है। उन्होंने पूछा, अगर यह शासन का मूल सिद्धांत नहीं, तो और क्या है? कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, मोदी सरकार के लिए, सरकार की सभी एजेंसियां, संस्थान, प्रतिष्ठान और विभाग अब आधिकारिक तौर पर प्रचारक हैं। खरगे ने पत्र साझा करते हुए कहा, हमारे लोकतंत्र और हमारे संविधान की रक्षा के मद्देनजर, यह जरूरी है कि नौकरशाही और हमारे सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण को बढ़ावा देने वाले आदेशों को तुरंत वापस लिया जाए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी एक्स पर यह पत्र साझा किया और कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी ने प्रधानमंत्री को नौकरशाहों और सैनिकों के हो रहे जबरदस्त राजनीतिकरण पर लिखा है।

क्विक न्यूज

मोइत्रा मामले में निशिकांत दुबे ने कहा, 24 अक्टूबर तक संघर्ष विराम

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा पर सवाल पूछने के बदले पैसे लेने का आरोप लगाकर लगातार निशाना साध रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को कहा कि वह 24 अक्टूबर को दशहरे तक संघर्ष विराम रखेंगे। दुबे को महुआ के खिलाफ लगाए गए इस आरोप के संबंध में अपना बयान दर्ज कराने के लिए 26 अक्टूबर को लोकसभा की आचार समिति के सामने पेश होना है कि उन्होंने (महुआ ने) संसद में सवाल पूछने के बदले उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी से लाभ लिया था। महुआ खुद पर लगे आरोपों को खारिज करती रही है और उन्होंने दावा किया है कि भाजपा अडाणी समूह के इशारे पर उन्हें निशाना बना रही है। महुआ संसद के अंदर और बाहर अडाणी समूह पर निशाना साधती रही है। दुबे ने एक्स पर लिखा, दुर्गा पूजा के पावन अवसर के चलते मैं आज अष्टमी से 24 अक्टूबर को दशमी तक के लिए अपनी ओर से संघर्ष विराम कर रहा हूं। दुबे ने इस मामले में शनिवार को लोकपाल के समक्ष महुआ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई के आरोपों के बाद महुआ ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर भाजपा सांसद पर मानहानि का आरोप लगाया है। दुबे की शिकायत को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद की आचार समिति को भेज दिया है। रियल एस्टेट से लेकर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले समूह हीरानंदानी के सीईओ दर्शन हीरानंदानी ने हाल ही में एक हस्ताक्षरित हलफनामे में दावा किया था कि उन्होंने (महुआ ने) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम और शर्मिंदा करने के लिए गौतम अडाणी को निशाना बनाया था। हालांकि, महुआ ने हीरानंदानी के हलफनामे की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इसे पीएमओ द्वारा तैयार किया गया था और उनके परिवार के कारोबार कौ पूरी तरह से बंदै करने की धमकी देकर उन्हे इस पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था।

देश में 86 बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार सामान्य स्तर से 25 प्रतिशत से भी कम

नई दिल्ली। देश मे 86 ताप बिजली संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर तक कोयले भंडार गंभीर स्तर पर था। इनमे से छह संयंत्र आयातित ईंधन पर आधारित है। केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। किसी बिजली संयंत्र में कोयला भंडार की स्थिति तब गंभीर मानी जाती है, जब उसके पास कोयले का भंडार सामान्य स्तर की तुलना मे 25 प्रतिशत से भी कम रह जाता है। सीईए की 18 अक्टूबर 2023 की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, देश मे निगरानी वाले 181 ताप बिजली संयंत्रों में से 86 में कोयला भंडार की स्थिति गंभीर है। इन 86 में से छह आयातित कोयला आधारित संयंत्र है। सीईए देश मे 206 गीगावॉट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 181 कोयला आधारित ताप बिजली संयंत्रों की निगरानी करता है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 149 गीगावाट की कुल क्षमता वाले कोयला खानों से दूर स्थित 148 घरेलू कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार सामान्य स्तर के 29 प्रतिशत से कम है। इन 148 संयंत्रो के पास 18 अक्टूबर 2023 तक 4.35 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले लगभग 1.27 करोड़ टन कोयला था। वही 18 खानो के पास स्थित कोयला आधारित संयंत्रों की स्थिति बेहतर है। इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर की तुलना मे 81 प्रतिशत कोयला है। इन 18 संयंत्रों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 40 गीगावाट है। विशेषज्ञो का मानना है कि आमतौर पर कोयला खानों के पास स्थित संयंत्रों मे शुष्क ईंधन स्टॉक की स्थिति गंभीर नही होती है। वही जो संयंत्र कोयला खानों के पास नही है, उनके लिए कोयला दूरदराज से पहुंचाना पड़ता है। सीईए की निगरानी के तहत आने वाले 15 आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों मे कोयला भंडार की स्थिति बेहतर थी।

मध्यान्ह भोजन से बच्चों के भविष्य को संवारने का प्रयास के लिए अक्षयपात्र को मदद

नई दिल्ली। अग्रणी कृषि समाधान प्रदाता एडमा इंडिया ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूली बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के अक्षय पात्र फाउंडेशन के मिशन का समर्थन किया। एडमा इंडिया लोगों को पोषण प्रदान करने और अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने पर केंद्रित दृष्टिकोण के साथ किसानों का साथ देने के लिये और उनके उज्जवल भविष्य के लिए योगदान करने पर गर्व महसूस करती है। इस सहयोग के द्वारा एडमा इंडिया की अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रेखांकित हुई है। महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूदए कंपनी ने बेल्लारी,श्रीकाकुलम, नागपुर और बारां सहित सबसे दूरदराज के इलाकों में पहुंचकर 4000 हैप्पीनेस किट प्रदान किये। विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रहे परिवारों के लिए ये किट आशा और राहत लेकर आईं। इसके अलावा, महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रयासों में योगदान देते हुए एडमा ने लखनऊ, गोरखपुर और गुंटूर में स्वच्छता किट प्रदान करके अपने सहयोग को बढ़ावा दिया । वित्तीय वर्ष 2021.22 मेंए मंगलागिरी पर हैप्पीनेस किट, सैनिटाइजेशन किट और मिड-डे मील कार्यक्रम के लिए एडमा इंडिया का कुल प्रायोजित योगदान 30.98 लाख रुपयों का था। यह प्रतिबद्धता वित्तीय वर्ष 2022-23 तक जारी रहीए जिसमें कुल 31.72 लाख रुपयों का प्रायोजित योगदान किया गया। जिसमें 15.86 लाख रुपये प्रत्येक की लागत वाले दो वाहनों का दान भी शामिल था। रमेश रेड्डी हेड ऑफ़सेल्स . नॉर्थ एडमा इंडिया कंपनी के इथोस को व्यक्त करते हुए कहते हैं कि एडमा में हम किसानों के साथ मिलकर काम करने और उनकी फसलों की रक्षा करने में उनकी मदद करने में गर्व महसूस करते हैं।

रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी को मिला सैन्य साजो-सामान के लिए अनुरोध प्रस्ताव

गुवाहाटी। रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) को देश मे विकसित कई सैन्य साजो-सामान के लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) प्राप्त हुआ है और भारतीय थलसेना की पूर्वी कमान, कंपनी के कई उत्पादों को परख रही है। कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे उत्पादों में कपड़ों के अलावा पर्वतारोहण के दौरान इस्तेमाल होने वाले जूते एवं क्रैम्पटन (बर्फीले स्थानों पर चलने मे मदद करने वाले कंटीले तले वाले जूते), बर्फ पाइटन (कील या खूंटी, जो सहारा लेने के लिए बर्फ की सतह पर लगाई जाती है), हथौड़ा पाइटन, ऊंचे स्थानों पर सोने के लिए बैग और बहुउद्देशईय बैग शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना की उत्तरी कमान से अनुरोध प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जबकि पूर्वी कमान उच्च गुणवत्ता वाले कई उत्पादों को जमीनी स्तर पर परख रही है। टीसीएल को पूर्ववर्ती आयुध निर्माणी बोर्ड से अलग कर बनाया गया था और इसने अक्टूबर 2021 मे एक अलग इकाई के रूप मे कार्य करना शुरू किया था। टीसीएल के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर अत्यधिक ठंडे स्थानों मे तैनात अपने कर्मियों के लिए आवश्यक विशेष साजो-सामान देश मे विकसित कर रहे है। उन्होंने कहा, हम इनमें से अधिकतर साजो-सामान या प्रमुख उपकरणों का अब तक आयात कर रहे थे। अब हम अपनी प्रौद्योगिकी से उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे है।

लंबित मामले निपटाने को सक्रिय कदम उठाने की जरूरत है: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि लंबित मामलों को निपटाने और सुनवाई टालने के तरीकों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने की तत्काल जरूरत है। न्यायालय ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि न केवल सभी स्तरों पर लंबित मामलों के निपटारे के लिए सक्रिय कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है, बल्कि त्वरित न्याय चाहने वाले वादियों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सुनवाई टालने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाने के लिए सभी हितधारकों को आत्मनिरीक्षण करने की भी जरूरत है। न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट (सेवानिवृत्त) और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने शुक्रवार को दिए गए आदेश में जिला और तालुका स्तर की सभी अदालतों को समन की तामील कराने, लिखित बयान दाखिल करने, दलीलों को पूरा करने, याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार या इनकार करने की रिकॉर्डिंग और मामलों के त्वरित निपटारे आदि के निर्देश दिए। पीठ ने पांच साल से अधिक समय से लंबित पुराने मामलों की लगातार निगरानी के लिए संबंधित राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों द्वारा समितियों के गठन का भी निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि लोग न्याय की आस मे अपने वाद दायर करते है, इसलिए सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी है कि न्याय मिलने मे देरी के कारण इस प्रणाली मे लोगों का विश्वास कम न हो। उसने कहा, न केवल सभी स्तरों पर लंबित मामलों को निपटारे के लिए सक्रिय कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है, बल्कि त्वरित न्याय चाहने वाले वादियों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सुनवाई टालने के जिम्मेदार तरीकों पर अंकुश लगाने के लिए सभी हितधारकों द्वारा आत्मनिरीक्षण करने की भी जरूरत है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि इस बात पर गौर करना आवश्यक है कि भारत मे लगभग छह प्रतिशत आबादी मुकदमेबाजी मे उलझी हुई है, ऐसे मे अदालतों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

जीवन की कड़ी चुनौतियों के बावजूद न्यायिक परीक्षा उत्तीर्ण कर न्यायाधीश बने कई युवा

चंडीगढ़। खरड़ मे एक गांव मे रहने वाली परमिंदर कौर, तरनतारन जिले के एक गांव के निवासी नवबीर सिंह, मुक्तसर जिले के छोटे से कस्बे गिदड़बाहा मे रहने वाली साक्षी अरोड़ा और मलेरकोटला की गुलफाम सैयद पंजाब के उन कई युवाओं मे शामिल है, जिन्होंने आर्थिक तंगी और अन्य तमाम बाधाओं के बावजूद हौसला नही हारा और पंजाब सिविल सेवा (न्यायिक) परीक्षा उत्तीर्ण कर न्यायाधीश बनने का अपना सपना साकार किया। इन चयनित परीक्षार्थियो को दीवानी न्यायाधीश (कनिष्ठ प्रभाग) सह न्यायिक मजिस्ट्रेट के पदों पर भर्ती किया गया है। एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर कार्यरत सरमुख सिंह की बेटी परमिंदर कौर एक साधारण से कमरे मे रहती थी जिसमे पंखा तक नही था और वह सर्दियो मे अपने दरवाजे से गद्दा सटाकर रखा करती थी, ताकि सर्द हवाओ से स्वयं को बचा सकें लेकिन उन्होंने गरीबी को अपनी दृढ इच्छा शक्ति मे बाधा नही बनने दिया। परमिंदर ने कहा, आज जब मै पीछे मुड़कर देखती हूं कि उन सर्द रातों का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होने मुझे सोने नही दिया और मुझे पढ़ने के लिए और समय मिल गया। इसी प्रकार, एक इलेक्ट्रीशियन के बेटे नवबीर सिंह भी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों मे शामिल है। नवबीर ने कहा, मेरे पिता एक निजी इलेक्ट्रीशियन और मेरी मां गृहिणी हैं, जो परिवार की मदद करने के लिए पहले कपड़े सिला करती थी।

गिल के बल्ले से निकले सबसे तेज रन

● वनडे में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

● 38 पारियों में यह मुकाम हासिल किया

भाषा। धर्मशाला

भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। गिल ने 38 पारियों में यह मुकाम हासिल किया और दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। चौबीस साल के गिल को आज यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 14 रन की जरूरत थी। उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय पारी के सातवें ओवर में हासिल की जब उन्होंने ट्रेंट बोल्ट पर चौका लगाया। हालांकि गिल 14वें ओवर में 31 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर कैच थमाया।

चोट का डर : आउटफील्ड पर भारतीय खिलाड़ी डाइव लगाने से बचते दिखे

धर्मशाला। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को विश्व कप के मैच के दौरान यहां एचपीसीए (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ) स्टेडियम की खराब आउटफील्ड एक बार फिर से सुर्खियों रही क्योंकि भारत के कई खिलाड़ी चोट से बचाव के लिए डाइव लगाने से कतराते दिखे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत में डाइव लगाने का प्रयास किया और उनकी उंगली में चोट लग गई। रोहित को इलाज के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह हालांकि बाद में टीम का नेतृत्व करने के लिए वापस लौट आए।मैच के 35वें ओवर में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फाइन लेग की दिशा में गेंद का पीछा करते समय डाइव लगाने से बचने का फैसला किया और न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को इससे चार रन मिले। इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट इस मैदान की खराब आउटफील्ड पर निराशा जता चुके है। बटलर ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले नौ अक्टूबर को कहा था, आउटफील्ड को लेकर चिंताएं है। मेरे विचार से यह खराब आउटफील्ड है। इस पर फील्डिंग के दौरान काफी सावधानी बरतनी होगी। आप एक एक रन बचाने के लिए डाइव करना चाहते है लेकिन यहां उससे बचना होगा। यह वैसी आउटफील्ड नहीं है जैसी आईपीएल के दौरान देखने को मिलती है।

कोहरे ने थोड़ी देर की डाली रुकावट, मैच दोबारा शुरू

धर्मशाला। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी विश्व कप क्रिकेट मैच को रविवार को यहां मेजबान टीम की पारी के दौरान घने कोहरे के कारण कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। न्यूजीलैंड के 274 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 15.4 ओवर में जब दो विकेट पर 100 रन बनाए लिए थे तब मैदान पर अचानक घना कोहरा छा गया और अंपायरों को मैच रोकने को बाध्य होना पड़ा। लगभग 15 मिनट के बाद हालांकि कोहरा हटने के बाद खेल दोबारा शुरू हो गया। खेल रोकने जाने के समय भारत को जीत के लिए 34.2 ओवर में 174 रन की दरकार थी। श्रेयस अय्यर 21 जबकि विराट कोहली सात रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा 46 जबकि शुभमन गिल 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दोनो ने पहले विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। दोनो को तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। न्यूजीलैंड की टीम ने इससे पहले डेरिल मिशेल के 130 और रचिन रविंद्र के 75 रन और दोनो के बीच तीसरे विकेट की 159 रन की साझेदारी से 273 रन बनाए थे।

स्कोरबोर्ड

न्यूजीलैंड: कॉनवे का अय्यर बो सिराज 00,यंग बो शमी 17,रविंद्र का गिल बो शमी 75,मिशेल का कोहली बो शमी 130, लैथम पगबाधा बो कुलदीप 05,फिलिप्स का रोहित बो कुलदीप 23, चैपमैन का कोहली बो बुमराह 06,सेंटनर बो शमी 01, हेनरी बो शमी 00, फर्ग्युसन रन आउट 01, बोल्ट नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 15,**कुल:** 50 ओवर में सभी विकेट खोकर: 273 रन,**विकेट पतन:** 1-9, 2-19, 3-178, 4-205, 5-243, 6-257, 7-260, 8-260, 9-273,**गेंदबाजी:** बुमराह 10-1-45-1,सिराज 10-1-45-1,शमी 10-0-54-5,जडेजा 10-0-48-0,कुलदीप 10-0-73-2

भारत: रोहित बो फर्ग्युसन 46, गिल का मिशेल बो फर्ग्युसन 26, कोहली का फिलिप्स बो हेनरी 95,अय्यर का कॉनवे बो बोल्ट 33, राहुल पगबाधा बो सेंटनर 27,सूर्यकुमार रन आउट 02,जडेजा नाबाद 39, शमी नाबाद 01,**अतिरिक्त:** 05,**कुल:** 48 ओवर में छह विकेट पर: 274 रन,**विकेट पतन:** I-71, 2-76, 3-128, 4-182, 5-191, 6-269, **गेंदबाजी:** बोल्ट 10-0-60- I, हेनरी 9-0-55- I,सेंटनर10-0-37- I,फर्ग्युसन 8-0-63-2,रविंद्र 9-0-46-0, फिलिप्स 2-0-12-0

भारत घरेलू धरती पर कप का प्रबल दावेदार : टेलर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रोस टेलर का मानना है कि भारतीय टीम अपनी घरेलू धरती पर पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है और वह विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने अपने पहले चारो मे जीतकर विश्व कप मे शानदार शुरुआत की है। टेलर ने आईसीसी के लिए अपने कॉलम मे लिखा, भारतीय टीम घरेलू परिस्थितियो मे पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है और उन्होने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। प्रतियोगिता के वर्तमान चरण मे वह खिताब की प्रबल दावेदार नजर आती है। भारत ने अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो विभाग मे अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म मे चल रहे है जबकि गेंदबाजी मे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तथा स्पिनर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जसप्रीत बुमराह बहुत अच्छी तरह से आक्रमण की अगुवाई कर रहे है जबकि कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा वास्तव मे अच्छी गेंदबाजी कर रहे है। उसके शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजो ने हमेशा उपयोगी योगदान दिया है। आप हमेशा अपने चोटी के तीन बल्लेबाजो से अच्छे स्कोर की उम्मीद नही कर सकते लेकिन अब लगता है कि उनको श्रेयस अय्यर और केएल राहुल के रूप मे चौथे और पांचवे नंबर पर भी अच्छे बल्लेबाज मिल गए है।

नासिर हुसैन की इंग्लैंड को सलाह: सही फैसले करो और आंकड़ों पर भरोसा मत करो

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि परिस्थितियो को समझने के बजाय आंकड़ो पर भरोसा करने के कारण वर्तमान विश्व कप मे उनके देश की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड को शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के हाथो 229 रन से हार का सामना करना पड़ा जो वनडे क्रिकेट मे उसकी सबसे बड़ी हार है। वर्तमान टूर्नामेंट मे उसकी टीम की यह तीसरी हार है। हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, इंग्लैंड लगातार गलत फैसले कर रहा है। हमने टॉस जीता और हमारी टीम का संतुलन गलत था। टीम मे तीन बदलाव करने से इंग्लैंड वैसी क्रिकेट नही खेल पाया जैसे वह वर्षो से खेलता रहा है। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के लिए लियाम लिविंगस्टोन, सैम कुरेन और क्रिस वोक्स की जगह बेन स्टोक्स, डेविड विली और गस एटकिंसन को अंतिम एकादश मे शामिल किया था। हुसैन ने कहा, वोक्स लय मे नही है और सपाट पिच पर आप उन्हे बाहर करके स्टोक्स को टीम मे रखते है। मै इस फैसले से सहमत हू। मुझे टॉस का फैसला और आंकड़ो पर निर्भरता पसंद नही है। इंग्लैंड को उन फसलो को सही करना होगा जो वह मैदान से बाहर कर रहा है। टीम का प्रदर्शन बहुत अच्छा नही रहा है लेकिन आपको मैदान के बाहर सही फैसले करने होगे।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट को पाक पर जीत की उम्मीद

चेन्नई। अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट को उम्मीद है कि उनकी टीम सोमवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करके एक दिवसीय विश्व कप मे अपने अभियान को जीवंत बनाए रखेगी। उन्होने कहा कि इन दोनो टीमो के बीच कड़ी प्रतिद्वंदिता रही है जिससे यह मैच बेहद रोमांचक होने की संभावना है। ट्रॉट ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मेरा मानना है कि यह उनके (अफगानिस्तान) लिए प्रतिद्वंदिता रही है जो उन्हे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। यह ऐसी प्रतिद्वंदिता है जिसको लेकर अतीत मे काफी जुनून रहा है। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि कल आपको रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। यह प्रतिद्वंदिता की प्रकृति है। दोनो टीम एक दूसरे का सम्मान करती है लेकिन वे जीत के लिए बेताब है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ अगस्त मे खेली गई तीन मैचो की वनडे श्रृंखला मे 3-0 से जीत दर्ज की थी। बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम ने हालांकि दूसरे वनडे मे एक विकेट के मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। हमने हाल मे उनके खिलाफ वनडे श्रृंखला खेली थी जिसमे हमे कुछ मैच जीतने चाहिए थे। हम ऐसा नही कर पाए। हम कल इसमे सुधार कर सकते है।

बल्ले से बड़ा योगदान देने के लिए तैयार है यानसन

मुंबई। क्रिकेट जगत भले ही इंग्लैंड के खिलाफ मार्को यानसन की 42 गेंदो पर खेली गई 75 रन की तूफानी पारी से हैरान हो लेकिन दक्षिण अफ्रीका का यह क्रिकेटर खुद को एक ऑलराउंडर के तौर पर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनका मानना है कि कभी सलामी बल्लेबाज के रूप मे खेलने का उनका अनुभव इसमे काम आएगा। यानसन ने दक्षिण अफ्रीका की इंग्लैंड के खिलाफ 229 रन की बड़ी जीत मे अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक बनाया। उन्होने हेनरिक क्लासेन (109) के साथ छठे विकेट के लिए 151 रन की रिकार्ड साझेदारी की। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यानसन ने बाद मे दो विकेट भी लिए। मै अपने क्रिकेट करियर के शुरू मे पारी का आगाज करता था। मै बल्लेबाजी का बहुत लुत्फ उठाता रहा हू। हो सकता है कि अन्य बल्लेबाजो की तरह मेरी बल्लेबाजी आर्कषक न हो लेकिन मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है और मै इस पर कड़ी मेहनत करने की कोशिश करता हू। यानसन ने कहा कि उनकी टीम ने 7 विकेट पर 399 रन के विशाल स्कोर के बारे मे नही सोचा था। हम जानते थे कि विकेट खराब नही है। जब मै क्लासेन का साथ देने के लिए उतरा तो उसने केवल रणनीति पर बात की। हमने कभी नही सोचा था कि हम 400 रन के पास पहुंचेगे। हमारा लक्ष्य 320 से 350 रन तक बनाने का था।

यह दुनिया को बताने का समय है कि दक्षिण अफ्रीकी दबाव में कितना अच्छा खेलते हैं : क्लासेन

मुंबई। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियो की मौजूदगी के बावजूद कभी 50 ओवर का विश्व कप नही जीतने वाला दक्षिण अफ्रीका खुद पर लगे चोकर्स (दबाव मे बिखरने वाले) का ठप्पा मिटाने के लिए पूरी तरह से तैयार है और उसके स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा कि अब दुनिया को यह बताने का समय आ गया है कि वह दबाव मे कितना अच्छा खेलते है। दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ 229 रन से बड़ी जीत दर्ज की। उसने इंग्लैंड के सामने 400 रन का लक्ष्य रखा था। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने एक अन्य मैच मे 400 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। इंग्लैंड के खिलाफ 67 गेंद पर 109 रन की शानदार पारी खेलने वाले क्लासेन का का मानना है कि इन दोनो मैच मे उनकी टीम ने दिखाया कि वह दबाव मे कितना अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। क्लासेन ने मैच के बाद संवाददाताओ से कहा, जब विश्व कप मे हमारे प्रदर्शन की बात आती है तो किसी ने हम पर यह ठप्पा लगा दिया है लेकिन हमने अच्छी क्रिकेट खेली है। भाग्य हमारे साथ नही रहा है और निश्चित तौर पर कुछ मैचो मे हम अपनी रणनीति के अनुसार प्रदर्शन नही कर पाए। लेकिन अगर आप हमारे प्रदर्शन पर गौर करो तो हमने विश्व कप के इतिहास मे कुछ बहुत अच्छे मैच खेले है। यह कोई हैरानी की बात नही है कि हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे है। क्लासेन ने कहा, हमारी वर्तमान टीम पिछले तीन वर्षो से अच्छा क्रिकेट खेल रही है। हमारे सभी खिलाड़ी परिपक्व है और अब दुनिया को यह बताने का समय है कि दक्षिण अफ्रीकी दबाव की परिस्थितियो मे बहुत अच्छा प्रदर्शन करते है। हमने पहले भी ऐसा किया है। क्लासेन ने इस साल का अपना तीसरा शतक लगाया लेकिन मुंबई की गर्म और उमस भरी परिस्थितियो मे खेली गई अपनी इस पारी को उन्होने सर्वश्रेष्ठ करार दिया।

वीजा मुद्दों के कारण बशुंधरा किंग्स का एएफसी मैच अधर में

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट्स का मंगलवार को भुवनेश्वर मे बशुंधरा किंग्स के खिलाफ एएफसी कप के ग्रुप चरण के मैच पर अनिश्चिता बरकरार है क्योकि वीजा मुद्दो के कारण बांग्लादेश का यह क्लब अभी तक भारत नही पहुंच सका है। टूर्नामेंट दिशानिर्देशो के अनुसार विदेशी टीम को दो दिन पहले पहुंचना होता है। बांग्लादेश के इस क्लब के खिलाड़ी वीजा नही मिलने के कारण अभी ढाका मे है। सूत्रो के मुताबिक बशुंधरा किंग्स भारत के लिए डबल-एंट्री वीजा (दो बार भारत मे प्रवेश की मंजूरी) चाहता था क्योकि उसे इस देश मे दो मैच खेलने है लेकिन एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) ने सिंगल एंट्री के लिए निमंत्रण दिया था। बशुंधरा का दूसरा मैच मोहन बागान के खिलाफ मैच के 50 दिन बाद 11 दिसंबर को ओडिशा एफसी के खिलाफ है। एआईएफएफ ने हालांकि बाद मे 20 सितंबर को डबल-एंट्री वीजा के लिए निमंत्रण दिया। क्लब के अध्यक्ष मोहम्मद इमरुल हसन के अनुसार, वीजा के लिए नियुक्ति की तारीख एक नवंबर निर्धारित की गई है। हसन ने एशियाई फुटबॉल परिसंघ की अनुशासनात्मक और नैतिक समिति को लिखा, हमने पहले ही अपने टिकट बुक कर लिए है और उड़ान 22 अक्टूबर 2023 को सुबह 10.15 बजे की थी। इसके बारे मे सभी पक्षो को सूचित कर दिया गया था। हमने टीम के लिए होटल की बुकिंग भी कर ली है। सभी बुकिंग अग्रिम भुगतान के साथ की गई थी और अब उसमे बदलाव करना संभव नही है। कम समय मे इतनी अधिक मात्रा मे दोबारा टिकट मिलना संभव नही है।

दीक्षा वुमेन इंडिया ओपन में तीसरे स्थान पर रहीं, एलिन ने जीता खिताब

गुरुग्राम। भारत की दीक्षा डागर ने हीरो महिला इंडियन ओपन के चौथे दौर मे रविवार को यहां दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह कुल आठ अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। जर्मनी की एलिन क्राउटर (68) ने स्वीडन की सारा केजेलकर (71) की शुरुआती चुनौती को पार करते हुए लेडीज यूरोपियन टूर पर अपना पहला खिताब जीता। दीक्षा ने शुरूआती नौ होल मे दो बोगी के मुकाबले पांच बर्डी लगाए लेकिन आखिरी नौ होल मे वह इस लय को बरकरार नही रख सकी। उनका कुल स्कोर आठ अंडर 280 रहा। एलिन 15 अंडर का शानदार स्कोर बनाकर सारा (10 अंडर) को बड़े अंतर से पीछे छोड़ने मे सफल रही। दीक्षा इस प्रदर्शन के बाद एलईटी की रेस टू कोस्टा डेल सोल में चौथे से दूसरे स्थान पर आ जाएगी। वह ऑर्डर ऑफ मेरिट मे शीर्ष पर काबिज फ्रांस की सेलीन बाउटियर से लगभग 78 अंक पीछे है। भारत अमेच्योर गोल्फर अवनी प्रशांत (69) संयुक्त पांचवे जब स्थान पर रही जबकि गौरिका बिश्नोई (71) संयुक्त 8वे स्थान पर रही। कट में जगह बनाने वाली अन्य भारतीयों में अमनदीप ट्राल (69) तथा वाणी कपूर (78) संयुक्त रूप से 16वे, रिद्धिमा दिलावरी (74) संयुक्त रूप से 24वे, खुशी खानिजाऊ(73) तथा नेहा त्रिपाठी (73) संयुक्त रूप से 31वे स्थान पर रही जबकि अमेच्योर विधात्री उर्स (78) संयुक्त 36वे स्थान पर रही।

पाकिस्तान को चेपक की पिच से पार पाना होगा

● विश्वकप में आज : अफगानिस्तान के स्पिनरो से भी सतर्क रहना होगा

भाषा। चेन्नई

पाकिस्तान को अगर आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में अपने अभियान को वापस पटरी पर लाना है तो उसे चेपक की धीमी गति के गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही पिच पर सोमवार को होने वाले मैच में अफगानिस्तान के स्पिनरों को बेहद सतर्कता से खेलना होगा। पिछले दो मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद पाकिस्तान को अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करने होगी क्योंकि एक और हार से उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगेगा। पाकिस्तान के अभी चार मैच में चार अंक हैं और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट -0.456 है जिसमें सुधार करने की जरूरत है। पाकिस्तान के बल्लेबाज अभी तक स्पिनरों के सामने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जो उसके लिए चिंता का विषय है। यहां तक की बेंगलुरु की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही पिच पर ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को जूझना पड़ा था। अफगानिस्तान का स्पिन विभाग बेहद मजबूत है जिसमें राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान जैसे स्पिनर शामिल हैं जो दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों को भी परेशानी में डालने में सक्षम हैं। चेपक की स्पिनरों के लिए अनुकूल पिच पर उनका सामना करना आसान नहीं होगा। ऐसे में पाकिस्तान के बल्लेबाजों में विशेष कर कप्तान बाबर आजम को अच्छी पारी खेलनी होगी। बाबर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हालांकि अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और पाकिस्तान का उन पर काफी दारोमदार होगा। मध्यक्रम के बल्लेबाज सौद शकील और इफ्तिखार अहमद भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अमूमन देखा गया है कि जब पाकिस्तान के बल्लेबाज नहीं चलते हैं तो उसके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं लेकिन इस बार अभी तक उसके गेंदबाजों ने भी निराश किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट लेकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए जो टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। लेकिन अन्य दो तेज गेंदबाज हारिस राउफ और हसन अली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। पाकिस्तान के पास तेज गेंदबाजों की मदद के लिए अच्छे स्पिनर हुआ करते हैं लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज तथा लेग स्पिनर शादाब खान और उसामा मीर अभी तक अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरे हैं। अफगानिस्तान के बल्लेबाज पाकिस्तान की इस कमजोरी का फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज सहित उसके प्रमुख बल्लेबाज अभी तक निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इकराम अलीखिल, अज़मतुल्लाह उमरज़ई और हशमतुल्लाह शाहिदी ने अभी तक टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की जरूरत है।

अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में आपको नई टीम दिखेगी: इमाम-उल-हक

चेन्नई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में हार का सामना करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक ने रविवार को वादा किया कि सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उनकी टीम नए अवतार में दिखेगी। इमाम ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमने चार मैच खेले हैं और इसमें दो में जीत और दो में हार मिली हैं। हम मानते हैं कि हमने पिछले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। हमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह बहुत मायने रखता है कि आप मैच में कैसा प्रदर्शन करते हैं। आप जितनी चाहे उतनी बात कर सकते हैं। लेकिन यह मायने रखता है कि आप उस दिन कैसा खेलते हैं। हमने इस बारे में बात की है। आप चेन्नई में एक नई टीम देखेंगे। पाकिस्तान के स्पिनर विश्व कप में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं और यहां के चेपॉक मैदान की पिच स्पिनरों के अनुकूल होगी।

दिग्विजय को हराकर रामनाथन चैम्पियन बने

● विश्व टेनिस टूर

भाषा। धारवाड़

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन रविवार को यहां आईटीएफ धारवाड़ पुरुष विश्व टेनिस टूर के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त हमवतन दिग्विजय प्रताप सिंह की कड़ी चुनौती से निपटकर चैम्पियन बने। चौथी वरीयता प्राप्त रामनाथन ने दिग्विजय को 7-6 (5), 7-6 (6) से मात दी। उन्हें चैम्पियन बनने पर 3600 अमेरिकी डॉलर का चेक और 20 एटीपी अंक का फायदा हुआ। दिग्विजय को उपविजेता रहने पर 2120 अमेरिकी डॉलर और 12 एटीपी अंक मिले। यह पहली बार था जब ए दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे से भिड़ रहे थे और मुकाबला कड़ा रहा क्योंकि मैच के दौरान कोई सर्विस ब्रेक नहीं हुई। दूसरे टाई-ब्रेक में दिग्विजय ने 4-। की बढ़त बना ली थी लेकिन रामनाथन उनकी गलतियों का फायदा उठाकर जीत दर्ज करने में सफल रहे। रामनाथन ने इस जीत के बाद कहा, मैं पिछले कुछ सप्ताह से अपने खेल को लेकर संघर्ष कर रहा था। इस जीत से मुझे भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास मिलेगा। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने फाइनल के बाद हांग्झोउ एशियाई खेलों में पुरुष युगल में रजत पदक जीतने पर रामनाथन को सम्मानित किया और उन्हें एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

यूरोपीय ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने फिल्स

एंटवर्प (बेल्जियम)। फ्रांस के किशोर खिलाड़ी आर्थर फिल्स शीर्ष वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर यूरोपीय ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्नीस साल के फिल्स ने सितसिपास को 7-6 (5), 7-6 (4) से पराजित किया। उन्होंने नौ ब्रेक प्वाइंट में से आठ का बचाव किया तथा यूनान के अपने प्रतिद्वंद्वी के 21 विनर की तुलना में 34 विनर लगाए। फिल्स फाइनल में कजाकिस्तान के तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक का सामना करेंगे। बुब्लिक ने सेमीफाइनल में जर्मन क्वालीफायर मैक्सिमिलियन मार्टेरर को 6-4, 6-4 से हराया था। फिल्स ने इस साल लियोन ने अपने करियर का पहला खिताब जीता था और हैंबर्ग में कैस्पर रूड को हराकर शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत दर्ज की थी।

भारतीय मुक्केबाज पर एशियाई खेलों का पदक और ओलंपिक कोटा खोने का खतरा

भाषा। नई दिल्ली,

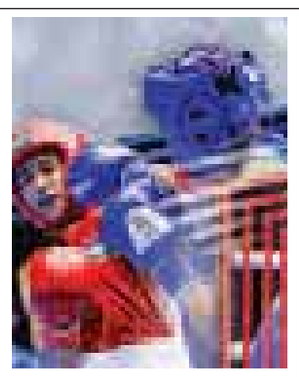

भारत के एक मुक्केबाज पर डोपिंग नियमों के उल्लंघन के कारण हाल ही में एशियाई खेलों में हासिल किए गए पदक के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा के गंवाने का खतरा है। यह महिला मुक्केबाज एशियाई खेलों से पहले अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) को अपने ठिकानों (रहने का स्थान) के बारे में जानकारी देने में कई बार विफल रही है। दोष साबित होने पर इस मुक्केबाज को एशियाई खेलों का पदक और पेरिस ओलंपिक कोटा गंवाने के अलावा अधिकतम दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है। एशियाई ओलंपिक परिषद ने हांग्झोउ एशियाई खेलों में परिणाम प्रबंधन प्रक्रिया सहित डोपिंग रोधी कार्यक्रम के संचालन में मदद करने के लिए आईटीए की सेवाएं ली थी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को हालांकि इस मामले के अनुकूल समाधान की उम्मीद है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीएफआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा, यह नोटिस एशियाई खेलों से पहले की अवधि के लिए था और महासंघ को खेलों के बाद ही इसके बारे में पता चला। मुक्केबाज उस दौरान मानसिक रूप से परेशान थी क्योंकि उसके माता-पिता में से एक गंभीर चिकित्सा स्थिति में थे। उन्होंने कहा, बीएफआई की कानूनी टीम को सूचित कर दिया गया है, वह मामले की जांच कर रही है। कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए (जैसे पदक या ओलंपिक कोटा छीनना) क्योंकि हम विफलता का कारण बताएंगे। पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल खिलाड़ियों के लिए हर तीन महीने में अपने ठिकाने की जानकारी को साझा करना जरूरी है। वाडा के नियमों के मुताबिक कोई खिलाड़ी अगर 12 महीने की अवधि में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी देने में विफल रहता है तो उसे यह डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन माना जाता है। एशियाई खेलों में भारत के पांच मुक्केबाजों ने पदक जीता था। इसमें से निकहत जरीन, प्रीति पंवार, परवीन हुड्डा और लवलिना बोरगोहेन पदक के साथ ओलंपिक कोटा हासिल किया है। पुरुष वर्ग में नरेंद्र बारवाल (92 किलोग्राम से अधिक) ने कांस्य पदक जीता लेकिन वह ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाए।

बोर्निल को बैडमिंटन एशिया जूनियर में अंडर-15 वर्ग में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारत के अंडर-15 बैडमिंटन खिलाड़ी बोर्निल आकाश चांगमाई ने रविवार को चीन के चेंगदू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में फैन होंग जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। लड़कियों में अंडर-17 वर्ग के फाइनल में हालांकि तन्वी शर्मा की हार से भारत को निराशा हाथ लगी। तन्वी थाईलैंड की यतावीमिन केटक्लिएंग से 37 मिनट में 17-21, 21-11, 19-21 से हार गईं। तन्वी, उन्नति हुडा के बाद अंडर-17 फाइनल में प्रवेश करने वाली केवल दूसरी भारतीय लड़की बनीं। उन्नति को पिछले साल फाइनल में शिकस्त मिली थी। लड़कों के एकल फाइनल में बोर्निल ने चीन के 14 साल के खिलाड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-13 से शिकस्त दी। तेरह बरस के बोर्निल सिरिल वर्मा (2013) के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले भारत के दूसरे जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं।

अगर टीम अच्छा कर रही है तो बाहर बैठना मुश्किल नहीं: शमी

भाषा। धर्मशाला

न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप मैच में पांच विकेट झटक कर भारत की जीत की पटकथा लिखने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को यहां कहा कि अगर टीम सफलता हासिल कर रही है तो उन्हें बाहर बैठने में कोई परेशानी नहीं है। मौजूदा विश्व कप में यह भारतीय टीम की लगातार पांचवीं जीत है और शमी को पहली बार अंतिम 11 में मौका मिला है। हरफनमौला हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के कारण शमी और सूर्यकुमार यादव (शारदुल ठाकुर की जगह) को टीम में शामिल किया गया। शमी ने 54 रन देकर करियर में तीसरी बार पांच विकेट चटकाए और मैन ऑफ द मैच बने। न्यूजीलैंड के 273 रन जवाब में भारत ने कोहली (104 गेंद में 95 रन, आठ चौके, दो छक्के) की पारी के दम पर 48 ओवर में छह विकेट पर 274 रन बनाकर जीत दर्ज की। शमी ने पुरस्कार समारोह में कहा, लंबे समय बाद टीम में वापसी करने पर आत्मविश्वास हासिल करने की जरूरत होती है और इस मैच ने मेरे लिए वही काम किया है। टीम से बाहर रहने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा की वह टीम के हित में कुछ भी करने को तैयार है। उन्होंने कहा, अगर टीम अच्छा कर रही हो तो बाहर बैठना मुश्किल काम नहीं है। जब आपके साथी अच्छा कर रहे हैं तो आपको उनका समर्थन करना चाहिए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।